LKS
RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928
www.loktantrakishaan.com

दैनिक लोकतंत्र की शान

दिल्ली से प्रकाशित | बुधवार 28 जनवरी 2026 | लोकतंत्र का स्तंभ

भारत-ईयू एफटीए का अंतिम मसौदा मंजूर, रक्षा-प्रतिरक्षा साझीदारी करार पर भी हुए हस्ताक्षर

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत एवं यूरोप के 27 देशों के संघ ने मंगलवार को यहां दुनिया के सबसे बड़े माने जा रहे मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए)के मसौदे पर मुहर लगायी और कैरेबियाई सागर से लेकर हिन्द-प्रशांत क्षेत्र तक वैश्विक समृद्धि एवं सुरक्षा के लिए संयुक्त रूप से काम करने के एक व्यापक रणनीतिक एजेंडे की घोषणा की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो लुइस सैंटोस दा कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन के साथ यहां हैदराबाद हाउस में हुई 16वें भारत-यूरोपीय संघ शिखर बैठक में एफटीए पर अंतिम मुहर लगायी गयी तथा समझौते के समापन संबंधी राजनीतिक दस्तावेज पर हस्ताक्षर एवं आदान-प्रदान किया गया। दोनों देशों ने इसके साथ ही 13 समझौतों के दस्तावेजों का आदान-प्रदान किया। इनमें वर्ष 2030 तक संयुक्त भारत-यूरोपीय संघ व्यापक रणनीतिक एजेंडा, रक्षा एवं प्रतिरक्षा साझीदारी, मानव संसाधन के आवागमन संबंधी सहयोग एवं उसके कानूनी ढांचे पर व्यापक करार तथा महिलाओं और युवाओं के लिए डिजिटल

नवाचार और कौशल हब पर भारत-यूरोपीय संघ त्रिपक्षीय सहयोग के तहत कृषि और खाद्य प्रणालियों में महिला किसानों को सशक्त बनाने, सौर आधारित समाधान; प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली और अफ्रीका में सौर आधारित सतत ऊर्जा संक्रमण पर चार परियोजनाओं को हिन्द-प्रशांत क्षेत्र और कैरिबियाई क्षेत्र में छोटे द्वीप विकासशील देशों में संयुक्त रूप से लागू करने के लिए समझौता शामिल है। प्रधानमंत्री मोदी ने मेहमान नेताओं के साथ संयुक्त प्रेस वक्तव्य में कहा, "आज भारत ने अपने इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा मुक्त व्यापार समझौता संपन्न किया है। यह सिर्फ व्यापारिक करार नहीं है। यह साझा समृद्धि का नया ब्ल्यूप्रिंट है। पिछले कुछ वर्षों में भारत और ईयू के संबंधों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, आर्थिक तालमेल और जनता के बीच मजबूत संबंधों के आधार पर हमारी साझीदारी नई ऊँचाइयों तक पहुँच रही है। आज, एक और ऐतिहासिक अवसर है, जब विश्व की दो सबसे बड़ी लोकतांत्रिक शक्तियाँ अपने संबंधों में एक निर्णायक अध्याय जोड़ रही हैं। भारत और यूरोपीय संघ का सहयोग, वैश्विक कल्याण की एक साझीदारी है। मोदी ने कहा, "हम अगले 5 वर्षों के लिए एक महत्वाकांक्षी और समग्र रणनीतिक एजेंडा शुरू कर रहे हैं। इस जटिल वैश्विक परिवेश में, यह एजेंडा स्पष्ट दिशा प्रदान करेगा, हमारी साझा समृद्धि को आगे बढ़ाएगा, नवाचार को गति देगा, रक्षा सहयोग को मजबूत करेगा और लोगों से लोगों के बीच संबंधों को गहरा करेगा। भारत और यूरोपीय संघ का एक साथ आना वैश्विक भलाई के लिए एक साझीदारी है। हम हिन्द-प्रशांत क्षेत्र से कैरेबियन तक त्रिपक्षीय परियोजनाओं को आगे बढ़ाएंगे।

भारत-ईयू समझौते ने दुनिया को दिया स्पष्ट संदेशः यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष

नई दिल्ली। यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो लुइस सैंटोस दा कोस्टा ने मंगलवार को भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौता वार्ता के सम्पन्न होने को दुनिया के लिए एक स्पष्ट संदेश बताया। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में जब वैश्विक व्यवस्था मौलिक रूप से बदल रही है, यूरोपीय संघ और भारत रणनीतिक और भरोसेमंद साझेदार के रूप में एक साथ खड़े हैं। भारत और ईयू के बीच हैदराबाद हाउस में आयोजित 16वीं शिखर वार्ता में आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो लुइस सैंटोस दा कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने संबंधों के पूरे दायरे की समीक्षा की और साझेदारी को और प्रगाढ़ करने के तरीकों पर चर्चा की। प्रधानमंत्री मोदी के साथ साझा प्रेस वक्तव्य में कोस्टा ने कहा कि व्यापार एक महत्वपूर्ण भू-राजनीतिक स्थिरता लाने वाला कारक है और आर्थिक विकास का मूलभूत स्रोत है। व्यापार समझौते नियम-आधारित आर्थिक व्यवस्था को मजबूत करते हैं और साझा समृद्धि को बढ़ावा देते हैं। आज के मुक्त व्यापार समझौता का ऐतिहासिक महत्व है। यह अब तक हुए सबसे महत्वाकांक्षी समझौतों में से एक है। यह 2 अरब लोगों का एक बाज़ार बनाता है। कोस्टा कहते हैं, "आज एक ऐतिहासिक पल है। हम व्यापार, सुरक्षा और लोगों के बीच संबंधों में अपने रिश्तों में एक नया अध्याय खोल रहे हैं।

ज्वलंत मुद्दा | संपादकीय

जजों द्वारा सरकार के खिलाफ फैसले, सजा और ट्रांसफर तय?

भारत में न्याय पालिका को संविधान ने सर्वोच्च स्थान पर रखा है। विधायिका और कार्यपालिका के कार्यों की समीक्षा तथा अंतिम फैसला करने का अधिकार संविधान ने न्यायपालिका को दिया है। अब ऐसा ऐसा लगने लगा है, न्यायपालिका सरकार के अधीन है। सरकार के दबाव में हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जज फैसला करने के लिए बाध्य हैं। यदि जज सरकार की अनुकूलता के अनुसार फैसला नहीं देते हैं, तो पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से जजों के ट्रांसफर किए जा रहे हैं, जिस तरह से उनकी वरिष्ठता क्रम को नजर अंदाज करते हुए, उनकी नियुक्तियां की जा रही हैं। उसको लेकर अब विरोध खुलकर सामने आने लगा है। न्यायपालिका की कॉलेजियम व्यवस्था, हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के फैसलों पर सवालिया निशान लगना शुरू हो गए हैं। यह स्थिति भारतीय संविधान, लोकतंत्र और न्यायपालिका के अस्तित्व पर बहुत बड़ा सवाल खड़ा करने लगी है।

कॉलेजियम की अनुशंसा पर सरकार का विधि मंत्रालय ट्रांसफर आदेश जारी करता है। कॉलेजियम की अनुशंसा में यह उल्लेख होने लगा है, यह अनुशंसा सरकार के अनुरोध पर की गई है। जो अपने आप कॉलेजियम की अधिकारिता को दर्शा रही है। सुप्रीम कोर्ट के जज उज्ज्वल भुइयाँ ने सार्वजनिक रूप से न्यायपालिका के ऊपर कार्यपालिका के प्रभाव को स्वीकार किया है। जजों की नियुक्ति, ट्रांसफर और पोस्टिंग में जिस तरह का हस्तक्षेप सरकार द्वारा किया जा रहा है, उदाहरण स्वरुप हाल ही में सुप्रीम कोर्ट में एक जज की नियुक्ति हुई है। उस नियुक्ति में 56 जजों की वरिष्ठता को नजर अंदाज किया गया। इसके बाद न्यायपालिका में खदर-बदर मची हुई है। सुप्रीम कोर्ट में जूनियर जजों को महत्वपूर्ण मामले दिए जा रहे हैं। सीनियर जजों को कम महत्व के मामले दिए जाते हैं। न्यायपालिका में जिस तरीके से न्याय हो रहा है, उस पर बड़ा प्रश्न चिन्ह लगने लगा है। हाल ही में कई जजों के ऐसे ट्रांसफर किए गए हैं, जो उनके फैसलों के कारण हुए हैं।

दिल्ली दंगे के दौरान दिल्ली हाईकोर्ट के एक जज ने हेट स्पीच को लेकर एक फैसला दिया था। फैसला देने के तुरंत बाद रातों-रात उस जज का ट्रांसफर कर दिया गया। हाल ही में न्यायमूर्ति श्रीधरन का ट्रांसफर सरकार के अनुरोध पर इलाहाबाद हाईकोर्ट में किया गया। उन्होंने मध्य प्रदेश शासन के मंत्री विजय शाह द्वारा एक महिला सेवा अधिकारी पर आपत्तिजनक टिप्पणी को संज्ञान मे लिया था। हेट स्पीच को लेकर दमोह के एक मामले में कार्यवाही की थी। नर्सिंग कॉलेजों में जो घोटाला हो रहा था, इसकी सीबीआई जांच के आदेश दिए थे। इसी तरह पैरामेडिकल कॉलेज जो बिना किसी मान्यता के चल रहे थे, उन पर रोक लगाई थी। सरकार उनके फेसलों से नाराज थी।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.9911371802
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

पीएम मोदी ने वर्चुअली इंडिया एनर्जी वीक के चौथे एडीशन का किया उद्घाटन

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने वर्चुअली इंडिया एनर्जी वीक 2026 के चौथे एडीशन का उद्घाटन किया। पीएम मोदी ने कहा कि एनर्जी सेक्टर के लिए भारत मौकों की जमीन है, क्योंकि इसमें मांग तेजी से बढ़ रही है। भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था है। इसका मतलब है कि यहां

एनर्जी प्रोडक्ट्स की मांग लगातार बढ़ रही है। इसके अलावा भारत दुनिया की मांग को पूरा करने के लिए बेहतरीन मौके देता है। इस मौके पर पीएम मोदी ने इंडिया-ईयू फ्री ट्रेड डील की भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौते का पूरक है। यह मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को बढ़ावा देगा, सेवाओं को सपोर्ट करेगा। इसे मदर ऑफ ऑल डील्स कहा जा रहा है। यह समझौता ग्लोबल जीडीपी का करीब 25फीसदी और ग्लोबल ट्रेड का करीब एक-तिहाई हिस्सा है। यह समझौता (भारत के 140 करोड़ लोगों और यूरोपीय देशों के करोड़ों लोगों के लिए जबरदस्त मौके लाता है। यह लोकतंत्र और रूल ऑफ लॉ के लिए हमारे कमिटमेंट को भी मजबूत करता है। इंडिया एनर्जी वीक 2026 ग्लोबल एनर्जी एग्जीबिशन कॉन्फ्रेंस है। यह 30 जनवरी तक चलेगा। इसमें 75 हजार से ज्यादा एनर्जी प्रोफेशनल, 700 से ज्यादा एग्जीबिटर, 550 से ज्यादा एक्सपर्ट स्पीकर शामिल होंगे।

2000 के नोटों से भरे दो ट्रक की लूट ने लिया सियासी रंग, कांग्रेस-बीजेपी आमने-सामने

बेंगलुरु। कर्नाटक और महाराष्ट्र की सीमा पर 2000 के नोटों के 400 करोड़ रुपए की लूट ने सियासी रंग ले लिया है। कर्नाटक की सत्ताधारी कांग्रेस और विपक्षी बीजेपी ने एक-दूसरे पर जमकर निशाना साधा। पिछले साल 22 अक्टूबर को चोरला घाट पर हुई इस लूट का मामला कुछ समय पहले तब सामने आया था, जब पीड़ित संदीप पाटिल ने नासिक में लूट की शिकायत दर्ज कराई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीड़ित संदीप ने बताया कि दो ट्रक में भरकर यह पैसा ले जाया जा रहा था। उसी वक्त 6 लोगों ने हथियारों के दम पर उसे लूट लिया। घटना की जानकारी सामने आते ही कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खड़गे ने महाराष्ट्र की बीजेपी सरकार पर सवाल उठाते हुए नकदी की इस आवाजाही को गुजरात, महाराष्ट्र और गोवा से जोड़ दिया। उन्होंने कहा कि हमें नहीं पता कि यह पैसा किसका था। जांच होने दीजिए ताकि पता चल सके कि यह कांग्रेस, बीजेपी, एनसीपी या शिवसेना का है या नहीं। असल सवाल तो यह है कि बीजेपी सरकारें क्या कर रही हैं। ये तीनों सरकारें अपनी नाक के नीचे ये सारी गतिविधियां कैसे कर रही हैं? रिपोर्ट के मुताबिक कुछ बीजेपी विधायकों के इस आरोप का जिक्र करते हुए कहा कि नोटबंदी के बाद 2,000 रुपए के नोटों को काले धन से सफेद धन में बदलने के लिए तिरुपति ले जाया जा रहा था, प्रियांक खड़गे ने पूछा कि उनके पास ऐसी जानकारी कैसे है, जो सरकारों के पास भी नहीं है? उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश, जहां तिरुपति स्थित है, पर किसका शासन है? केंद्र को इन सवालों का जवाब देना होगा।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में देशव्यापी हड़ताल से चौथे दिन भी कामकाज प्रभावित

एजेंसी। नई दिल्ली

यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) के आह्वान पर चौथे दिन भी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के कर्मचारी हड़ताल पर हैं। इस वजह से देशभर के सरकारी बैंकों में मंगलवार को कामकाज बुरी तरह प्रभावित है। राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में बैंक यूनियनों ने हड़ताल पर रहकर पांच दिन के वर्किंग सप्ताह की मांग की है। गुजरात के राजकोट में बैंक ऑफ बड़ौदा की मुख्य शाखा पर बैंक कर्मचारियों ने अपनी मांग को लेकर विरोध-प्रदर्शन किया है। इसी तरह कोलकाता में बैंक कर्मचारियों ने अपनी मांग को लेकर इंडियन बैंक की मेन ब्रांच पर विरोध प्रदर्शन किया। देश के अधिकांश हिस्सों में यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) के आह्वान पर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के अधिकांश कर्मचारी हड़ताल पर हैं। इस कारण नकद लेन-देन, चेक क्लियरेंस, केवाईसी अपडेट और शाखाओं से जुड़े अन्य आवश्यक कार्य नहीं हो पा रहे हैं। बैंक में छुट्टियों की श्रृंखला के बाद ये लगातार चौथा दिन है, जब आम लोगों को बैंकिंग सेवाओं में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

कौन कर रहा है हड़ताल : यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के तहत आने वाली विभिन्न बैंक कर्मचारी यूनियनों ने सरकार से पांच दिवसीय कार्य सप्ताह (5-डे वर्किंग) लागू करने की मांग को लेकर यह हड़ताल बुलाई है। यूनियनों का कहना है कि बैंक कर्मचारियों पर बढ़ते कार्यभार और लंबी कार्य अवधि को देखते हुए संतुलित कार्यप्रणाली जरूरी हो गई है। कर्मचारियों ने यह भी स्पष्ट किया है कि वे इसके बदले हर कार्यदिवस में अतिरिक्त 40 मिनट काम करने के लिए तैयार हैं।

कॉंग्रेस के विचार विभाग की वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्षा डॉ.जया शुक्ला की व्यथा

जया शुक्ला

दिल्ली। कॉंग्रेस के विचार विभाग की वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्षा डॉ.जया शुक्ला ने व्यथा और आक्रोश व्यक्त करते हुए भाजपा की सरकार द्वारा गणतंत्र दिवस जैसे पावन अवसर पर श्री राहुल गाँधी और श्री मल्लिकार्जुन खड़गेजी का बारंबार अपमान किये जाने के लेकर भाजपा सरकारकी घोर निन्दा की। डॉ.शुक्ला ने कहा कि नेता विपक्ष और मुख्य विपक्षी दल के अध्यक्ष को मान्य प्रोटोकोलके अनुसार उचित स्थान नहीँ देकर सरकार ने इस गरिमापूर्ण राष्ट्रीय पर्व की गरिमा भंग की है। उन्हौंने कहा कि उनका स्थान, उनके पद के अनुसार, तो प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति की कुर्सी के पास होना था। डॉ.शुक्ला ने प्रश्न उठाया कि राहुल गाँधी जी का बारम्बार लगातार अपमान करनेवाले मोदीजी को आख़िर उनसे इतनी नफ़रत क्यों है? कहीँ इसका कारण उनकी योग्यता से ईर्ष्या और पूरे मोदी ग्रुप को हटा सकने की उनकी सक्षमता से भय तो नहीँ !! डॉ.शुक्ला ने देशकी एक बहुत पुरानी

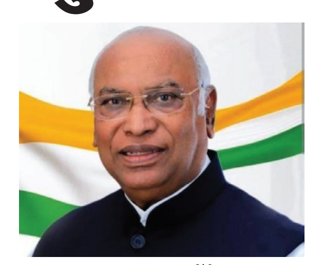

घटना याद गिलाई। उन्हौंने बताया कि तब युवा अटलबिहारी वाजपेई जी प्रथम बार सांसद बने थे, प्रधानमंत्री नेहरूजी की कही हर बात को संसद मैं घेरने की चेष्टा करते थे। कोई बहुत अहम विदेशी सरकार के नेता वार्ता के लिये भारत आये थे। प्रधानमंत्री ने जो दिन की दावत दी, उसमैं वाजपेईजी को भी बुलाया। परिचय करवाते हुए नेहरूजी ने हँसकर कहा कि यह रोज़ मुझे संसद मैं घेरते हैं। मेहमान ने पूछा कि फिर आपने इन्हैं बुलाया क्यों? नेहरू जी का उत्तर बहुत गंभीर और लोकतंत्र की रीढ़ है। उन्हौंने कहा कि लोकतंत्र तभी है जब विपक्ष का भी प्रतिनिधित्व हो। डॉ.शुक्ला ने प्रार्थना की कि मोदी भी लोकतंत्र की इस मूल आत्मा को समझैं।

आदिवासी बस्तियों को उजाड़ने के विरोध में शिंदे के घर के बाहर रातभर प्रदर्शन

मुंबई। संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान के वन क्षेत्रों में सालों से रह रहे आदिवासियों और प्रशासन के बीच तनाव बढ़ गया है। सोमवार को प्रशासन द्वारा आदिवासियों की बस्तियों को तोड़ने के विरोध में बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारियों ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के ठाणे स्थित घर के बाहर रातभर प्रदर्शन किया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रदर्शनकारियों का दावा है कि वे पीढ़ियों से इस क्षेत्र में रह रहे हैं। उन्होंने सोमवार को प्रशासन द्वारा उनके आवासों पर की गई तोड़फोड़ की कार्रवाई की निंदा की और देर रात डिप्टी सीएम शिंदे के घर के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। राज्य आदिवासी विकास समिति के अध्यक्ष ने कहा कि जब तक 2018 की पुनर्वास योजना लागू नहीं हो जाती और प्रभावित परिवारों को फिर से बसाया नहीं जाता, तब तक तोड़फोड़ नहीं होनी चाहिए। विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करने वाले संगठन के एक पदाधिकारी के मुताबिक पुनर्वास योजना पर चर्चा का आश्वासन मिलने के बाद आदिवासियों ने अपना आंदोलन खत्म कर दिया। संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान के अंतर्गत आने वाली आदिवासी बस्तियों पर सोमवार को प्रशासन ने तोड़फोड़ की कार्रवाई की। कार्रवाई से नाराज आदिवासियों का कहना है कि वे इन जंगलों में कई पीढ़ियों से रह रहे हैं और उनके पास यहां रहने का अधिकार है।

सरकार का साल 2032 तक 3-नैनोमीटर चिप बनाने का लक्ष्यः अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को कहा कि सरकार का साल 2032 तक आधुनिक स्मार्टफोन और कंप्यूटर जैसे उत्पादों में इस्तेमाल होने वाले 3-नैनोमीटर नोड के उच्च तकनीक वाले छोटे चिप बनाने का लक्ष्य है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में सेमीकॉन इंडिया प्रोग्राम की डिजाइन आधारित प्रोत्साहन (डीएलआई) योजना के तहत मंजूर की गई 24 सेमीकंडक्टर चिप डिजाइन कंपनियों के साथ बैठक के बाद आयोजित प्रेस कांफ्रेस में यह बात कही। अश्विनी वैष्णव ने बैठक के बाद कहा, 'साल 2032 तक हमारा लक्ष्य 3-नैनोमीटर चिप के डिजाइन और विनिर्माण के स्तर तक पहुंचना है। डिजाइन का काम तो हम आज भी कर रहे हैं लेकिन विनिर्माण के स्तर पर 3-नैनोमीटर तक पहुंचना होगा।' उन्होंने कहा कि हर क्षेत्र को इन छह प्रकार के चिप के किसी न किसी संयोजन की जरूरत होगी। उन्होंने कहा कि डिजाइन आधारित प्रोत्साहन (डीएलआई) योजना के दूसरे चरण के तहत सरकार चिप की छह श्रेणियों कंप्यूट, रेडियो फ्रीक्वेंसी (आरएफ), नेटवर्किंग, ऊर्जा, सेंसर और मेमोरी पर ध्यान केंद्रित करेगी। इससे देश की कंपनियों को 70-75 फीसदी प्रौद्योगिकी उत्पादों के विकास पर प्रमुख नियंत्रण मिल सकेगा। वैष्णव ने कहा कि सरकार छह प्रमुख प्रणालियों पर ध्यान देना चाहती है ताकि देश के पूरे सेमीकंडक्टर डिजाइन क्षेत्र समग्र और व्यापक रूप से विकसित किया जा सके।

भारत अब केवल आयातक नहीं रहा बल्कि निर्यातक देश बन रहाः राजनाथ सिंह

एजेंसी। नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नागपुर की इकाई से पिनाका निर्देशित रॉकेट प्रणाली की पहली खेप को रवाना किया। यह खेप ऑर्मेनिया के लिए है और इसे भारत की उभरती सामरिक क्षमता और वैश्विक भरोसे का ठोस संकेत माना जा रहा है। बता दें बहु नली रॉकेट लांचर पिनाका अपनी सटीकता और लंबी मारक क्षमता के लिए प्रसिद्ध है। इसके उन्नत संस्करण अब 75 किलोमीटर तक लक्ष्य भेदने में सक्षम हैं जबकि हालिया परीक्षणों में इसकी सीमा 120 किलोमीटर तक है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि पिनाका मिसाइलों का निर्यात नागपुर

रक्षामंत्री ने की पिनाका रॉकेट प्रणाली की पहली खेप ऑर्मेनिया रवाना

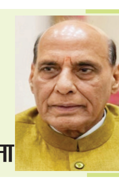

स्थित सोलर डिफेंस एंड एयरोस्पेस इकाई में विकसित स्वदेशी क्षमता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि भारत अब केवल आयातक नहीं रहा बल्कि निर्यातक देश बन रहा है। निजी क्षेत्र की बढ़ती भागीदारी का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि जहां दस साल पहले रक्षा निर्यात एक हजार करोड़ रुपए से भी कम था वहीं अब यह बढ़कर 24 हजार करोड़ रुपए के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। इसी अवधि में घरेलू रक्षा उत्पादन 2014 के 46 हजार 425 करोड़ रुपए से बढ़कर 1.51 लाख करोड़ रुपए के स्तर पर पहुंच गया है। बता दें भारतीय थल सेना पहले ही पिनाका एमके वन एन्हांस्ड संस्करण को अपने बेड़े में शामिल कर चुकी है। यह प्रणाली मूल रूप से 37.5 किलोमीटर की मारक क्षमता के साथ विकसित हुई थी लेकिन समय के साथ इसमें लगातार सुधार हुआ। अब सेना करीब 2500 करोड़ रुपए के प्रस्ताव के तहत 120 किलोमीटर मारक क्षमता वाले रॉकेट शामिल करने की तैयारी में है। दिसंबर 2025 में इन रॉकेटों का सफल परीक्षण किया गया और खास बात यह है कि इन्हें उसी लांचर से दागा जा सकता है जिससे अभी 40 और 75 किलोमीटर तक के लक्ष्य साधे जाते हैं।

हिमाचल में जमकर हुई बर्फबारी, मनाली में सैकड़ों पर्यटक फंसे, रास्तों पर लग गया लंबा जाम

एजेंसी। मनाली

हिमाचल प्रदेश के पहाड़ी इलाकों में 23 जनवरी से जारी भारी बर्फबारी ने जनजीवन को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। मनाली और इसके आसपास के क्षेत्रों में कुदरत के सफेद कहर की वजह से सड़कें बंद हो गई हैं, जिससे सैकड़ों पर्यटक बीच रास्ते में फंस गए हैं। ताजा जानकारी के मुताबिक, मंगलवार सुबह मनाली के सोलंगनाला में एक बार फिर बर्फबारी शुरू हो गई है, जिसे देखते हुए प्रशासन ने स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी है। सड़कों पर जमी बर्फ की मोटी चादर के कारण नेशनल हाईवे-3 पर यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ है। हालांकि, अधिकारियों ने सोमवार को सोलंगनाला तक सड़क साफ करने का काम किया, लेकिन वर्तमान में वहां केवल

छोटे और हल्के वाहनों को ही आवाजाही की अनुमति दी गई है। बसों का संचालन अभी भी बाधित है और वे मनाली से करीब 16 किलोमीटर दूर पतलीकुहल तक ही जा पा रही हैं। रविवार की तुलना में स्थिति में मामूली सुधार जरूर हुआ है, लेकिन पर्यटकों की मुश्किलें कम नहीं हुई हैं।

पिछले दिनों मनाली में 15 किलोमीटर लंबा भारी ट्रैफिक जाम देखा गया, जहां पर्यटकों को कड़कड़ाती ठंड में अपना सामान उठाकर पैदल चलते हुए देखा गया। जिला प्रशासन लगातार स्थिति की निगरानी कर रहा है। अधिकारियों का कहना है कि मुख्य सड़कें बंद होने के कारण पर्यटक अपने होटलों तक ही सीमित हैं। सड़कों से बर्फ हटाने का काम युद्धस्तर पर जारी है, लेकिन ट्रैफिक व्यवस्था को पूरी तरह बहाल करने में अभी कुछ समय और लग सकता है। फिसलन भरी सड़कों को देखते हुए पतलीकुहल से मनाली की ओर केवल चार पहिया वाहनों को ही जाने दिया जा रहा है। मौसम विभाग ने 27 जनवरी के लिए भारी बर्फबारी का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जिससे पतलीकुहल-मनाली और मणिकरण-भुंतर मार्ग के पूरी तरह बंद होने का खतरा बढ़ गया है। पुलिस और प्रशासन ने पर्यटकों एवं स्थानीय निवासियों के लिए विशेष एडवाइजरी जारी की है। लोगों को सलाह दी गई है कि वे मौसम साफ होने तक ऊंचे इलाकों, नदियों, नालों और हिमस्खलन की संभावना वाले क्षेत्रों की ओर न जाएं।

बीजेपी के पूर्व सांसद बृजभूषण 2029 का लोकसभा चुनाव अयोध्या से लड़ेंगे?

नई दिल्ली। पूर्व बीजेपी सांसद बृज भूषण शरण सिंह ने फैजाबाद से 2029 का लोकसभा चुनाव लड़ने का संकेत दिया है और कहा कि सही वक्त पर आखिरी फैसला लिया जाएगा। बृजभूषण ने एक शोरूम का उद्घाटन करने के बाद पत्रकारों से यह बात कही। उन्होंने यह भी कहा कि अयोध्या जिले की एकमात्र लोकसभा सीट फैजाबाद से पूर्व बीजेपी सांसद विनय कटियार पार्टी टिकट के हकदार हैं। बृज भूषण ने कहा कि यहां से दावा करना कटियार का अधिकार है और इसमें कुछ भी असामान्य नहीं है। वह इसके पूरी तरह हकदार हैं। 2024 के लोकसभा चुनावों में समाजवादी पार्टी के अवधेश प्रसाद फैजाबाद से अप्रत्याशित विजेता थे। उन्होंने बीजेपी के लल्लू सिंह को हराया था। हाल ही में अपने जन्मदिन के मौके पर आयोजित शक्ति प्रदर्शन में बृज भूषण ने 2029 के आम चुनावों की तैयारी का संकेत दिया था। उनके के बेटे और कैसरगंज से मौजूदा बीजेपी सांसद करण भूषण सिंह ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि पिता-पुत्र की जोड़ी 2029 के चुनावों में मैदान में उतरेगी। सोमवार को बृज भूषण सिंह ने युवाओं और सोशल मीडिया से मिल रहे समर्थन के लिए आभार जताया और अपने बढ़ते प्रभाव का श्रेय जनता के प्यार और यकीन को दिया।

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEU-TICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

पसमांदा विकास फाउंडेशन के तत्वावधान में फिरोजपुर झिरका में 77वें गणतंत्र दिवस पर ऐतिहासिक तिरंगा यात्रा

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली / फिरोजपुर झिरका, मेवातः 77वें गणतंत्र दिवस के गरिमामय अवसर पर शहर फिरोजपुर झिरका में पसमांदा विकास फाउंडेशन के तत्वावधान में एक भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। इस तिरंगा यात्रा में सभी समुदायों के लोगों,महिलाओं,उलेमा,छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जबकि पुलिस और जिला प्रशासन का भी भरपूर सहयोग प्राप्त रहा। नन्हे-नन्हे मासूम बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक,हर व्यक्ति हाथों में तिरंगा लिए देशभक्ति के जज़्बे से सराबोर नज़र आया। तिरंगा यात्रा में फिरोजपुर झिरका ब्लॉक के विभिन्न मदरसों के बच्चों को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था। पसमांदा विकास फाउंडेशन की ओर से बच्चों को एक समान पोशाक पहनाई गई,हाथों में तिरंगा दिया गया और गले में तिरंगे के पटके डालकर उन्हें यात्रा के लिए तैयार किया गया। नन्हे बच्चे और बच्चियाँ पूरे जोश-खरोश के साथ लगभग दो किलोमीटर लंबी तिरंगा यात्रा में शामिल हुए। "हिंदुस्तान ज़िंदाबाद" के नारों से पूरा शहर गूंज उठा और हर कदम पर देशभक्ति की झलक साफ दिखाई दी। इस अवसर पर पसमांदा विकास फाउंडेशन के डाइरेक्टर मेराज राईन ने कहा कि गणतंत्र दिवस हम सभी के लिए केवल एक राष्ट्रीय पर्व नहीं है,बल्कि यह भारतीय संविधान के प्रति निष्ठा के संकल्प को दोहराने का दिन है। तिरंगा हमारी पहचान,हमारा गौरव और हमारी साझा ज़िम्मेदारी का प्रतीक है। मदरसों के बच्चों की इस तिरंगा यात्रा में भागीदारी इस बात का प्रमाण है कि दीनि शिक्षा के साथ-साथ संवैधानिक चेतना और राष्ट्रीय दायित्व का एहसास भी हमारे दिलों में जीवित है। हमारा उद्देश्य है कि हमारे बच्चे अच्छे इंसान,ज़िम्मेदार नागरिक और सच्चे देशभक्त बनकर देश की सेवा करें। तिरंगा यात्रा को उप-मंडल अधिकारी (एसडीएम) फिरोजपुर झिरका लक्ष्मी नारायण ने सद्भावना भवन परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यात्रा का नेतृत्व पसमांदा विकास फाउंडेशन के डाइरेक्टर मेराज राईन और महिला डाइरेक्टर निकहत परवीन ने किया। दोनों नेताओं ने स्वयं हाथों में तिरंगा लेकर बच्चों के साथ काफ़ी दूर तक पैदल चलकर उनका हौसला बढ़ाया और देशभक्ति का व्यावहारिक संदेश दिया। 26 जनवरी के इस पावन दिन तिरंगा यात्रा की शुरुआत सद्भावना भवन से हुई और यह भारतीय संविधान के शिल्पकार बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर सर्किल पहुंची,जहां उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर एसडीएम लक्ष्मी नारायण ने बच्चों को संबोधित करते हुए भारतीय संविधान के महत्व,गणतंत्र दिवस की पृष्ठभूमि और नागरिक कर्तव्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। जब तिरंगा यात्रा शहीदी मीनार सोलीला मोड़ पहुंची तो सिटी थाना फिरोजपुर झिरका के थाना प्रभारी ने ध्वजारोहण किया और बच्चों को देश की आज़ादी,संवैधानिक मूल्यों और राष्ट्रीय ज़िम्मेदारियों के बारे में जानकारी दी। फाउंडेशन की महिला निदेशक निकहत परवीन ने कहा कि प्रयास यह है कि बचपन से ही लड़कियों और लड़कों में शिक्षा,आत्मविश्वास,भाईचारा और देशभक्ति की भावना विकसित हो। यह तिरंगा यात्रा इस बात का स्पष्ट संदेश है कि महिलाएं भी राष्ट्रीय एकता और देश के निर्माण में बराबर की भागीदार हैं।

ख़ास ख़बर

यूजीसी के नए नियमों के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में एक और याचिका दाखिल

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। उच्च शिक्षण संस्थानों को लेकर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नए नियमों के खिलाफ उच्चतम न्यायालय में एक और याचिका दाखिल की गई है। वकील विनीत जिंदल की ओर से दायर याचिका में कहा गया है कि ये नियम सामान्य वर्ग के लिए भेदभावपूर्ण है, उनके मौलिक अधिकारों का हनन करने वाले हैं।याचिका में उच्चतम न्यायालय से मांग की गई है कि यूजीसी रेगुलेशंस 2026 की नियमावली 3(सी) को लागू करने पर रोक लगाई जाए। वर्ष 2026 के नियमों के अंतर्गत बनाई गई व्यवस्था सभी जाति के व्यक्तियों के लिए लागू हो। दरअसल यूजीसी के नई नियमावली के 3(सी) में जातिगत भेदभाव की परिभाषा दी गई है। इसमें कहा गया है कि जाति आधारित भेदभाव केवल एससी-एसटी और ओबीसी के साथ होने पर ही माना जाएगा। अगर कोई व्यक्ति इन वर्गों से नहीं है तो उसके साथ हुआ उत्पीड़न कानून की नजर में गिना ही नहीं जाएगा। याचिका में कहा गया है कि इन नियमों की आड़ लेकर सामान्य वर्ग से आने वाले छात्रों और शिक्षकों के खिलाफ झूठी और दुर्भाग्यपूर्ण शिकायत भी हो सकती है।

शकील अहमद के आरोपों पर भाजपा का तंज- कांग्रेस की प्रवृति अलोकतांत्रिक और तानाशाही वाली

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। पूर्व कांग्रेस नेता डॉ. शकील अहमद के गंभीर आरोपों पर भारतीय जनता पार्टी ने प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस पार्टी को तानाशाह बताया है। मंगलवार को भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि "यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है,यह घटना कांग्रेस की तानाशाही और "आपातकाल वाली सोच" को दर्शाती है। शहज़ाद पूनावाला ने एक्स पर अपने एक पोस्ट में कहा कि कांग्रेस पार्टी में असहमति की कोई जगह नहीं है और जो भी नेता नेतृत्व से सवाल करता है, उसे डराने या नुकसान पहुंचाने की कोशिश की जाती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस लंबे समय से लोकतंत्र की बात करती रही है, लेकिन पार्टी के अंदर ही लोकतांत्रिक मूल्यों का पालन नहीं किया जाता। उन्होंने दावा किया कि डॉ. शकील अहमद को नुकसान पहुंचाने के लिए कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व से निर्देश दिए गए थे। उल्लेखनीय है कि पूर्व कांग्रेस नेता डॉ. शकील अहमद ने मंगलवार को एक्स पर कहा कि कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने उनके पटना और मधुबनी स्थित आवासों पर हमला करवाने का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि वे पार्टी के अंदर अपनी बात और असहमति खुलकर रखते रहे हैं, जिसकी वजह से उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने इसे अपनी सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बताया है।

दिल्ली सरकार और सीजीटीएमएसई के बीच एमओयू, सूक्ष्म एवं लघु उद्यमियों को मिलेगा 95 फीसदी तक गारंटी कवरेज

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने मंगलवार को 'दिल्ली क्रेडिट गारंटी योजना' के तहत सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों के लिए ऋण गारंटी निधि ट्रस्ट (सीजीटीएमएसई) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते से दिल्ली के सूक्ष्म और लघु उद्यम को बिना गारंटी और बिना संपत्ति गिरवी रखे लोन की सुविधा मिलेगी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सचिवालय में आयोजित कार्यक्रम में इस एमओयू पर हस्ताक्षर कर इसे दिल्ली के उद्यमियों के लिए ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने इसके लिए राज्य के उद्योग मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा, उनकी पूरी टीम और सीजीटीएमएसई के सीईओ मनीष सिन्हा को बधाई दी। इस मौके पर डीएसआईआईडीसी की एमडी नाजुक कुमार, इंडस्ट्रीज सचिव रवि झा और सीजीटीएमएसई के डीजीएम धीरज कुमार भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि छोटे उद्यमियों को अक्सर बिना गारंटी ऋण लेने में कठिनाई होती है, लेकिन अब सीजीटीएमएसई के साथ समझौते से इसका स्थायी समाधान हो गया है। इससे नवाचार को बढ़ावा मिलेगा, नए रोजगार के अवसर बनेंगे और महिला उद्यमियों को विशेष लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली के सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों के लिए सरकार ने बिना गारंटी और बिना संपत्ति गिरवी रखे लोन की व्यवस्था सुनिश्चित की है। इससे महिला उद्यमियों को वह सम्मान और संसाधन मिलेंगे, जिसकी वे हकदार हैं। आप मेहनत करिए, सपने देखिए, इनोवेट कीजिए उन्हें हकीकत में बदलने के लिए सरकार आपके साथ खड़ी है। उद्योग मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' संकल्प को आगे बढ़ाते हुए दिल्ली सरकार उद्यमियों, युवाओं और खासकर महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि जब उद्योग मजबूत होगा तभी दिल्ली मजबूत बनेगी। उल्लेखनीय है कि इस योजना के तहत दिल्ली के उद्यमियों को अब 95 प्रतिशत तक गारंटी कवरेज मिलेगा। इसमें 75-90 प्रतिशत हिस्सा सीजीटीएमएसई का होगा और शेष 5-20 प्रतिशत दिल्ली सरकार वहन करेगी। एमएसएमई और स्टार्टअप्स को बिना किसी अतिरिक्त शुल्क या फीस दिए लोन की सुविधा मिलेगी। योजना में एससी पुरुषों और महिलाओं के लिए विशेष प्रावधान किया गया है और इस साल लगभग एक लाख से अधिक उद्यमियों को लाभ देने का लक्ष्य रखा गया है।

मुठभेड़ के बाद बदमाश गिरफ्तार, लूटी गई सरकारी पिस्टल बरामद

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम जिला पुलिस ने हमले और सरकारी पिस्टल लूट के मामले में मुठभेड़ के बाद एक आरोपित को दबोचा है। यह मुठभेड़ फिरोजाबाद में हुई। घायल आरोपित को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया और उसकी निशानदेही पर उसके एक और साथी को दबोचा। दक्षिण-पश्चिम जिले के पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने मंगलवार को प्रेस वार्ता कर बताया कि 22 जनवरी को दोपहर करीब 2:20 बजे थाना सफदरजंग एन्क्लेव क्षेत्र में बीट ड्यूटी पर तैनात हेड कांस्टेबल राजकुमार को पार्क के जंगलनुमा इलाके में दो संदिग्ध व्यक्तियों के मौजूद होने की सूचना मिली। मौके पर पहुंचने पर दोनों युवक संदिग्ध अवस्था में मिले। पूछताछ के दौरान उन्होंने अचानक पुलिसकर्मी पर हमला कर दिया। इस बीच एक आरोपित ने हेड कांस्टेबल को दबोच लिया, जबकि दूसरे आरोपित ने उनकी सरकारी पिस्टल छीन ली और फायरिंग कर फरार हो गया। घटना में पुलिसकर्मी बाल-बाल बच गए। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस उपायुक्त के अनुसार मामले को गंभीरता से लेते हुए कई विशेष टीमें गठित की गईं। टीमों ने सफदरजंग एन्क्लेव, हौज खास, मालवीय नगर, महरौली सहित कई इलाकों के करीब 500 सीसीटीवी फुटेज खंगाले। तकनीकी निगरानी और स्थानीय सूचना के आधार पर मुख्य आरोपित की पहचान अविनाश उर्फ जानू के रूप में हुई, जो पहले भी दिल्ली में लूट और झपटमारी की कई वारदातों में शामिल रहा है। इस बीच पुलिस टीम को तकनीकी सर्विलांस से पता चला कि आरोपित फिरोजाबाद जिले के थाना टुंडला क्षेत्र की ओर गया है। टुंडला में मुठभेड़, आरोपित गिरफ्तारपुलिस उपायुक्त के अनुसार 23 जनवरी को दिल्ली पुलिस और टुंडला पुलिस की संयुक्त टीम ने छापेमारी की। दोपहर करीब 2:15 बजे आरोपित अविनाश उर्फ जानू को पुराने बाइपास रोड, राजा का ताल श्मशान घाट के पास स्कूटी पर देखा गया। पुलिस द्वारा रुकने का इशारा करने पर आरोपित ने भागने की कोशिश की, संतुलन बिगड़ने से गिर पड़ा और घिरने पर पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। आरोपित द्वारा चलाई गई गोली एसीपी मेल्विन वर्गीस और इंस्पेक्टर राम कुमार की बुलेटप्रूफ जैकेट पर लगी। इधर पुलिस ने जवाबी कार्रवाई में गोली चलाई। गोली आरोपित के घुटनों में गोली लगने से वह घायल हो गया। पुलिस ने उसे मौके पर ही दबोच लिया। पूछताछ में आरोपित ने सफदरजंग एन्क्लेव की घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की और बताया कि वारदात में उसका साथी वसीम भी शामिल था। आरोपित के पास से लूटी गई 9 एमएम सरकारी पिस्टल, तीन खोखे, एक मोबाइल फोन और स्कूटी बरामद की गई। वहीं उसी दिन रात करीब 11:42 बजे गुप्त सूचना के आधार पर सह-आरोपित वसीम को मालवीय नगर इलाके से गिरफ्तार कर लिया गया। उसने भी अपराध में अपनी भूमिका स्वीकार की।

संविधान और भारत को बचाने की सबसे सशक्त आवाज़ राहुल गांधी हैं

लोकतंत्र की शान,- इन्तेखाब आलम

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य व सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता इन्तेखाब आलम ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं, लेकिन लोकतंत्र की दूसरी सबसे बड़ी संवैधानिक शक्ति के रूप में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की भूमिका आज पूरे देश में सबसे अधिक चर्चा में है। इन्होंने कहा कि सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, कांग्रेस के भीतर हो या बाहर—आज भारत में अगर किसी एक नाम की सबसे ज्यादा चर्चा है, तो वह राहुल गांधी हैं। इन्होंने कहा कि पिछले डेढ़ दशक में जिस तरह देश में नफरत का माहौल फैलाया गया, जातीय और धार्मिक तनाव को बढ़ावा दिया गया, एक मजहब को दूसरे के खिलाफ खड़ा किया गया और मॉब लिंचिंग जैसी घटनाएँ सामने आईं, उससे देश का सामाजिक सौहार्द गंभीर रूप से प्रभावित हुआ है। ऐसे समय में अगर राहुल गांधी संविधान, लोकतंत्र और आपसी भाईचारे की बात कर रहे हैं, तो इसमें कोई गलत नहीं है। इन्होंने कहा कि जिन्हें सच्चाई से परेशानी है, वही लोग आज राहुल गांधी को लगातार टारगेट बना रहे हैं। हर मुद्दे पर—चाहे चुनाव की हार-जीत हो या सरकार की विफलताएँ—हर जगह केवल राहुल गांधी का नाम लिया जाता है। यह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि आज देश में सबसे प्रभावशाली और सशक्त राजनीतिक व्यक्तित्व राहुल गांधी हैं। इन्होंने कहा कि राहुल गांधी वह नेता हैं जो आने वाले चार–छह महीनों की परिस्थितियों को पहले समझ लेते हैं और समय रहते देश को आगाह करते हैं। यही कारण है कि उन्हें कमजोर करने की साजिशें रची जा रही हैं। लेकिन जो भी ताकत राहुल गांधी को कमजोर करने का प्रयास कर रही है, वह देश और संविधान की हितैषी नहीं हो सकती। इन्होंने कहा कि राहुल गांधी उस परिवार से आते हैं जिसने देश के लिए ऐतिहासिक बलिदान दिए हैं। महात्मा गांधी की शहादत, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी का बलिदान—यह सब भारत के लोकतांत्रिक इतिहास का अभिन्न हिस्सा है। कांग्रेस और गांधी परिवार ने भारत को विश्व स्तर पर जो पहचान दिलाई है, उसे नकारा नहीं जा सकता। इन्होंने कहा कि आज देश की जनता रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास चाहती है, लेकिन उसे हजारों साल पुरानी घटनाओं में उलझाया जा रहा है। राहुल गांधी आज के भारत की बात करते हैं—संविधान की रक्षा की, लोकतंत्र को मजबूत करने की और देश को जोड़ने की। इन्होंने कहा कि राहुल गांधी किसी पद के लिए नहीं, बल्कि देश हित के लिए संघर्ष कर रहे हैं। जिस तरह महात्मा गांधी बिना किसी पद के देश को आज़ादी दिलाने में सफल हुए, उसी परंपरा को राहुल गांधी आगे बढ़ा रहे हैं। कांग्रेस के कार्यकर्ता और देश का जागरूक नागरिक उनके साथ मजबूती से खड़ा है।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय नागर विमानन मंत्री से भेंट की

» शिमला हवाई अड्डे पर उड़ान संचालन समय सायं 4 बजे तक निर्धारित करने के लिए किया आग्रह

लोकतंत्र की शान

नई दिल्लीः मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने आज नई दिल्ली में केंद्रीय नागर विमानन मंत्री राम मोहन नायडू किंजरापु से भेंट की। बैठक में मुख्यमंत्री ने कांगड़ा हवाई अड्डे के विस्तार के लिए केंद्रीय मंत्री से सहयोग और इस परियोजना के लिए विशेष केंद्रीय सहायता (अनुदान) प्रदान करने का आग्रह किया। उन्होंने भूमि से जुड़े विभिन्न मामलों के शीघ्र निपटारे का अनुरोध करते हुए कहा कि कांगड़ा जिला में पर्यटन की दृष्टि से अपार संभावनाएं विद्यमान हैं और राज्य सरकार पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए कई महत्त्वाकांक्षी परियोजनाओं को क्रियान्वित कर रही है। उन्होंने कम दृष्यता की स्थिति में भी उड़ानों के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए विशेष विजुअल फ्लाइट रूल्स लागू करने का आग्रह किया, ताकि न्यूनतम दृष्यता मापदंड को वर्तमान 5 किलोमीटर से 2.5 किलोमीटर किया जा सके। मुख्यमंत्री ने कम उड़ान संचालन और यात्रियों की संख्या को ध्यान में रखते हुए कुल्लू और शिमला हवाई अड्डों की सुरक्षा व्यवस्था को सीआईएसएफ के स्थान पर राज्य पुलिस को सौंपने पर भी चर्चा की, इससे राज्य का वित्तीय बोझ कम किया जा सकेगा। उन्होंने शिमला हवाई अड्डे पर उड़ान संचालन का समय बढ़ाकर दोपहर 4 बजे तक करने का भी अनुरोध किया, ताकि उड़ानों की संख्या में वृद्धि हो सके। उन्होंने चंडीगढ़दृशिमला और शिमलादृचंडीगढ़ के बीच उड़ानों की आवृति बढ़ाने तथा प्रस्तावित चार हेलीपोर्ट् को शीघ्र स्वीकृति प्रदान करने का भी आग्रह किया। केंद्रीय नागर विमानन मंत्री ने अधिकारियों को कांगड़ा हवाई अड्डे के विस्तार के लिए संबंधित विभागों के साथ संयुक्त बैठक कर डीपीआर तैयार करने के निर्देश दिए और राज्य को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। बैठक में मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार राम सुभग सिंह भी उपस्थित थे।

कांग्रेस ने "रियल स्टेट ऑफ़ द इकोनॉमी 2026" रिपोर्ट जारी कर खोली मोदी सरकार के मजबूत अर्थव्यवस्था के दावों की पोल

» प्रो. राजीव गौड़ा बोले- देश में आर्थिक असमानता तेजी से बढ़ रही, मोदी सरकार कल्याणकारी योजनाओं में कटौती कर सामाजिक सुरक्षा तंत्र को कमज़ोर कर रही

लोकतंत्र की शान, संवाददाता जीशान अली

नई दिल्लीः कांग्रेस ने "रियल स्टेट ऑफ़ द इकोनॉमी 2026" रिपोर्ट जारी कर आंकड़ों के साथ मोदी सरकार के मजबूत भारतीय अर्थव्यवस्था के दावों की पोल खोली है। इस वार्षिक रिपोर्ट में उपलब्ध आंकड़ों के हवाले से बताया गया है कि भारत में आर्थिक असमानता व बेरोजगारी तेजी से बढ़ रही है और मोदी सरकार कल्याणकारी योजनाओं में कटौती कर रही है। कांग्रेस कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में रिपोर्ट जारी करते हुए कांग्रेस रिसर्च डिपार्टमेंट के चेयरमैन प्रो. राजीव गौड़ा और संचार विभाग में रिसर्च व निगरानी प्रभारी अमिताभ दुबे ने मोदी सरकार की प्राथमिकताओं को उजागर करते हुए कहा कि वर्तमान समय में कॉरपोरेट मुनाफ़ा बढ़ रहा है, जबकि सार्थक रोजगार सृजन नहीं हो पा रहा है। उन्होंने बताया कि 2023–24 में कॉरपोरेट मुनाफा 22.3 प्रतिशत बढ़ा, जबकि रोजगार में केवल 1.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भारत के आंकड़ों की विश्वसनीयता पर भी व्यापक सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी गरीबों, युवाओं, किसानों और महिलाओं की चिंता करने का दावा करते हैं, लेकिन इन वर्गों के लिए सामाजिक सुरक्षा जाल को लगातार कमजोर किया जा रहा है। राजीव गौड़ा ने रिपोर्ट का उल्लेख करते हुए बताया कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भारत के सांख्यिकीय आंकड़ों को 'सी' ग्रेड दिया है। सरकार 0.5 प्रतिशत महंगाई दर का दावा कर रही है, लेकिन क्या आम जनता के लिए जीवनयापन की लागत इतनी मामूली बढ़ रही है? कांग्रेस नेता ने पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार अरविंद सुब्रमण्यम का हवाला देते हुए कहा कि वास्तविक जीडीपी ग्रोथ सरकारी आंकड़ों से कम से कम 2.5 प्रतिशत नीचे है। रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में उत्पादन पद्धति से मापने पर विकास दर 9.2 प्रतिशत दिखाई गई, जबकि व्यय पद्धति से मापने पर यह केवल 4.9 प्रतिशत थी। ये दोनों आंकड़े आपस में मेल खाने चाहिए। लेकिन दोनों में जब इतना गंभीर अंतर हो, तो साफ है कि कुछ गड़बड़ है। रिपोर्ट में बताया गया है कि विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार की हिस्सेदारी 12.1 प्रतिशत से घटकर 11.4 प्रतिशत रह गई है, सेवा क्षेत्र में 31.1 प्रतिशत से घटकर 29.7 प्रतिशत रह गई है। सितंबर 2025 तक युवा बेरोजगारी दर 15 प्रतिशत तक पहुंच गई, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह 18.4 प्रतिशत के खतरनाक स्तर पर है। शहरों में काम करना चाहने वाली एक-चौथाई युवा महिलाओं को नौकरी नहीं मिल पा रही है। प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना पर कटाक्ष करते हुए राजीव गौड़ा ने कहा कि नवंबर 2025 के अंत तक केवल 2,066 इंटर्नशिप पूरी हुईं और मात्र 95 युवाओं को नौकरी के प्रस्ताव मिले।

शाहबाद डेयरी में ज्वेलरी शॉप पर हमला, लाइसेंसी रिवॉल्वर समेत आरोपित गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। बाहरी उत्तरी जिले के शाहबाद डेयरी थाना क्षेत्र में एक ज्वेलरी शॉप पर हुए हमले और हथियारबंद झगड़े के मामले में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपित के कब्जे से एक लाइसेंसी रिवॉल्वर और छह जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। बाहरी उत्तरी जिले के पुलिस उपायुक्त हरेश्वर स्वामी ने मंगलवार को जानकारी देते हुए बताया कि 25 जनवरी की शाम करीब 6:34 बजे शाहबाद डेयरी थाना पुलिस को बी-ब्लॉक इलाके में झगड़े और मारपीट की सूचना मिली। सूचना मिलते ही एसआई सतीश के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची। तब तक घायल व्यक्ति को स्थानीय लोगों की मदद से अस्पताल भेजा जा चुका था, जबकि मुख्य आरोपित को मौके पर मौजूद ड्यूटी स्टाफ ने पकड़ लिया था। घायल की पहचान 25 वर्षीय प्रकाश सोनी के रूप में हुई है, जो शाहबाद डेयरी का निवासी है और अपने पिता के साथ "राकेश ज्वेलरी" नाम से दुकान चलाता है। हमले में प्रकाश सोनी के सिर के दाहिने हिस्से में गंभीर चोट आई है, जो किसी भारी कुंद वस्तु से वार के कारण बताई जा रही है। पूछताछ में पीड़ित ने बताया कि विवाद की जड़ एक आपसी जान-पहचान से जुड़ा निजी मामला था। शाम करीब 6:15 बजे एक महिला अपने पुरुष साथी के साथ दुकान में आई। पहले कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते हाथापाई में बदल गई। इसी दौरान आरोपित ने रिवॉल्वर की बट से प्रकाश सोनी के सिर पर वार किया और मौके से फरार होने की कोशिश की। पकड़े गए आरोपित की पहचान संदीप जून (30)के रूप में हुई है। वह बहादुरगढ़ हरियाणा का रहने वाला है। उसकी तलाशी लेने पर उसके पास से एक लाइसेंसी रिवॉल्वर और छह जिंदा कारतूस बरामद किए गए।

पवन कल्याण के बेटे अकीरा नंदन पर बनी एआई फिल्म के प्रसारण पर दिल्ली हाई कोर्ट की रोक

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने आंध्रप्रदेश के उप-मुख्यमंत्री पवन कल्याण के बेटे अकीरा नंदन की बिना अनुमति के बनी उनसे संबंधित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) निर्मित फिल्म के प्रसारण पर रोक लगाने का आदेश दिया है। जस्टिस तुषार राव गडेला की बेंच ने ये आदेश दिया। अकीरा नंदन ने याचिका दायर कर कहा था कि उनके नाम, फोटो, उनकी पसंद और व्यक्तित्व से जुड़े कंटेंट को जोड़कर एआई निर्मित फिल्म बनाई गई है। ये फिल्म संभवामी स्टूडियोज ने बनाई है। फिल्म में लीड रोल उनका बताया गया है लेकिन इस फिल्म के निर्माण में फिल्म के निर्माता ने याचिकाकर्ता की कोई भी सहमति नहीं ली है। याचिका में कहा गया है कि बिना याचिकाकर्ता की अनुमति के ये फिल्म बनाना उनके व्यक्तित्व और निजता के अधिकारों का उल्लंघन है। सुनवाई के दौरान अकीरा नंदन की ओर से पेश वकील जे साईं दीपक ने कहा कि फिल्म में एआई और डीपफेक की एडवांस तकनीक का इस्तेमाल कर याचिकाकर्ता के चेहरों, उनके आवाजों की नकल की गयी है। फिल्म का नाम एआई लव स्टोरी है। इसे यूट्यूब पर अपलोड किया गया है जो कई भाषाओं में है। 22 जनवरी तक फिल्म के तेलुगु भाषा के संस्करण को तो 11 लाख से ज्यादा बार, जबकि अंग्रेजी भाषा के संस्करण को 24, हजार से ज्यादा बार देखा जा चुका है। याचिका में फिल्म के कई एआई निर्मित वीडियो को भी संलग्न किया गया है। कोर्ट ने इन वीडियो को देखने के बाद कहा कि एआई से किसी के चरित्र को किसी भी तरह से दिखाया जा सकता है और झूठे नैरेटिव भी गढ़े जा सकते हैं। कोर्ट ने मेटा और दूसरे सोशल मीडिया प्लेटफार्म को भी निर्देश दिया कि वो इस फिल्म के यूआरएल (वेबलिंक) को हटाएं।

अक्षय पात्र फाउंडेशन ने दावोस में खाद्य एवं पोषण सुरक्षा का दिया संदेश

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। अक्षय पात्र फाउंडेशन ने विश्व आर्थिक मंच (वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम) की वार्षिक बैठक में स्विट्जरलैंड के दावोस में खाद्य और पोषण सुरक्षा का संदेश वैश्विक मंच पर प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्रोमेनेड स्ट्रीट पर राटिया सेंटर के समीप एक विशेष फूड कियोस्क स्थापित कर प्रतिदिन ताजा पका हुआ, पौष्टिक भारतीय भोजन परोसा गया। कियोस्क का उद्घाटन भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने किया। भारत सरकार के उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने भी कियोस्क का दौरा किया और भोजन की सादगी एवं पोषण मूल्य की सराहना की। स्विट्जरलैंड में भारत के उप राजदूत अनूप ढींगरा ने भी कियोस्क पर पहुंचकर अपना समर्थन व्यक्त किया। विशेषज्ञों ने बच्चों के लिए अक्षय पात्र की स्कूल भोजन योजना को सड़कों, बिजली और डिजिटल कनेक्टिविटी जैसी भौतिक अवसंरचना के समान ही एक महत्वपूर्ण निवेश बताया। विशेषज्ञों ने इस बात पर जोर दिया कि जिस प्रकार अवसंरचना आर्थिक उत्पादकता को सक्षम बनाती है, उसी प्रकार पोषण संज्ञानात्मक विकास, सीखने की क्षमता और दीर्घकालिक मानव पूंजी निर्माण का आधार है। पर्याप्त पोषण के अभाव में शिक्षा और विकास पर किए गए निवेश का प्रतिफल सीमित रह जाता है। इस अवसर पर अक्षय पात्र टीम ने प्राचीन भारतीय परंपरा 'अन्नदान' के माध्यम से पोषण, शिक्षा और आर्थिक विकास के बीच के गहरे संबंध को विश्व के सबसे प्रभावशाली वैश्विक मंचों पर रेखांकित किया। यह पहल केवल प्रतीकात्मक नहीं थी, बल्कि इस दृढ़ विश्वास को दर्शाती थी कि किसी भी बच्चे को भूख के कारण शिक्षा से वंचित नहीं होना चाहिए और पोषण बाल विकास एवं कल्याण की आधारशिला है। दावोस में अक्षय पात्र की उपस्थिति ने यह स्पष्ट किया कि खाद्य एवं पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करना रणनीतिक राष्ट्र-निर्माण और वैश्विक विकास का एक अहम निवेश है। फाउंडेशन ने यह सशक्त संदेश दिया कि बच्चों के पोषण में निवेश समाज द्वारा किए जा सकने वाले सर्वाधिक प्रभावी निवेशों में से एक है। दावोस में आयोजित यह भोजन कार्यक्रम वर्ल्ड फूड मूवमेंट (डब्ल्यूएफएम) के सहयोग से संपन्न हुआ। अक्षय पात्र की सफलता से प्रेरित होकर इसके संस्थापकों ने वर्ल्ड फूड मूवमेंट की स्थापना की है, जिसका उद्देश्य अमेरिका सहित विश्वभर में छात्रों और समुदायों को पोषण उपलब्ध कराना है। अक्षय पात्र और डब्ल्यूएफएम के संस्थापक एवं अध्यक्ष मधु पंडित दास ने कहा कि अक्षय पात्र एक सामाजिक नवाचार है, जिसने सार्वजनिक-निजी साझेदारी, तकनीक और सुशासन को एकीकृत कर पिछले 25 वर्षों से भारतीय विद्यालयों में बड़े पैमाने पर गर्म और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया है। उन्होंने कहा कि डब्ल्यूएफएम, अक्षय पात्र के अनुभव और विशेषज्ञता का उपयोग अपनी वैश्विक परियोजनाओं में करेगा। वैश्विक संचार एवं रणनीति के कार्यकारी निदेशक नवीन नीरद दास ने आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि दावोस में शुरू हुई रचनात्मक चर्चाओं को आगे बढ़ाते हुए बच्चों और समाज के कल्याण के लिए निरंतर कार्य किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि अक्षय पात्र पिछले 25 वर्षों से भारत सरकार की प्रमुख पीएम पोषण योजना के अंतर्गत सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों को पौष्टिक मध्याह्न भोजन उपलब्ध करा रहा है। वर्तमान में यह संगठन देश के 16 राज्यों और 3 केंद्रशासित प्रदेशों में प्रतिदिन 23 लाख से अधिक बच्चों को भोजन प्रदान करता है और वर्ष 2030 तक 30 लाख बच्चों तक पहुंचने का लक्ष्य रखता है।

चंदनपुर चीनी मिल में 77 वें गणतंत्र दिवस पर मिल उपाध्यक्ष आमोद कुमार शर्मा ने किया ध्वजारोहण

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर /चंदनपुरः सोमवार को क्षेत्र की अग्रणी चीनी मिल त्रिवेणी शुगर मिल चंदनपुर में 77 वा गणतंत्र दिवस समारोह बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया गणतंत्र दिवस के अवसर पर चीनी मिल के उपाध्यक्ष (शुगर) आमोद कुमार शर्मा ने ध्वजारोहण किया, एवं बालक बालिकाओं एवं अतिथियों के साथ राष्ट्रगान का गायन किया साथ ही बालक बालिकाओं द्वारा देशभक्ति के गीत एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, कार्यक्रम का संचालन विपिन मिश्रा द्वारा किया गया जिन्होंने गणतंत्र दिवस के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला वहीं चीनी मिल उपाध्यक्ष (शुगर) आमोद कुमार शर्मा ने मिल में अतिथि के रूप में आए राजवीर सिंह, भूरे सिंह, जयपाल सिंह, धर्मेंद्र सिंह , अशोक नागर, ओंकार सिंह ब्रह्मद त्यागी,प्रमोद त्यागी, आदि सम्मानित लोगों को माला पहनकर उनका स्वागत किया, इस मौके पर अशोक नागर ने चीनी मिल के उपाध्यक्ष श्री शर्मा का आभार व्यक्त किया तथा सभी का आभार व्यक्त करते हुए चीनी मिल की गन्ना पेराई, चीनी उत्पादन एवं गन्ना मूल्य भुगतान आदि के साथ ही गणतंत्र दिवस के बारे में भी विस्तार से बताया, वही प्रमोद त्यागी द्वारा गणतंत्र दिवस के अवसर पर चीनी मिल के सभी अधिकारियों एवं क्षेत्र के किसान भाइयों को शुभकामनाएं दी गई वहीं ओंकार सिंह एवं अन्य अतिथि गणों के द्वारा अपने संबोधन में सभी का आभार व्यक्त करते हुए देश एवं गणतंत्र दिवस के बारे में अपने-अपने विचार रखे और चीनी मिल के बारे में भी बताया,, चीनी मिल के जी एम गन्ना आर एस सहरावत ने देशवासियों को बधाई दी और किसानों द्वारा अच्छी गुणवत्ता का गन्ना सप्लाई करने हेतु धन्यवाद किया इसी के साथ किसानों से अपील करते हुए कहा कि किसान अपना समस्त गन्ना चीनी मिल में आपूर्ति करें गन्ना प्रजाति 0238 में रेडराट रोग ग्रस्त हो जाने के कारण गन्ना प्रजाति का बदलाव अत्यंत आवश्यक है इसके लिए अच्छी प्रजाति 0118, 98014, 88 एवं 15023 आदि की गन्ना बुआई हेतु अपील की, चीनी मिल उपाध्यक्ष श्री शर्मा ने सभी विभाग अध्यक्ष, देशवासियों किसानों एवं कार्यक्रम में शामिल अतिथिगणों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी तथा चीनी मिल के सभी विभाग अध्यक्षों को उनकी टीम सहित अपने-अपने विभाग एवं कार्य में किए गए सराहनीय कार्य की प्रशंसा करते हुए बधाई दी तथा उन्होंने बताया कि चीनी मिल द्वारा 15/1/2026 तक का गन्ना मूल्य भुगतान कर दिया गया है, और सभी किसान भाई अच्छा साफ निरोग गन्ना मील में सप्लाई करें और भाई उन्होंने कहा कि समस्त गन्ने की पेराई करने के उपरांत ही चीनी मिल को बंद किया जाएगा इसके लिए हम वचनबद्ध हैं, किसान भाई अपना सहयोग देते रहे और चीनी मिल इसी प्रकार आपके गन्ने का भुगतान करती रहेगी, इस शुभ अवसर पर चीनी मिल के सभी विभाग अध्यक्ष आर एस सहरावत महाप्रबंधक गन्ना, टी सी राजोरिया महाप्रबंधक उत्पादन, रवि गुप्ता महा प्रबंधक यांत्रिक, संजय जायसवाल अपर महाप्रबंधक वित्त, ए के तिवारी, उदयवीर सिंह, सुरेश शर्मा, अभय प्रताप सिंह तथा समस्त चीनी मिल के अधिकारी एवं कर्मचारी कार्यक्रम में सम्मिलित हुए, इस अवसर पर चीनी मिल ने किसान भाइयों को सम्मानित किया, तथा जिन्होंने चीनी मिल प्रबंधन द्वारा बताई गई तकनीक के द्वारा गन्ना बुवाई की अच्छी गुणवत्ता के गन्ने चीनी मिल में लाये और अच्छी फसल प्राप्त करने के लिए चीनी मिल के सहयोग से नए छोटे ट्रैक्टर लेकर आए जिसमें से पुष्पेंद्र त्यागी, चंचल नागर, मदन सिंह एवं जयचंद को एक साल व एक मिठाई का डिब्बा भेंट करते हुए सम्मानित किया गया, कार्यक्रम के अंत में अतिथि गणों एवं पत्रकार बंधुओ को सॉल् देकर सम्मानित किया गया तथा बच्चों द्वारा किए गए कार्यक्रम के लिए उन्हें पुरस्कार दिया गया एवं मिठाई का वितरण किया गया।

संक्षिप्त समाचार

अल-अमीन अब्दुल्लाह इंटर कॉलेज में गणतंत्र दिवस पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहाः हसनपुरः सोमवार को क्षेत्र के हसनपुर संभल मार्ग पर स्थित अल-अमीन अब्दुल्लाह इंटर कॉलेज में गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया, कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय सदर मौ० अब्दुल अज़ीज़ एवं प्रबंधक हाजी रियाजुद्दीन उर्फ हाजी राजा जी द्वारा ध्वजारोहण के साथ हुई। ध्वजारोहण के उपरांत छात्र-छात्राओं द्वारा नात, नज़्म, लोकगीत एवं देशभक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। छात्र-छात्राओं की प्रस्तुतियों ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया और पूरे परिसर में देशभक्ति का वातावरण बना रहा। इस अवसर पर विद्यालय के सदर मौ० अब्दुल अज़ीज़, प्रबंधक हाजी रियाजुद्दीन उर्फ हाजी राजा जी, प्रधानाचार्य मौ० जुबैर,वसीम परवेज़, मौ० फारूक, नईम चेयरमैन, हाजी इरशाद, अब्दुल रशीद चमन अंसारी, विशाल चौधरी सहित प्रबंध समिति के सदस्य तथा विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय प्रबंधक समिति द्वारा कक्षा 6 में नए प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए एडमिशन, पुस्तकें एवं ड्रेस निःशुल्क देने की घोषणा की गई, जिसकी उपस्थित लोगों ने सराहना की। अतिथियों ने छात्र-छात्राओं की सराहना करते हुए उन्हें देश के प्रति निष्ठावान और जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया और बच्चों के प्रोग्राम को देखते हुए अपनी दुआओं से नवाज़ा।

अवैध कच्ची शराब की भट्टीयो सहित 4000 लीटर लहन नष्ट किया, एक आरोपी गिरफ्तार

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहाः हसनपुरः मंगलवार को हसनपुर कोतवाली पुलिस ने अवैध कच्ची शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग स्थान पर छापामार कार्रवाई करते हुए 60 लीटर कच्ची शराब और 4000 लीटर लहन नष्ट किया, कार्यवाही प्रभारी निरीक्षक प्रेमपाल सिंह के नेतृत्व में हुई पुलिस टीम ने पहली छापेमारी गांव रखेड़ा के जंगल में की जहां से 20 लीटर अवैध कच्ची शराब, एक गैस का सिलेंडर, चूल्हा और लोहे का ड्रम जैसे उपकरण बरामद किए गए तथा मौके पर लगभग 1500 लीटर लहन नष्ट किया गया, दूसरी कार्रवाई पुलिस टीम ने लुहारी खादर के कीकर के जंगल में छापा मारकर की इस स्थान से 40 लीटर कच्ची शराब और शराब बनाने के उपकरण जिसमे गैस सिलेंडर, चूल्हा और लोहे का ड्रम शामिल है, पुलिस ने लगभग 2500 लीटर लहन को मौके पर नष्ट करा दिया इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने लुहारी खादर निवासी ओमपाल को गिरफ्तार किया आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया गया, छापेमारी के दौरान ग्राम रखेड़ा निवासी महिपाल, रवि और लुहारी खादर निवासी शोभा, डमरू, धर्मेंद्र फरार होने में सफल रहे, वही कोतवाल प्रेमपाल सिंह ने पुष्टि की कि अवैध कच्ची शराब के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा तथा फरार आरोपियों को जल्दी गिरफ्तार किया जाएगा, छापेमारी टीम में वरिष्ठ उप निरीक्षक अमित कुमार, उप निरीक्षक विजेंद्र सिंह, हेड कांस्टेबल रूपक कुमार और कांस्टेबल अनुज कुमार शामिल रहे।

हसनपुर नगर पालिका में पालिका अध्यक्ष द्वारा फहराया गया राष्ट्रीय ध्वज

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहाः हसनपुर : सोमवार को हसनपुर नगरपालिका परिषद के प्रांगण में 77 वा गणतंत्र दिवस बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया सर्वप्रथम पालिका अध्यक्ष राजपाल सैनी ने ध्वजारोहण किया एवं सभी ने राष्ट्रीय गान गाया, इसके उपरांत विभिन्न गण मान्य लोगों ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए, इसके उपरांत पालिका अध्यक्ष राजपाल सैनी एवं अधिशासी अधिकारी विजयपाल सिंह तथा सभासदो आदि ने भगत सिंह जी की प्रतिमा एवं अंबेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया इस मौके पर विभिन्न लोगों ने अपने-अपने विचार रखे वहीं अधिशासी अधिकारी विजयपाल सिंह ने कविता के माध्यम से अपनी बात रखी साथ ही पालिका अध्यक्ष राजपाल सैनी ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद अदा किया, कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विद्यालय के आए बच्चों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई जिसके उपरांत उन्हें सम्मानित किया गया साथ ही मिष्ठान वितरण भी किया गया इस मौके पर मुख्य रूप पालिका अध्यक्ष राजपाल सैनी, अधिशासी अधिकारी विजयपाल सिंह, सभासद मुन्ना चौहान, शाहनवाज अंसारी, हम्ज़ा अली, शुभम अग्रवाल, राजपाल सैनी, दीपक कुमार, बदर कुरैशी, शराफत मलिक, एडवोकेट रवि शंकर शर्मा, दिनेश कुमार बाबू, करन सिंह बाबू, मोहम्मद शरीक, मोहम्मद अरशद, रितेश कुमार, विनय शर्मा आदि सहित भारी संख्या में गढ़ माननीय लोग मौजूद रहे।

देशभक्ति के रंग में रंगी सिरसी, 77वें गणतंत्र दिवस पर चेयरमैन क़ौसर अब्बास ने फहराया तिरंगा

लोक तंत्र की शान

संभल/ नगर पंचायत सिरसी में 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर बड़े ही हर्षोल्लास, गरिमा और देशभक्ति के माहौल में भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नगर पंचायत कार्यालय परिसर में हुआ, जहाँ नगर पंचायत के चेयरमैन क़ौसर अब्बास ने राष्ट्रध्वज फहराकर उपस्थित जनसमूह को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएँ दीं और तिरंगे को सलामी अर्पित की। इस अवसर पर अधिशासी अधिकारी सहित नगर पंचायत के सभी 15 वार्डों के सभासद, अधिकारीगण तथा समस्त नगर पंचायत स्टाफ उपस्थित रहा। राष्ट्रगान के साथ पूरे परिसर में देशभक्ति की भावना देखने को मिली और हर ओर "भारत माता की जय" के नारों से वातावरण गूंज उठा। चेयरमैन क़ौसर अब्बास ने अपने संबोधन में कहा कि गणतंत्र दिवस हमें हमारे संविधान, लोकतांत्रिक मूल्यों और देश की एकता-अखंडता की याद दिलाता है। उन्होंने कहा कि नगर पंचायत सिरसी विकास के पथ पर निरंतर आगे बढ़ रही है और सभी जनप्रतिनिधि एवं कर्मचारी मिलकर जनता की सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि नगर पंचायत क्षेत्र में स्वच्छता, सड़क, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था और अन्य मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करने के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं, ताकि आम जनता को बेहतर सुविधाएँ मिल सकें। इस मौके पर अधिशासी अधिकारी ने भी उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए संविधान की गरिमा बनाए रखने, कर्तव्यों के प्रति ईमानदारी और अनुशासन के साथ कार्य करने का संदेश दिया। कार्यक्रम में सभी 15 वार्डों के सभासदों की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिन्होंने देश के प्रति अपने कर्तव्यों को निभाने और नगर पंचायत के समग्र विकास के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया। समारोह के अंत में नगर पंचायत स्टाफ द्वारा मिठाइयों का वितरण किया गया और सभी ने एक-दूसरे को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएँ दीं। पूरा आयोजन शांतिपूर्ण, सुव्यवस्थित और अत्यंत प्रेरणादायक रहा

यौमे जम्हूरिया पर आशिक़ पब्लिक लाइब्रेरी के 100 वर्ष पूरे, ईओ मणिभूषण तिवारी को 'सिटी ऑफ स्टार अवॉर्ड' से किया गया सम्मानित

लोक तंत्र की शान, सैय्यद कुमैल ज़ैदी

संभलः में यौमे जम्हूरिया के मुबारक मौके पर आशिक़ पब्लिक लाइब्रेरी, सम्भल के 100 वर्ष पूरे होने की खुशी में भव्य जश्ने आशिक़ पब्लिक लाइब्रेरी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की सदारत अब्दुर्रहमान एडवोकेट ने की, जबकि सरपरस्ती डॉ. यू.सी. सक्सैना ने की। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद सम्भल के अधिशासी अधिकारी मणिभूषण तिवारी बतौर मेहमान-ए-ख़ुसूसी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में नगर के विकास, स्वच्छता, जनसेवाओं और प्रशासनिक पारदर्शिता के लिए उनके उत्कृष्ट योगदान को देखते हुए ईओ मणिभूषण तिवारी को 'सिटी ऑफ स्टार अवॉर्ड' से नवाज़ा गया। उपस्थित अतिथियों ने उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि वे एक कर्मठ, ईमानदार और दूरदर्शी प्रशासनिक अधिकारी हैं। उनके नेतृत्व में नगर पालिका परिषद सम्भल ने स्वच्छता, विकास कार्यों, नागरिक सुविधाओं और सुशासन के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। वे आमजन की समस्याओं को संवेदनशीलता के साथ सुनकर त्वरित समाधान करने के लिए जाने जाते हैं। उनकी कार्यशैली अनुशासन, पारदर्शिता और जनहित के प्रति समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण है। नगर के समग्र विकास में उनका योगदान सराहनीय ही नहीं, बल्कि प्रेरणादायक भी बताया गया। इस अवसर पर मेहमान-ए-ज़ी-वक़ार जनाब नवेद अख़्तर साहब (सिविल जज, सम्भल) को 'ब्राइट स्टार अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया। वहीं फ़ारुकी लॉ फर्म की जानिब से मशहूद अली फ़ारूकी एडवोकेट ने निज़ामुद्दीन ख़ां (सेक्रेट्री, आशिक़ पब्लिक लाइब्रेरी) को 'हमदर्द अवॉर्ड' प्रदान किया तथा डॉ. किश्वर जहाँ ज़ैदी को डॉ. सआदत अली सिद्दीक़ी अवॉर्ड से नवाज़ा गया। साथ ही डॉ. नसीम उज़्ज़फ़र, सैयद शुजात हुसैन, तस्दीक़ इलाही, रफ़ीक़ राही, मास्टर मक़सूद, अहमद, मुकर्रब हुसैन, नरेश कुमार शुक्ला और पूर्व सेक्रेट्री अज़ीज़ उल्लाह ख़ां को 'ओल्ड इज़ गोल्ड' के ख़िताब से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का आगाज़ राष्ट्रगान से हुआ। इस ऐतिहासिक अवसर पर आशिक़ पब्लिक लाइब्रेरी के सभी सदस्य एवं नगर के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में वक्ताओं ने ईओ मणिभूषण तिवारी के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उनके निरंतर जनसेवा कार्यों की सराहना की।

विकास पर मुहर, विरोध पर विराम–सिरसी नगर पंचायत की बोर्ड बैठक में लिए गए ऐतिहासिक फैसल

लोक तंत्र की शान

सम्भल/सिरसी नगर पंचायत सिरसी में आज दिनांक 27 जनवरी 2026 को एक महत्वपूर्ण बोर्ड बैठक का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता अध्यक्ष श्री कौसर अब्बास ने की तथा बैठक का कुशल और प्रभावी संचालन अधिशासी अधिकारी डॉ. मणिभूषण तिवारी द्वारा किया गया। बैठक में नगर के सर्वांगीण विकास, राजस्व वृद्धि और प्रशासनिक पारदर्शिता से जुड़े कई अहम प्रस्तावों पर विचार-विमर्श कर सर्वसम्मति से ऐतिहासिक निर्णय लिए गए। बैठक में वित्तीय वर्ष 2026–27 हेतु नगर पंचायत सिरसी में साप्ताहिक पैंठ बाजार की नीलामी का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। इसके साथ ही वित्तीय वर्ष 2026–27 के लिए आउटसोर्सिंग/सेवा प्रदाता के माध्यम से कार्य कराए जाने को जैम पोर्टल के जरिए संपन्न कराने का निर्णय लिया गया, जिससे पारदर्शिता, गुणवत्ता और समयबद्ध कार्यप्रणाली सुनिश्चित हो सके। जनपद सम्भल के समस्त माननीय न्यायालयों में नगर पंचायत से संबंधित सभी वादों की सशक्त और प्रभावी पैरवी के लिए सर्वसम्मति से श्री प्रियांशु जैन, एडवोकेट को पंचायत अधिवक्ता नामित किया गया। यह निर्णय नगर पंचायत के विधिक हितों की रक्षा और मामलों के शीघ्र निस्तारण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। बैठक में वित्तीय वर्ष 2025–26 के ठेका साप्ताहिक पैंठ बाजार से संबंधित प्रकरण पर भी गंभीर और स्पष्ट रुख अपनाया गया। मैसर्स एस.एम. कन्स्ट्रक्शन के पक्ष में 14,16,000 रुपये की धनराशि स्वीकृत होने के बावजूद बार-बार नोटिस निर्गत किए जाने पर भी फर्म द्वारा संपूर्ण धनराशि जमा नहीं की गई। इस पर नगर पंचायत बोर्ड ने राजस्व एवं पंचायत हित को सर्वोपरि रखते हुए ठेका निरस्त करने का साहसिक निर्णय लिया तथा अवशेष धनराशि की वसूली हेतु अग्रिम कार्यवाही करने के निर्देश अधिशासी अधिकारी को दिए। साथ ही आगामी ठेका प्रक्रिया पूर्ण होने तक साप्ताहिक पैंठ बाजार की वसूली नगर पंचायत द्वारा स्वयं कराए जाने का निर्णय लिया गया। अध्यक्ष कौसर अब्बास ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि नगर पंचायत सिरसी का विकास उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और राजनीति से ऊपर उठकर केवल जनहित में फैसले लिए जा रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जो लोग केवल आलोचना की राजनीति करते हैं, उन्हें अब जमीन पर हो रहे काम से जवाब मिल रहा है। अधिशासी अधिकारी डॉ. मणिभूषण तिवारी ने सभी प्रस्तावों को नगर हित में बताते हुए कहा कि बोर्ड के निर्णयों को पूरी पारदर्शिता और ईमानदारी के साथ समयबद्ध रूप से लागू कराया जाएगा, ताकि सिरसी को एक आदर्श नगर पंचायत के रूप में विकसित किया जा सके। बैठक में लिपिक रईस अहमद सहित नगर पंचायत के निर्वाचित सदस्य फरहत अब्बास, खुर्शीद, खैरूल निशा, कयामुद्दीन, चंचल सैनी, हुस्न बानों, मौ० शाहिर, आशिक अब्बास, इनामुल हक एवं हबीब रज़ा उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने एक स्वर में नगर के विकास कार्यों को गति देने, राजस्व बढ़ाने और जनता को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया। बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई और इसे नगर पंचायत सिरसी के विकास की दिशा में एक निर्णायक मोड़ के रूप में देखा जा रहा है।

विभिन्न विद्यालयों, सरकारी गैर सरकारी कार्यालयो पर हुआ ध्वजारोहण, नगर में निकाली गई झांकियां

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः सोमवार को हसनपुर नगर सहित देहात क्षेत्र में विभिन्न विद्यालयों एवं सरकारी गैर सरकारी कार्यालयो पर ध्वजारोहण किया गया, इस क्रम में हसनपुर नगर पालिका में पालिका अध्यक्ष राजपाल सैनी ने, तहसील कार्यालय पर एसडीएम हिमांशु उपाध्याय ने, कोतवाली में कोतवाल प्रेमपाल सिंह ने, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर डॉ धुरवेंद्र सिंह ने, भारतीय स्टेट बैंक शाखा में प्रबंधक राहुल कुमार ने, राममूर्ति पुरुषोत्तम शरण कन्या इंटर कॉलेज में नगर पालिका अध्यक्ष राजपाल सैनी ने ध्वजारोहण किया, वहीं रामशरन सुशीला आनंद हाई स्कूल में प्रबंधक सुशील चंद्र सक्सेना ने ध्वजारोहण किया, नगर के H S S पब्लिक स्कूल में अध्यक्ष पुनीत अग्रवाल ने, झम्मन लाल पीजी कॉलेज में निदेशक गोपाल सक्सेना द्वारा ध्वजारोहण किया गया, नगर के चामुंडा रोड स्थित अनस पब्लिक स्कूल में व्यवस्थापिका सबा खान द्वारा ध्वजारोहण किया, गया उधर अंबेडकर पार्क पर महेंद्र सिंह आर्य तथा हेम सिंह आर्य द्वारा ध्वजारोहण किया गया, वहीं इस मौके पर नगर के सरस्वती शिशु मंदिर के बच्चों द्वारा नगर में गणतंत्र दिवस के अवसर पर देशभक्ति से ओत प्रोत भव्य झांकियां निकाली गई जिनका नगर में पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया, वही नगर पालिका द्वारा नगर में विशेष सफाई व्यवस्था कराई गई तथा छूने का छिड़काव कराया गया वह सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस व्यवस्था चाक चौबंद रही।

इंस्पेक्टर सुधीर पवार के नेतृत्व में थाना हजरत नगर गढ़ी बना देशभक्ति और अनुशासन का आदर्श केंद्र

लोक तंत्र की शान, सैय्यद कुमैल ज़ैदी

संभल/सिरसी के थाना हजरत नगर गढ़ी परिसर में 77वें गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर बड़े ही हर्षोल्लास, गरिमा और देशभक्ति के वातावरण में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। यह आयोजन न केवल अनुशासन और मर्यादा की मिसाल बना, बल्कि पुलिस प्रशासन की सकारात्मक और जनसेवी छवि को भी सशक्त रूप में प्रस्तुत करता दिखाई दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ थाना प्रभारी इंस्पेक्टर सुधीर पवार द्वारा ध्वजारोहण के साथ हुआ। इसके पश्चात सिरसी चौकी प्रभारी मोहम्मद शाह फ़ैसल ने भी तिरंगा फहराकर सभी को 77वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। ध्वजारोहण के उपरांत राष्ट्रगान का सामूहिक गायन हुआ, जिससे पूरा परिसर देशभक्ति के उल्लास और गौरव से गूंज उठा। इस अवसर पर उपस्थित पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों एवं स्थानीय गणमान्य नागरिकों ने संविधान के मूल्यों, लोकतंत्र की मजबूती तथा राष्ट्रीय एकता पर अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने कहा कि गणतंत्र दिवस हमें केवल अधिकारों की ही नहीं, बल्कि कर्तव्यों की भी याद दिलाता है, और इन कर्तव्यों के निर्वहन में पुलिस प्रशासन की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। थाना प्रभारी इंस्पेक्टर सुधीर पवार ने अपने संबोधन में कहा कि, "पुलिस प्रशासन जनता की सेवा, सुरक्षा और विश्वास का प्रतीक है। हमारा निरंतर प्रयास रहता है कि कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ रखते हुए समाज में शांति, सौहार्द और भाईचारे का वातावरण बना रहे। संविधान के आदर्शों पर चलकर ही हम सशक्त और समृद्ध भारत का निर्माण कर सकते हैं।" वहीं चौकी प्रभारी मोहम्मद शाह फ़ैसल ने कहा कि, "देश की उन्नति में हर नागरिक की सहभागिता आवश्यक है। कानून का पालन और आपसी भाईचारे को बढ़ावा देकर ही हम राष्ट्र को नई ऊँचाइयों तक पहुँचा सकते हैं।" कार्यक्रम के अंत में पुलिस प्रशासन द्वारा मिठाई वितरण किया गया तथा उपस्थित सभी लोगों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ दी गईं। पूरे आयोजन के दौरान अनुशासन, मर्यादा और देशप्रेम की अनुपम झलक देखने को मिली, जिसने थाना हजरत नगर गढ़ी को वास्तव में देशभक्ति और अनुशासन का आदर्श केंद्र बना दिया।

अंबेडकर पार्क में गणतंत्र दिवस उत्सव, सामाजिक न्याय का संदेश

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः सोमवार को नगर के अंबेडकर पार्क पर 77वां गणतंत्र दिवस पूरे उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन अंबेडकर विकास मंच द्वारा किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, युवा और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए। समारोह की शुरुआत राष्ट्रीय ध्वज फहराने के साथ हुई। इसके बाद भारत रत्न डॉ.भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। वक्ताओं ने डॉ. अंबेडकर के विचारों और संविधान निर्माण में उनके ऐतिहासिक योगदान को याद करते हुए कहा कि संविधान ही देश की एकता, समानता और न्याय का आधार है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंच अध्यक्ष महेंद्र सिंह आर्य ने कहा कि गणतंत्र दिवस हमें यह याद दिलाता है कि हमारा संविधान ही देश की आत्मा है। डॉ. अंबेडकर द्वारा रचित संविधान ने हर नागरिक को समान अधिकार और सम्मान दिया है। इस मौके पर वक्ताओं न ने युवाओं से संविधान के मूल्यों—समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व—को अपनाने की अपील की। वही इस मौके पर वरिष्ठ भाजपा नेता हेम सिंह आर्य ने कहा कि जब तक समाज का अंतिम व्यक्ति मजबूत नहीं होगा, तब तक सच्चे गणतंत्र की कल्पना अधूरी रहेगी। उन्होंने सामाजिक न्याय, शिक्षा और जागरूकता को आगे बढ़ाने पर ज़ोर दिया। समारोह के अंत में उपस्थित लोगों के बीच मिठाइयों का वितरण किया गया। पूरे कार्यक्रम के दौरान देशभक्ति के नारों और संविधान के प्रति आस्था का माहौल बना रहा। स्थानीय लोगों ने ऐसे आयोजनों को समाज को जागरूक करने वाला बताते हुए अंबेडकर विकास मंच की सराहना की। गणतंत्र दिवस के इस आयोजन ने अंबेडकर पार्क को संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति सम्मान का प्रतीक बना दिया। इस अवसर पर अंबेडकर विकास मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेंद्र सिंह आर्य, धनौरा विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी व भाजपा नेता हेम सिंह आर्य, उपाध्यक्ष सुशील भगत, जिला उपाध्यक्ष एवं मीडिया प्रभारी ललित सिंह, महिला मोर्चा अध्यक्ष चंचल सागर, शराफत मलिक, राजेंद्र गुड्डू, रामपाल नेताजी, दिनेश गौतम, अरविंद अन्ना, बृजकिशोर किशोर उर्फ बिरजू, दौलत सिंह, अनिल कुमार, जगदीश कुमार, महिपाल सिंह, प्रशांत कुमार, उमेश कुमार, मास्टर इमरत सिंह, भीम सिंह, रतन सिंह, रामदेश, अजयपाल सिंह, लोकेंद्र सिंह, संजीव कुमार, राहुल कुमार, आकाश कुमार, शिवम सागर, सूरज सिंह, विपिन कुमार, अन्य युवा तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों के सदस्यों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस यूजीसी का करेगी विरोध, नौबतपुर में राज्यसभा सांसद बोले- छात्रों के बीच जाति की राजनीति उचित नहीं

लोकतंत्र की शान : पटना। देश में UGC लागू होने के बाद से माहौल बदला हुआ है। कुछ लोग इसका विरोध कर रहे हैं तो कुछ समर्थन। इसी बीच नौबतपुर कांग्रेस के राज्यसभा सांसद और पूर्व बिहार प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अखिलेश प्रसाद सिंह ने भी इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इसका विरोध करेगी। दरअसल कांग्रेस के राज्यसभा सांसद डॉ. अखिलेश प्रसाद सिंह मंगलवार को डिहरा स्थित एक स्कूल में वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। इसी दौरान जब उनसे UGC को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा लाए गए इस कानून के कई प्रावधान शिक्षा व्यवस्था के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी स्तर पर कानून का विस्तृत अध्ययन किया जा रहा है। कांग्रेस उन सभी प्रावधानों का विरोध करेगी जो छात्र, शिक्षक और शिक्षा संस्थानों के हित केखिलाफहोंगे। डॉ.सिंह ने जाति की राजनीति पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि

जाति की बात राजनीतिज्ञों के बीच तो ठीक है, लेकिन छात्रों के बीच जाति की राजनीति उचित नहीं है। वहीं, बिहार कांग्रेस में प्रदेश नेतृत्व के बदलाव को लेकर चल रही चर्चाओं पर उन्होंने इसे एक सामान्य संगठनात्मक प्रक्रिया बताया। उन्होंने कहा कि पार्टी में समय-समय पर नेतृत्व में बदलाव होते रहते हैं और यह लोकतांत्रिक व्यवस्था का हिस्सा है। कार्यक्रम के दौरान डॉ. अखिलेश प्रसाद सिंह ने स्कूल के बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सराहना की। उन्होंने शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा का स्तर बढ़ाना बेहद जरूरी है। ऐसे संस्थान समाज के विकास में अहम भूमिका निभा रहे हैं। वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य, शिक्षक, अभिभावक और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। बच्चों ने देशभक्ति गीत, नृत्य और नाटक प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया।

वैभव भारतीय कप्तान शुभमन का रिकॉर्ड तोड़ने से चूक गए, 30 बॉल में 52 रन बनाए

लोकतंत्र की शान : पटना। अंडर-19 वर्ल्ड कप के सुपर- 6 स्टेज में आज भारत का मुकाबला जिम्बाब्वे से हो रहा है। वैभव सूर्यवंशी भारतीय कप्तान शुभमन गिल का रिकॉर्ड तोड़ने से मात्र 10 रन से चूक गए। उन्होंने 30 बॉल में 52 रन बनाए। हालांकि, उन्होंने 24 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा कर लिया था। इस पारी के दौरान उन्होंने चार छक्के और चार चौके लगाए। यह अंडर-19 वर्ल्ड कप में तीसरा सबसे तेज अर्धशतक है। गिल का रिकॉर्ड तोड़ने के लिए उन्हें 62 रन चाहिए थे। शुभमन गिल के नाम 1149 रन के रिकॉर्ड दर्ज है। इससे पहले वैभव ने विराट कोहली और सरफराज खान का रिकॉर्ड तोड़ चुके हैं। यूथ वनडे में भारत के टॉप स्कोरर की लिस्ट में वैभव सूर्यवंशी अभी 6वें स्थान पर हैं। भारतीय टीम ग्रुप स्टेज में शानदार प्रदर्शन करते

हुए अमेरिका, बांग्लादेश और न्यूजीलैंड को हराकर तीनों मैच जीती है। भारत ने अब तक दोनों मुकाबले जीतकर ग्रुप-बी में टॉप पर जगह बनाई है। बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे मैच में वैभव सूर्यवंशी ने अंडर-19 वर्ल्ड कप में विराट कोहली का रिकॉर्ड तोड़ा था। वे विराट के रिकॉर्ड तोड़ने से 3 रन दूर थे। उन्होंने 4 रन बनाने के साथ ही यूथ वनडे में इंडिया के टॉप स्कोरर की लिस्ट में कोहली को पीछे छोड़ दिया। यूथ वनडे में भारत के टॉप स्कोरर की लिस्ट में वैभव सूर्यवंशी 8वें से 7वें नंबर पर आ गए हैं। वैभव सूर्यवंशी ने बांग्लादेश के खिलाफ मैच में 72 रन बनाए थे। इसमें 3 छक्के और 6 चौके शामिल थे। 8वें ओवर में वैभव ने यूथ वनडे में एक हजार रन पूरे कर लिए थे। इसी के साथ वैभव अंडर-19 वर्ल्ड कप में 50 प्लस स्कोर करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। 13वें ओवर में वैभव सूर्यवंशी ने हाफ सेंचुरी पूरी की। उन्होंने अफगानिस्तान के शाहिदुल्लाह कमाल को पीछे छोड़ दिया है। वहीं, अमेरिका के साथ खेले गए पहले मैच में वैभव सिर्फ 2 रन बनाकर ही आउट हो गए थे।

वैशाली इंजीनियरिंग कॉलेज में नेशनल वर्कशॉप शुरू, रिन्यूएबल एनर्जी इंटीग्रेशन पर हो रहा इंटेंसिव ट्रेनिंग

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। बिदुपुर के चकसिकंदर स्थित राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय वैशाली में एक साप्ताहिक राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। यह कार्यशाला "एनर्जी इंटरनेट के माध्यम से नवीकरणीय ऊर्जा एकीकरण" विषय पर केंद्रित है। इसका उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनंत कुमार और कार्यशाला संयोजक प्रो. रजनी कुमारी ने अन्य प्रोफेसरों की उपस्थिति में दीप प्रज्ज्वलित कर किया। बिहार सरकार के विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के अंतर्गत बिहार काउंसिल ऑन साइंस एंड टेक्नोलॉजी के सौजन्य से इस कार्यशाला का आयोजन किया गया है। महाविद्यालय के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा यह राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला 27 जनवरी से 1 फरवरी तक चलेगी। कार्यशाला की शुरुआत में संयोजक प्रो. रजनी कुमारी ने आगंतुकों का स्वागत किया और कार्यशाला के मुख्य बिंदुओं पर प्रकाश डाला। प्राचार्य डॉ. अनंत कुमार ने राष्ट्रीय स्तर की इस कार्यशाला के आयोजन के उद्देश्यों को स्पष्ट किया। प्राचार्य ने बताया कि इलेक्ट्रिकल विभाग के संकाय सदस्यों द्वारा राष्ट्रीय स्तर का यह सेमिनार आयोजित करना महाविद्यालय के लिए गर्व की बात है। उन्होंने इसे वैशाली ही नहीं, बल्कि पूरे राज्य के लिए गौरव का विषय बताया। डॉ. कुमार ने ऊर्जा संकट, पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास की चुनौतियों के समाधान के लिए नवीकरणीय ऊर्जा तथा इंटरनेट ऑफ एनर्जी जैसी उन्नत तकनीकों के समन्वय को आवश्यक बताया। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसी कार्यशालाएं छात्रों को उद्योग, अनुसंधान और नवाचार से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, जिससे महाविद्यालय को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलती है। कार्यशाला की संयोजक ने जानकारी दी कि यह प्रतिभागियों को नवीकरणीय ऊर्जा, एनर्जी इंटरनेट, स्मार्ट ग्रिड और ऊर्जा प्रबंधन से संबंधित विषयों पर गहन प्रशिक्षण प्रदान करेगी। इसका उद्देश्य छात्रों और शिक्षकों को वर्तमान शोध प्रवृत्तियों तथा व्यावहारिक अनुप्रयोगों से अवगत कराना है। कार्यशाला के लिए लगभग 200 छात्रों ने ऑफलाइन मोड में और विभिन्न इंजीनियरिंग एवं पॉलिटेक्निक महाविद्यालयों के लगभग 300 छात्रों ने ऑनलाइन मोड में पंजीकरण कराया है।

वैशाली पुलिस ने तस्कर को घेरकर ली तलाशी

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली के महिसौर थाना क्षेत्र से पुलिस ने एक गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया है। उसके पास से 700 ग्राम गांजा बरामद किया गया है। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान यदुनंदनपुर गांव निवासी कुसा राय (पिता- बाबुलाल राय) के रूप में हुई है। महिसौर थाना पुलिस को गांजा की अवैध तस्करी के संबंध में गुप्त सूचना मिली थी। इस सूचना के आधार पर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए एक विशेष टीम का गठन किया। टीम ने संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखनी शुरू की। थानाध्यक्ष ने बताया कि टीम ने यदुनंदनपुर गांव के पास संदिग्ध व्यक्ति पर निगरानी रखी। जब वह संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त पाया गया, तो पुलिस टीम ने उसे घेरकर तलाशी ली। तलाशी के दौरान उसके पास से 700 ग्राम गांजा बरामद हुआ, जिसके बाद कुसा राय को हिरासत में ले लिया गया। इस मामले में महिसौर थाना में नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट (एनडीपीएस एक्ट) की संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। बरामद गांजे को मुहरबंद कर अदालत में सबूत के तौर पर पेश किया जाएगा। गिरफ्तार आरोपी को कानूनी प्रक्रिया के तहत अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी से पूछताछ जारी है। पुलिस जिले में सक्रिय मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के नेटवर्क और इसमें शामिल अन्य लोगों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। पुलिस इस कार्रवाई को जिले में मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान की एक महत्वपूर्ण सफलता मान रही है। पुलिस ने आम जनता से भी सहयोग की अपील की है।

स्वच्छता सर्वेक्षण में भागीदारी के लिए अभियान की शुरुआत

» **ब्रांड एंबेसडर नीतू नवगीत ने की अपील : स्वच्छता सर्वेक्षण में जरूर लें भाग**

लोकतंत्र की शान

पटना। पटना नगर निगम स्वच्छता जागरूकता टीम द्वारा चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान के प्रांगण में स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से पटना नगर निगम के नगर आयुक्त यशपाल मीणा के निर्देशन में स्वच्छता सर्वेक्षण भागीदारी ही जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन चंद्रगुप्त प्रबंध संस्थान के निदेशक प्रोफेसर डॉ राणा सिंह, प्रोफेसर सुनील सिंह,पटना नगर निगम की ब्रांड एंबेसडर डॉ. नीतू कुमारी नवगीत तथा गायक राजेश कुमार केसरी ने दीप प्रज्वलित कर किया। प्रोफेसर डॉ राणा सिंह ने सभी छात्र-छात्राओं को स्वच्छता एवं स्वच्छता प्रबंधन के बारे में विस्तार से बताया और परिसर तथा पूरे शहर को स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन में पटना को बेहतरीन रैंकिंग दिलवाने के लिए छात्रों, आगंतुकों एवं सनी हितधारकों से अधिक से अधिक मात्रा में स्वच्छता सर्वे में प्रतिभागिता करने के लिए आह्वान किया। डॉ राणा ने बिहार सरकार, पटना नगर निगम, तथा जिला प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे स्वच्छता कार्यक्रमों तथा कार्यों के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया और कहा कि आने वाले समय में पटना राज्य और देश के स्वच्छतम शहरों में अग्रणी स्थान बनाएगा। उन्होंने सभी आगंतुकों को बताया कि पटना को स्वच्छ बनाना तथा स्वच्छ बनाए रखना पटना के सभी निवासियों तथा पटना नगर निगम की सामूहिक जिम्मेदारी है तथा इसकेलिए हम सब को मिल जुल कर सार्थक प्रयास करना चाहिए। चंद्रगुप्त प्रबंध संस्थान पटना के निदेशक ने सभी छात्रों एवं अन्य श्रोताओं तथा पटना के अन्य निवासियों से विनम्र अनुरोध किया कि पूर्व के वर्षों की भांति इस वर्ष भी सभी निवासियों को स्वच्छ पटना सर्वेक्षण 2025 में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए ताकि इस बार स्वच्छता के सर्वे में पटना सर्वोच्च स्थान प्राप्त कर सके। इस विशेष अवसर पर बिहार की सुप्रसिद्ध लोक गीत गायिका एवं स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडर डॉ नीतू कुमारी नवगीत ने शानदार संगीत पर अपनी जानदार गीतों की प्रस्तुति दी। सबसे बड़ा है गहना साफ रहना, घर घर अलख जगाएंगे, स्वच्छ पटना बनेगा। साफ सफाई अपनाएंगे, स्वच्छ पटना बनेगा की प्रस्तुति के दौरान श्रोता खुशी से झूम उठे एवं तालियों की गड़गड़ाहट से पूरा हॉल गूंज उठा । इस अवसर पर चंद्रगुप्त प्रबंध संस्थान के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं ने भी गीत संगीत की प्रस्तुति दी तथा छात्रों के तरफ से परिसर तथा शहर को स्वच्छ रखने की अपनी प्रतिबद्धता जताई सर्वेक्षण में अपनी प्रतिभागिता सुनिश्चित की।

कटिहार के राजेंद्र स्टेडियम में प्रभारी मंत्री ने 77वां गणतंत्र दिवस पर फहराया झंडा

लोकतंत्र की शान, सुमन सिंह कटिहार

कटिहारः 77वें गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर शहर के राजेंद्र स्टेडियम में आयोजित समारोह में जिला पदाधिकारी आशुतोष त्रिवेदी और पुलिस अधीक्षक शिखर चौधरी के अलावे बिहार सरकार के पशुपालन मत्स्य संसाधन विभाग सह-जिला प्रभारी मंत्री सुरेंद्र मेहता ने राष्ट्रध्वज फहराकर सलामी दी। इस अवसर पर विभिन्न विभागों और विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने आकर्षक झांकियों का प्रदर्शन किया।समारोह में उपस्थित सभी लोगों ने गणतंत्र दिवस की बधाई दी और राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। झांकियों के प्रदर्शन ने सभी का मन मोह लिया और उपस्थित लोगों ने इसका भरपूर आनंद लिया। गणतंत्र दिवस के अवसर पर शहर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे और प्रशासन की ओर से विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए व्यापक प्रबंध किए गए थे।

कटिहार जिले के कांग्रेस कार्यालय में गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रीय ध्वज को दी सलामी

लोकतंत्र की शान, सुमन सिंह कटिहार

कटिहार राजेंद्र आश्रम के जिला कांग्रेस कार्यालय में गणतंत्र दिवस के अवसर पर एक भव्य ध्वजारोहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष सुनील यादव ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। जिसमें कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और राष्ट्रध्वज को सलामी दी। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने देश की एकता और अखंडता का संकल्प लिया और राष्ट्रगान के साथ समापन किया गया। कार्यक्रम की समाप्ति के बाद कांग्रेस से जुड़े नेता और कार्यकर्ताओ ने शहीद चौक पहुंचकर जहां राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के प्रतिमा के समीप नगर अध्यक्ष राजेश रंजन मिश्रा के द्वारा झंडारोहण किया गया।इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से कांग्रेस जिला अध्यक्ष सुनील यादव कांग्रेस नगर अध्यक्ष राजेश रंजन मिश्रा, पंकज पंकज तंबाकू वाला, तौकीर आलम सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय में गणतंत्र दिवस—2026 का गरिमामय आयोजन

लोकतंत्र की शान

वैशाली (बिहार)। डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय, वैशाली, बिहार के प्रांगण में 26 जनवरी 2026 को 77वाँ गणतंत्र दिवस अत्यंत हर्षोल्लास, राष्ट्रभक्ति एवं गरिमा के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति डॉ. समीत तिवारी रहे। उनके साथ कुलसचिव डॉ. ब्रिजेश सिंह, विश्वविद्यालय के समस्त अधिकारीगण, शिक्षकगण एवं कर्मचारीगण की गरिमामयी उपस्थिति रही। समारोह का शुभारंभ माननीय कुलपति डॉ. समीत तिवारी द्वारा ध्वजारोहण के साथ हुआ। इसके पश्चात पूरे परिसर में राष्ट्रगान की गूंज सुनाई दी। एनसीसी कैडेट्स द्वारा प्रस्तुत शानदार परेड ने सभी को गौरवान्वित किया, जिसका निरीक्षण कुलपति एवं कुलसचिव द्वारा किया गया। इसके उपरांत सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओत-प्रोत नृत्य, गीत एवं प्रेरणादायी भाषण प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में विश्व रंग

के तहत हिंदी ओलंपियाड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित एवं पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का प्रभावशाली मंच संचालन रिद्धिमा एवं सुयश* द्वारा किया गया, जिन्होंने पूरे समारोह को अनुशासित एवं रोचक बनाए रखा। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. ब्रिजेश सिंह ने अपना प्रेरणादायी वक्तव्य देते हुए राष्ट्रप्रेम, कर्तव्यनिष्ठा एवं संविधान के मूल्यों पर प्रकाश डाला। समारोह का समापन राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका और संविधान के आदर्शों को आत्मसात करने के संकल्प के साथ हुआ। गणतंत्र दिवस का यह आयोजन सभी के लिए प्रेरणा, गर्व और उल्लास का स्रोत बना।

सोशल मीडिया पर हवाई फायरिंग वायरल वीडियो मामले में कटिहार पुलिस ने फायरिंग करने वाले मुख्य अभियुक्त को किया गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान, सुमन सिंह कटिहार

कटिहार : जिला के नगर थाना क्षेत्र में सोशल मीडिया में एक वायरल वीडियो में देशी पिस्टल से हवाई फायरिंग की सूचना पर नगर थाना पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई की गई। महज 48 घंटे के भीतर पुलिस ने दुर्गापुर वार्ड संख्या 33 में अवैध हथियार से फायरिंग कर सोशल मीडिया पर वीडियो डाल कर दहशत फैलाने वाले मुख्य अपराधी को गिरफ्तार कर लिया गया।गिरफ्तार अपराधी के पास से पुलिस ने एक देसी कट्टा दो जिंदा कारतूस बरामद किया।

वायरल वीडियो में शामिल अन्य दो –अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है

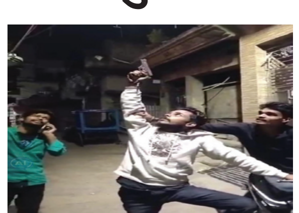

मामले की जानकारी देते हुए सदर एसडीपीओ अभिजीत कुमार सिंह ने प्रेस वार्ता कर बताया कि वायरल वीडियो के जांच उपरांत फायरिंग करने वाले मुख्य अभियुक्त किशन कुमार उम्र लगभग 26 बर्ष को गिरफ्तार कर लिया गया है अन्य दो सहयोगी में एक की पहचान बिट्टू कुमार उम्र लगभग 23 वर्ष दोनों सकिन दुर्गापुर वार्ड संख्या 33 के निवासी के रूप मे हुई है और एक की पहचान के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। उक्त कांड की गंभीरता को देखते हुए एक विशेष थापामारी (SIT)टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा वैज्ञानिक अनुसंधान एवं मानवीय सूचना के आधार पर गिरफ्तारी की गई घटना के संबंध में नगर थाना कांड संख्या-103/26,धारा 25(1-बी)ए/26/27/35 आर्म्स एक्ट के अंतर्गत मामला दर्ज कर लिया गया है।

कटिहार में धूमधाम से मनाया गया 77वां गणतंत्र दिवस

लोकतंत्र की शान, सुमन सिंह कटिहार

कटिहारः 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर पुलिस केन्द्र कटिहार में आयोजित समारोह में पुलिस अधीक्षक शिखर चौधरी ने ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी दी। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने देश एवं प्रदेश वासियों को गणतंत्र दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए अपने संदेश में कहा कि गणतंत्र दिवस हमारे देश की स्वतंत्रता और संप्रभुता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह हमें हमारे देश के लिए अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों का पालन करने के लिए प्रेरित करता है। समारोह में पुलिस के जवानों ने मार्च पास्ट कर अपनी सलामी दी। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक महोदय ने पुलिस के जवानों को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं

के लिए सम्मानित किया। गणतंत्र दिवस के अवसर पर कटिहार जिले में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में स्कूली बच्चों ने देशभक्ति गीतों और नृत्यों की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक शिखर चौधरी ने कहा कि इस गणतंत्र दिवस हम सभी को देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें अपने देश के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए और अपनी जिम्मेदारियों का पालन करना चाहिए। इस अवसर पर कटिहार जिले में लोगों ने अपने घरों पर तिरंगा फहराया और देश के लिए अपनी एकता और अखंडता का संदेश दिया।

बेगूसराय में कोहरा, बगहा सबसे ठंडा

लोकतंत्र की शान , पटना

बिहार में अगले 48 घंटे में मौसम का मिजाज बदलेगा। इस दौरान बारिश भी होने की संभावना है, इससे प्रदेश में ठंड बढ़ेगी। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, न्यूनतम तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट हो सकती है। हालांकि, दिन में धूप निकलने से लोगों को ठंड से थोड़ी राहत मिलेगी। वहीं,भागलपुर में मंगलवार सुबह घना कोहरा छाया है, जबकि बेगूसराय में हल्का कोहरा है। मौसम विभाग का अनुमान है कि कुछ जिलों में सुबह-सुबह कोहरा रहेगा। इन जिलों में विजिबिलिटी 100 मीटर तक रहेगी। पिछले 24 घंटे में 8.8 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान के साथ बगहा सबसे ठंडा जिला रहा।

मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, 28-29 जनवरी को पश्चिमी विक्षोभ एक्टिव रहेगा। इससे इन दोनों दिन बारिश की संभावना है। खासकर पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण, शिवहर, सीतामढ़ी और गोपालगंज जिलों में बारिश की ज्यादा संभावना है। इन जिलों में बारिश के साथ-साथ

◆ **बिहार में 48 घंटे में बदलेगा मौसम, बारिश की संभावना**

बिजली चमकने की भी आशंका है। मौसम विभाग ने बताया है कि इस दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती हैं। ऐसे में लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

मौसम वैज्ञानिकों ने बताया, उत्तर भारत में अभी पश्चिमी विक्षोभ एक्टिव नहीं है। इस समय कोई भी प्रभावी सिस्टम सक्रिय नहीं है, जिससे मौसम सामान्य है। इससे तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। हालांकि, दो दिनों में एक बार भी ठंड बढ़ने की संभावना है।

पटना में मांगों को लेकर बैंककर्मियों का प्रोटेस्ट, फाइव डे बैंकिंग की डिमांड

लोकतंत्र की शान , पटना

आज 27 जनवरी को बैंक कर्मचारियों और अधिकारियों की देशव्यापी हड़ताल है। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (UFBU) ने एक दिवसीय बैंक स्ट्राइक का आह्वान किया है, जिससे बैंकिंग सेवाएं प्रभावित हुई हैं। आर ब्लॉक कैंपस परिसर में तमाम बैंककर्मी प्रदर्शन कर रहे हैं। UFBU में सरकारी बैंकों और कुछ पुराने निजी बैंकों की यूनियनें शामिल हैं। इस हड़ताल के कारण कई शहरों और इलाकों में बैंक शाखाएं पूरी तरह या आंशिक रूप से बंद रह सकती हैं। हड़ताल के चलते कई बैंकों के एटीएम भी ठप हो गए हैं, जिससे ग्राहकों को नगदी निकालने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बैंक कर्मचारी फाइव डे बैंकिंग (सप्ताह में सिर्फ 5 दिन काम) को तुरंत लागू करने की मांग कर रहे हैं। बताया जा रहा कि 23 जनवरी को सरकार के साथ हुई बैठक के के बाद यूनियन ने आज काम रोकने का फैसला किया। कर्मचारियों का कहना है कि जब मार्च 2024 के समझौते में सभी शनिवार छुट्टी देने पर सहमति बनी थी, तो सरकार इसे लागू करने में देरी क्यों कर रही है?

ग्राहकों की बढ़ी मुसीबत, चेक क्लियरेंस अटकाः हड़ताल के कारण SBI, PNB और बैंक ऑफ बड़ौदा जैसे बड़े सरकारी बैंकों में नगद जमा, निकासी और चेक क्लीयरिंग जैसे काम पूरी तरह बंद हैं। लगातार 3 दिन बैंक बंद होने से कैश की भारी किल्लत हो गई है। हालांकि, राहत की बात यह है कि नेट बैंकिंग और एटीएम (ATM) सेवाएं चालू हैं। यह हड़ताल मुख्य रूप से सरकारी बैंकों में है। एचडीएफसी (HDFC), आईसीआईसीआई (ICICI) और एक्सिस (Axis) जैसे बड़े प्राइवेट बैंकों की शाखाएं आज खुली हैं और वहां कामकाज सामान्य रूप से चल रहा है।

सरकार मांगों पर ध्यान नहीं दे रहीः यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन (UFBU) के अनुसार, यह हड़ताल मजबूरी में की गई है क्योंकि सरकार उनकी वाजिब मांग पर ध्यान नहीं दे रही। यूनियन नेताओं का स्पष्ट कहना है कि कर्मचारी सोमवार से शुक्रवार तक ज्यादा काम करने को तैयार हैं, लेकिन शनिवार की छुट्टी अब लागू होनी ही चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

विश्व के सबसे बड़े त्यौहारों में से एक है गणतंत्र दिवस -डा अमित कुमार

अभेद शक्ति सदन स्कूल में हुआ गणतंत्र दिवस कार्यक्रम का आयोजन

लोकतंत्र की शान : राजेंद्र करनाल की रिपोर्ट, करनाल : हर वर्ष की भांति अभेद शक्ति सदन स्कूल के द्वारा करनाल के सैक्टर 9 में गणतंत्र दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर स्कूल के छात्रों और अध्यापकों व कर्मचारियों ने देश की आन-बान-शान की रक्षा का संकल्प लिया। छात्रों ने देशभक्ति पर आधारित एक से देशभक्ति के गीतों का कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। इस 77 वें गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर ध्वजारोहण भी किया गया। कार्यक्रम के दौरान काश्वी ग्रुप के द्वारा और पूजा जांगड़ा मैडम नेतृत्व में ग्रुप डांस की परफॉर्मेंस हुई जिसकी इस मौके पर मौजूद बच्चों व उनके अविभावकों द्वारा खूब सराहना की गई। इस मौके पर मुख्य तौर पर मौजूद डा अमित कुमार ने कहा कि स्कूल में समय-समय पर इस प्रकार के आयोजन होते रहते हैं जिससे बच्चों का मनोरंजन के साथ साथ मानसिक विकास भी होता है जिसके लिए स्कूल प्रबंधन बधाई के पात्र है। उन्होंने गणतंत्र दिवस के बारे बोलते हुए कहा कि यह दिवस देश के सबसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय त्योहारों में से एक है। यह उस दिन की याद दिलाता है जब 1950 में हमारे देश का संविधान लागू हुआ था और इसके साथ साथ यह दिन स्वतंत्रता सेनानियों और क्रांतिकारियों के लहू से आजादी की लड़ाई और बहादुरी की भी याद दिलाता है।

रामसरन सुशिला आनंद हाई स्कूल में हुआ ध्वजारोहण

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहाः हसनपुरः सोमवार को नगर के प्रगतिशील विद्यालय रामसरन सुशीला आनंद हाई स्कूल में 77वें गणतंत्र दिवस पर विद्यालय के अध्यक्ष पंडित रविशंकर शर्मा एडवोकेट द्वारा ध्वजारोहण किया गया एवं सभी के साथ राष्ट्रीय ध्वज को सलामी देते हुए राष्ट्रगान गया गया, कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के अध्यक्ष द्वारा मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया तथा छात्र-छात्राओं द्वारा किए गए सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सभी का मन मोह लिया, ध्वजारोहण में मुख्य अतिथि विद्यालय के अध्यक्ष पंडित रविशंकर शर्मा एडवोकेट, उपाध्यक्ष राहुल शर्मा, चौधरी गजेंद्र सिंह अध्यक्ष तहसील बार एसोसिएशन एवं विद्यालय प्रबंध समिति के सभी पदाधिकारी गण उपस्थित रहे, कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अध्यक्ष महोदय ने बताया कि 26 जनवरी के दिन भारतीय संविधान को अंगीकृत एवं स्वीकृत किया गया जिसके कारण सभी को समान न्याय एवं समान अधिकार की उद्घोषणा की गई इसलिए इस दिन को गणतंत्र दिवस के रूप में मनाया जाता है, वही विद्यालय के प्रबंधक सुशील चंद्र सक्सेना ने कार्यक्रम में बोलते हुए कहा कि गणतंत्र दिवस पर हम सभी को शपथ लेनी चाहिए कि हम संविधान से प्राप्त अधिकारों का प्रयोग देश, समाज एवं मानव हितों की पूर्ति हेतु करेंगे, अंत में प्रधानाचार्य ने सभी उपस्थित मुख्य अतिथियों अभिभावक को एवं संबंधित स्टाफ की गरिमामय उपस्थिति हेतु धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया, कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ अध्यापक प्रवेंद्र सिंह द्वारा किया गया, इस अवसर पर प्रधानाचार्य निशांत त्यागी, सोमवती कश्यप, अंशु त्यागी, अनुराधा चौधरी, भावना सक्सेना मंजरी दीक्षित, सीमा वर्मा, प्रवेंद्र सिंह, अफ्सा, लक्ष्मी रस्तोगी, सदफ, स्वाती,नीलम सक्सेना, अतुल मथुर, हुरूनिशा, कोमल,रानी, रोनी आदि सहित छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं आरटीआई परिषद के मुख्य कार्यालय पर ध्वजारोहण किया गया

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहाः हसनपुरः सोमवार को 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं आरटीआई परिषद के मुख्य कार्यालय यदुवंशी धाम हसनपुर में परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में ध्वजारोहण किया गया तथा राष्ट्रीय गान भी गाया गया, एवं मिष्ठान का वितरण किया गया इसके उपरांत संगठन की समीक्षा बैठक आयोजित की गई जिसमें भ्रष्टाचार के खिलाफ अधिक से अधिक आरटीआई लगाने की अपील की गई, साथ ही बैठक में वक्ताओं ने अपने-अपने विचार रखें एवं नए सदस्यों के आई कार्ड वितरित किए गए, बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष दीनदयाल यादव एडवोकेट ने की तथा संचालन राष्ट्रीय प्रवक्ता टेकचंद राणा एडवोकेट ने किया, इस मौके पर मुख्य रूप से प्रमोद कुमार शर्मा , अतुल गर्ग, अरुण त्यागी, विजय पारछा, नन्हे सिंह सैनी, तपेश कुमार, मोहित त्यागी, राधा अग्रवाल, धनेश्वरी देवी, कुलदीप त्यागी, गोविंद कौशिक, अरुण नागर, देवेंद्र शर्मा, प्रवीण अग्रवाल, शंकर सिंह, मनोज गोयल, संदीप शर्मा, रूपचंद सैनी आदि संगठन के लोग मौजूद रहे।

पूर्व में नामित प्रतिनिधि का आदेश आज किया गया निरस्त

संभल। अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद, संभल द्वारा अपने आदेश दिनांक 20 जनवरी 2026 के तहत पूर्व में जारी आदेश दिनांक 26 दिसंबर 2025 को निरस्त कर दिया गया है, जिसके अंतर्गत श्री मुशीर अली खां को प्रतिनिधि नामित किया गया था। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि यह निरस्तीकरण आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा। संबंधित अधिकारियों को सूचनार्थ प्रतिलिपि प्रेषित की गई है। यह आदेश नगर पालिका परिषद, संभल की अध्यक्ष आसिया द्वारा जारी किया गया।

कांग्रेस की अहम बैठकें आयोजित, संगठन की मजबूती को लेकर हुआ विचार विमर्श

लोकतंत्र की शान, रामबिहारी पाण्डेय ब्यूरो

सीधी। जिला समन्वय समिति की बैठक, जिला कांग्रेस कमेटी की मासिक बैठक एवं विभिन्न मोर्चा–प्रकोष्ठों की बैठक जिला कांग्रेस कार्यालय, जवाहर कांग्रेस भवन में अलग-अलग सत्रों में संपन्न हुई। बैठकों में संगठन प्रभारी दिलीप मिश्रा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि अध्यक्षता जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ज्ञान सिंह ने की। सभी बैठकों में संगठन की वर्तमान स्थिति, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा एवं जनहित से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए संगठन प्रभारी दिलीप मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की असली ताकत उसका संगठन और कार्यकर्ता हैं। उन्होंने पदाधिकारियों से आह्वान किया कि वे बूथ स्तर तक संगठन को और मजबूत करें तथा जनता के मुद्दों को प्राथमिकता के साथ उठाएं। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में पार्टी को जनसंघर्षों के माध्यम से आम जनता से सीधा संवाद स्थापित करना होगा और सरकार की जनविरोधी नीतियों को बेनकाब करना होगा। अध्यक्षीय उद्बोधन में जिला कांग्रेस अध्यक्ष ज्ञान सिंह ने कहा कि कांग्रेस

संगठन पूरी मजबूती और एकजुटता के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि आगामी कार्यक्रमों में सभी मोर्चा-प्रकोष्ठों और ब्लॉक इकाइयों की सक्रिय भूमिका सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि संगठन का हर पदाधिकारी जनता के बीच जाकर उनकी समस्याएं सुने और उनके समाधान के लिए संघर्ष करे, यही कांग्रेस की पहचान रही है। बैठक में आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई, जिसमें जनहित से जुड़े आंदोलन, संगठनात्मक विस्तार, प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही सभी पदाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रियता बढ़ाने के निर्देश दिए गए। बैठक में प्रमुख रूप से पूर्व अध्यक्ष आनंद सिंह, महिला कांग्रेस अध्यक्ष कमलेश सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष काजल वर्मा, उपाध्यक्ष आनंद सिंह शेर, वरिष्ठ पार्षद विनोद मिश्रा, उपाध्यक्ष अंबिकेश पाण्डेय, वरिष्ठ नेता शंभू गौतम, उपाध्यक्ष दिनेश पाठक, महामंत्री नवीन सिंह एवं ज्ञानेंद्र अग्निहोत्री, विक्रम सिंह, भूपेंद्र सिंह, शीला रानी साकेत, शशिकला द्विवेदी, अब्दुल मजीद, ऋषिराज मिश्रा, जनपद अध्यक्ष श्यामवती सिंह, पुष्पा सिंह, मोहम्मद हफीज, युवा कांग्रेस अध्यक्ष करुण सिंह, सेवादल अध्यक्ष अरविंद सिंह रोशन, किसान कांग्रेस अध्यक्ष प्रफुल्ल पाण्डेय, आदिवासी प्रकोष्ठ अध्यक्ष तिलकराज सिंह, ब्लॉक अध्यक्षगण प्रदीप द्विवेदी, परमजीत पाण्डेय, विवेक सिंह, अरविंद तिवारी, शिवकुमार सिंह, यज्ञराज साहू, यज्ञशरण सिंह, अजीत सिंह, दिलीप सितानी, गोविंद सिंह, कृतिमा सिंह, प्रियंका परिहार, तारा सिंह, रनशेर अली, संजय सिंह, आर. पी. राठिया, दिनेश विश्वकर्मा, अरुण सिंह, जैनेन्द्र जायसवाल, सुदीप द्विवेदी, भक्तराम नामदेव सहित बड़ी संख्या में मोर्चा-प्रकोष्ठों के पदाधिकारी मौजूद रहे।

करनाल जिलाध्यक्ष प्रवीण लाठर ने गणतंत्र दिवस पर भाजपा कार्यालय कर्ण कमल में फहराया तिरंगा

लोकतंत्र की शान, राजेंद्र करनाल की रिपोर्ट

भारत के 77 वें गणतंत्र दिवस के पावन पर्व पर भाजपा जिला कार्यालय कर्ण कमल में भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण लाठर ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर भाजपा नेताओं के अलावा कई वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे। इस अवसर पर उन्होंने अपने सम्बोधन में बताया कि गणतंत्र दिवस 26 जनवरी 1950 को हमारे भारतीय संविधान के लागू होने की याद में मनाया जाता है। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि भारत को 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्रता मिली, लेकिन तब तक भारत के पास अपना कोई संविधान नहीं था। बल्कि, भारत सरकार के कानून मुख्य रूप से भारत सरकार अधिनियम 1935 पर आधारित थे। बाद में 29 अगस्त 1947 को हमारे देश का स्वतंत्र संविधान बनाने के लिए डॉ. बीआर अंबेडकर की अध्यक्षता में मसौदा समिति को अध्यक्ष नियुक्त करने का प्रस्ताव पारित किया गया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष प्रवीण लाठर के अलावा चेयरमैन मेघा भंडारी,प्रदेश उपाध्यक्ष महिला मोर्चा मीना चौहान ,अमरनाथ सौदा जश, ईलम सिंह

,अर्बन मण्डल अध्यक्ष गौरव खुराना ,जिला उपाध्यक्ष प्रियंका काठपाल ,विजय वेदपाल ,जिला सचिव संतोष पाल , पार्षद राजेश अघी, आईटी प्रमुख विकास राणा , खुर्शीद आलम व अन्य प्रमुख भाजपा कार्यकर्त्ता उपस्थित रहे।

भाजपा कार्यालय में सीधी विधायक श्रीमती रीती पाठक ने ध्वजा रोहण पश्चात कहा अपने अधिकारों के साथ साथ कर्तव्यों का भी निर्वहन करें

लोकतंत्र की शान, रामबिहारी पांडेय ब्यूरो

सीधी। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय में भाजपा जिला अध्यक्ष देव कुमार सिंह चौहान ने गणतंत्र दिवस की 77वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में सीधी विधायक श्रीमती रीती पाठक की विशिष्ट उपस्थिति में ध्वजारोहण कर झंडे को सलामी दी और सामूहिक रूप से राष्ट्रगीत गाकर भारत माता की जय, वंदे मातरम, जय हिंद का उद्घोष किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मंजूराम जी सिंह , प्रदेश कार्यसमिति सदस्य इंद्रशरण सिंह चौहान, पूर्व जिलाध्यक्ष के के तिवारी, लालचंद गुप्ता, नगर पालिका की पूर्व अध्यक्ष अंजू केसरी, जिला उपाध्यक्ष अशोक पटेल, विश्वबंधुधर द्विवेदी, शिवदान साकेत, वरिष्ठ नेता डॉ.

देवेन्द्र त्रिपाठी, मनीला सिंह चौहान, संदीप द्विवेदी, अमलेश्वर चतुर्वेदी, मोतीलाल पटेल, रवि केशरी, जिला मीडिया प्रभारी सुरेंद्र मणि दुबे, उमाशंकर यादव, सुनीता रानी वर्मा, पूनम सोनी, मंडल अध्यक्ष पंकज पाण्डेय जी, बाबूलाल कुशवाहा, आनंद परियानी, रमेश गुप्ता, मुनिराज विश्वकर्मा, रामराज गुप्ता, प्रदीप शुक्ला, भानू पाण्डेय, पुनीत नारायण शुक्ल, सोशल मीडिया जिला संयोजक जितेंद्र तिवारी, डॉ मनोज सिंह परिहार, पुष्पराज सिंह चौहान, रोहित मिश्रा, रामनरेश सिंह, पुन्नू खान, हीरालाल कोरी, जितेंद्र तिवारी, संगीता सिंह, कंचन केशरी, जगदंबा सोनी, विभा शर्मा जी, आशा शुक्ला, निशा सिंह, आरती सिंह, महिमा तिवारी, जीतेंद्र गुप्ता, दिनेश गुप्ता, धर्मेन्द्र सोनी, मुन्नालाल चौधरी, श्रवण सिंह, अजय चौबे, सीताशरण शर्मा, कौशलेंद्र सिंह, चंदन मिश्रा, विक्रमादित्य मिश्रा, जय सिंह, श्यामलाल केवट, मोहित वर्मा शाहिद सैकड़ो पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बीएमएस यूनियन कार्यालय में हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया 77 वां गणतंत्र दिवस

लोकतंत्र की शान, रामबिहारी पांडेय ब्यूरो

सीधी बघवार। गणतंत्रता दिवस के 76, वर्ष पूर्ण होने तथा में 77, वें वर्ष के प्रवेश होने की पावन वेला में पूर्व की भांति राष्ट्रीय पर्व रूपक गणतंत्रता दिवस राष्ट्रीय तिरंगे को लहराते हुए भारतीय मजदूर संघ से सम्बद्ध अल्ट्राटेक सीमेंट कर्मचारी एवं खदान श्रमिक संघ मझिगवां ट्रेड यूनियन कार्यालय परिसर में समुचित श्रमिक बंधुओं की उपस्थिति में हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया, ।साथ ही संघीय संगोष्ठी आयोजित कर राष्ट्रीय तथा संघीय सिद्धांतों पर प्रकाश डाला गया।दीप प्रज्ज्वलन, पुष्प अर्पण, के साथ राष्ट्रीय गान,व राष्ट्रीय गीत का समूह गायन किया गया, तत्पश्चात यूनियन अध्यक्ष वीरभानु सिंह द्वारा गणतंत्र दिवस के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए कहा गया कि अधिकार तथा कर्तव्य दोनों का समावेश ही संविधान है, जिसके लिए लोकतांत्रिक

व्यवस्था विहित प्रावधानों से परिभाषित है,जो भारत जैसे समृद्ध वाली देश के लिए स्तंभ की भांति है, उन्होंने भाईचारे की भावनाओं के साथ अनुशासित रहते हुए काम करने की जरूरत पर बल दिया। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री उमा निवास मिश्रा द्वारा किया गया। उक्त अवसर पर कार्यकारी अध्यक्ष प्रशांत तिवारी, संयुक्त कार्यकारी अध्यक्ष जगवीर सिंह,उपाध्यक्ष योगेन्द्र द्विवेदी, बृजेश तिवारी, ओंकार उरमलिया, कोषाध्यक्ष सुनील सिंह, संगठन मंत्री संतोष माडेकर, संयुक्त संगठन मंत्री मृत्युंजय तिवारी, के सहित संजय उपाध्याय,अजय सिंह,अनिल कुमार,पवन सिंह, मोहम्मद शरीफ, राधाकांत तिवारी, रावेन्द्र मिश्रा, लालेश्वर तिवारी,अनिल सिंह,राजू केवट, राकेश दहायत,अबधविहारी शर्मा, गणेश पांडे, मुकेश तिवारी, वीके विश्वकर्मा, दिलीप मिश्रा, निर्गुण सिंह,नीरज मिश्रा, यादवेंद्र तिवारी, आदि प्रमुख श्रमिक दायित्व वान पदाधिकारियों की उपस्थिति गरिमामय रही।

जिले भर में रही गणतंत्र दिवस की धूम,आनवान शान से लहराया तिरंगा,गणेश स्कूल में राष्ट्रप्रेम की गूंज

लोकतंत्र की शान, रामबिहारी पांडेय ब्यूरो

सीधी। सोमवार को श्री गणेश सीनियर सेकेंडरी स्कूल, पड़रा में 77वाँ गणतंत्र दिवस अत्यंत हर्षोल्लास, गरिमा एवं देशभक्ति की भावना के साथ भव्य रूप से मनाया गया। यह आयोजन विद्यालय के प्राचार्य डॉ. महेंद्र कुमार तिवारी के कुशल निर्देशन एवं मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। समारोह में विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों एवं गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय परिसर में अतिथियों द्वारा राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे के ध्वजारोहण के साथ हुआ। इसके पश्चात राष्ट्रगान का सामूहिक गायन किया गया, जिससे संपूर्ण वातावरण देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत हो गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में माँ सरस्वती एवं महापुरुषों की प्रतिमाओं के समक्ष दीप प्रज्वलन व पुष्पांजलि अर्पित की गई। इसके उपरांत विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला ने सभी दर्शकों का मन मोह लिया। विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीत, लघु नाटिका, काव्यपाठ, प्रेरणादायक भाषण, सामूहिक नृत्य एवं समूह गायन के माध्यम से स्वतंत्रता, संविधान की महत्ता, वीर शहीदों के बलिदान और राष्ट्र के प्रति नागरिक कर्तव्यों को प्रभावशाली ढंग से

प्रस्तुत किया। कार्यक्रम स्थल बार-बार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंजता रहा। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने अपने विचारों के माध्यम से गणतंत्र दिवस मनाने के कारणों, संविधान के महत्व, त्याग, बलिदान और देश के प्रति हमारे कर्तव्यों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर मुख्य अतिथि रहे संस्था के चेयरमैन एम.पी. शर्मा ने सभी को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए देशभक्तों और महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि एवं विद्यालय के निदेशक नीरज शर्मा ने भारतीय संविधान की विशेषताओं एवं नागरिक कर्तव्यों पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को सही मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. महेंद्र कुमार तिवारी ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को एक अच्छा इंसान, जागरूक नागरिक और राष्ट्र निर्माण में सहभागी बनने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम का समापन विद्यालय की एच.एम. माएमा सिमन्स द्वारा प्रस्तुत हार्दिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सफलता में संगीत शिक्षक अवतार कृष्ण, नृत्य शिक्षिका अंकिता सेन एवं नाटक मंचन में डी.के. खरे का विशेष योगदान रहा, जिनके कुशल निर्देशन में प्रस्तुतियाँ अत्यंत प्रभावशाली रहीं। समारोह का सफल संचालन शिक्षिका अन्वेषा डे के निर्देशन में छात्रा आरत्रिका डे एवं अमन सिंह ने सशक्त एवं प्रभावशाली ढंग से किया। अंत में छात्र-छात्राओं को मिठाई वितरित की गई। इस अवसर पर किड्स गणेश इंचार्ज कोमल बाधवानी, संजय सिंह चौहान, अर्चना मिश्रा, धर्मेंद्र मिश्र, राकेश पाण्डेय, तरुणनाथ मिश्र, अशोक कुमार साकेत, अभय पाण्डेय, रविराज सिंह परिहार, राजेश नवैत, आशीष शुक्ल, नागेन्द्र तिवारी, विकास द्विवेदी, बृजेश कुमार त्रिपाठी, शिवार्चन द्विवेदी एवं विश्वास पाण्डेय सहित समस्त विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

77वें गणतंत्र दिवस पर नगर पालिका परिषद संभल में भव्य आयोजन, चेयरमैन आसिया मुशीर अली खान ने फहराया तिरंगा

लोकतंत्र की शान, सैय्यद कुमैल ज़ैदी

संभल। नगर पालिका परिषद में 77वें गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर नगर पालिका परिषद, संभल के प्रांगण में भव्य एवं गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए माननीय अध्यक्ष नगर पालिका परिषद, संभल आसिया मुशीर अली खान ने ध्वजारोहण किया और उपस्थित जनसमूह को राष्ट्रभक्ति का संदेश देते हुए सभी को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। ध्वजारोहण के उपरांत राष्ट्रगान के साथ वातावरण देशभक्ति के रंग में रंग गया। इस अवसर पर अध्यक्ष श्रीमती आसिया ने कहा कि संविधान हमें समानता, न्याय और भाईचारे का संदेश देता है, और नगर पालिका परिषद इन मूल्यों पर चलते हुए शहर के समग्र विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित अधिशासी अधिकारी डॉ. मणिभूषण तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि नगर पालिका परिषद संभल प्रशासनिक पारदर्शिता, स्वच्छता, बेहतर मूलभूत सुविधाओं और जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने नगर के विकास में चेयरमैन के नेतृत्व की सराहना करते हुए इसे प्रेरणादायी बताया। समारोह में मा. सभासदगण एवं समस्त पालिका स्टाफ की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी ने एक स्वर में देश की एकता, अखंडता और संविधान के मूल्यों की रक्षा का संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन देशभक्ति नारों और मिठाइयों के वितरण के साथ हुआ।

पूजापार्क के छठवे दिवस की कथा में बोले कथा व्यास

» गोवर्द्धन में गोप्यगीत प्राणवायु की भॉति है

लोकतंत्र की शान, रामबिहारी पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख

सीधी। कथा के प्रसंग को आयाम देते हुए कथा प्रवक्ता वृन्दावनोपासक पं बालाव्यंकटेश महराज जी ने कहा कि बृज का तीर्थ है गिरिराज। जिसको कन्हैया अपनी लीला में प्रवेश कराना चाहते हैं उसको सात दिन पहले ही गोवर्द्धन का बास दे देते हैं।आगे व्यास जी ने बताया कि गिरिराज के कृपा की शीतलता गुरुरूपी कवच के माध्यम से ही संभव है। अतएव श्रीमद्भागवत का पुण्य लाभ पाने के लिए और श्रीकृष्ण की लीला में प्रवेश करने के लिए गुरु कवच आवश्यक है। महराज जी ने श्रोताओ को सम्बोधित करते हुए बताया कि जब गोवर्द्धन में

गोप्यगीत का सस्वर पारायण होता था तब गिरिराज जी को स्वंय प्रगट होना पडता था। कथा प्रसंग के पूर्व व्यास पीठ की पूजा अर्चना एवं कथा प्रवक्ता पं बालाव्यंकटेश महराज जी का माल्यार्पण से स्वागत वन्दन विनोद कुमार मिश्रा पार्षद,लालमणि सिंह अधिवक्ता,आनन्द सिंह शेरगॉव, माधुरी संतोश सिंह,सुरेन्द्र सिंह बोरा,श्री दिलीप मिश्र समाजसेवी सतना, डॉ श्रीनिवास शुक्ल सरस आदि ने किया।महराज जी गिरिराज की तलहटी और गिरिराज जी की महिमा को प्रतिष्ठित करते हुए बताये कि हनुमान जी और गिरिराज जी आज भी साक्षात भगवान स्वरूप हैं।आगे व्यास जी ने कहा कि कलयुग के उपसंहार में गंगा और गोवर्द्धन इस मृत्युलोक को छोड़ देंगे। रोचक कथा में भांति भॉति के उद्धरण,दृष्टान्त,और कथानक सुनकर समुपस्थित श्रोतागण कथा के रहस्य को हृदयशात करते हुए मंत्रमुग्ध होते रहे।व्यास जी ने बताया कि जब कन्हैया सात दिन सात रात अपनी उंगलियों में गोवर्द्धन धारण किये तो ग्वाल वालों ने बैठक में यह निष्कर्ष निकाले कि यह नंद का लाला ही नही वल्कि कोई न कोई देवता है।यदि साधारण बालक होता तो इतने दिनों तक इतना विशाल पहार न धारण कर पाते।प्रसंग के माध्यम से आध्यात्म्य और सनातन संस्कृति के साथ ही साथ महराज जी एकता और अखण्डता को बनाये रखने का संदेश दिये और उन्होने कहा कि मानव मूल्य सामाजिक चेतना तथा नैतिक दायित्व का परिपालन करना भी मानव धर्म है। अतएव हम सबको अपनी निजी स्वार्थ को त्याग करके समाज और देश को सम्पुष्ट बनाये रखना चाहिए। व्यास जी ने एक उदाहरण देकर बहुत बढ़िया संकेत किये कि रात भर बरसात हुई फिर भी घडा खाली का खाली। इसका सीधा सा अर्थ है कि यातो घडा उल्टा है या फिर फूटा हुआ है।कथा में प्रसंगानुसार समसामयिक भजन कीर्तन भी होते रहे तथा गिरिराज पूजन करते हुए भक्तगण उछलते कूदते और उत्सव मनाते रहे।

सीधी पुलिस की बड़ी कार्रवाई; लापता दो नाबालिग बालिकाएं बरामद, आरोपी गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान, रामबिहारी पांडेय ब्यूरो

सीधी। जिले के थाना क्षेत्र में घटित हुई दो अपहरण की घटनाओं ने सबको चौका दिया था लेकिन पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए दोनों मामलों का पटाक्षेप करते हुए दो आरोपी भी गिरफ्तार किये है। बता दें कि पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी के कुशल निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव एवं उप पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अमन मिश्रा के मार्गदर्शन में कोतवाली पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए दो अलग-अलग मामलों में लापता हुई नाबालिग बालिकाओं को सकुशल दस्तयाब कर उनके परिजनों के सुपुर्द किया है पुलिस ने दोनों मामलों में कार्रवाई करते हुए एक आरोपी और एक विधि के प्रतिकूल बालक को हिरासत में लेकर जेल एवं बाल सुधार गृह भेजने की वैधानिक कार्रवाई पूर्ण की है। 24 घंटे के भीतर रीवा से

बरामदगीः- फरियादिया ने अपनी 14 वर्षीय पुत्री के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जो स्कूल जाने का कह कर घर से निकली थी। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए धारा 137(2) BNS के तहत अपराध पंजीबद्ध कर तत्काल तलाश शुरू की। तकनिकी दक्षता और मुखबिर तंत्र की मदद से पुलिस ने मात्र 24 घंटे के भीतर अपहृता को जिला रीवा से बरामद किया। परिणाम पीड़िता के कथनों के आधार पर मामले में पाक्सो एक्ट और BNS की अन्य गंभीर धाराएं बढ़ाई गईं। इस मामले में संलिप्त विधि के प्रतिकूल बालक को अभिरक्षा में लेकर माननीय बाल न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहाँ से उसे बाल संप्रेक्षण गृह रीवा भेज दिया गया है।

अपहरण का पर्दाफाश–एक दूसरे मामले में फरियादी ने सूचना दी थी कि उनकी 13 वर्षीय पुत्री स्कूल में सांस्कृतिक कार्यक्रम का बोलकर निकली थी और वापस नहीं लौटी। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए विवेचना शुरू की। कार्रवाई - पुलिस टीम ने 48 घंटे के भीतर अपहृता को सुरक्षित ढूंढ निकाला। जाँच में आरोपी द्वारा बहला फुसला कर दुष्कर्म की पुष्टि की गई। मामले में नामजद 21 वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया गया। न्यायालय के आदेशानुसार आरोपी को जिला जेल सीधी में दाखिल कराया गया है।

इनकी रही सराहनीय भूमिका–दोनों सफल कार्रवाइयों में कोतवाली थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक अभिषेक उपाध्याय, उप निरीक्षक राजमणि अहिरवार, सउनि राजमणि रजक, प्रआर. जितेन्द्र पाठक, महिला प्रआर. ममता पाठक, आरक्षक संतोष कुमार सिंह एवं सायबर टीम का विशेष योगदान रहा।

पुलिस की अपील–सीधी पुलिस आमजन से अपील करते हुए कहा है कि बच्चों की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहें और किसी भी संदेहास्पद गतिविधि की सूचना तत्काल नजदीकी थाने में दें।

संक्षिप्त समाचार

ब्रिटेन में भारतवंशी नेता सुएला ब्रेवरमैन ने कंजरवेटिव पार्टी छोड़ी, कट्टर दक्षिणपंथी नाइजल फराज की पार्टी में शामिल

नई दिल्ली। ब्रिटेन की पूर्व गृह मंत्री सुएला ब्रेवरमैन ने सोमवार को कंजर्वेटिव पार्टी छोड़कर आप्रवासन-विरोधी पार्टी रिफॉर्म यूके पार्टी जॉइन कर ली। उन्होंने कहा कि वे अब टोरी पार्टी को "अलविदा" कह रही हैं, क्योंकि कंजर्वेटिव सरकार के दौर में इमिग्रेशन पूरी तरह "काबू से बाहर" हो गया है। 45 साल की ब्रेवरमैन दक्षिणी इंग्लैंड के फेयरहैम और वॉटरलूविल से सांसद हैं और गोवा मूल की हैं। उन्होंने सार्वजनिक तौर पर बताया कि उन्होंने कंज़र्वेटिव पार्टी की 30 साल पुरानी सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। लंदन में हुए एक कार्यक्रम में रिफॉर्म यूके के नेता नाइजेल फराज ने उनका स्वागत किया। ब्रेवरमैन अब उन बड़े कंजर्वेटिव नेताओं में शामिल हो गई हैं, जिन्होंने फाराज की पार्टी का दामन थामा है। उनसे पहले पूर्व मंत्री रॉबर्ट जेनरिक और नदीम जहावी भी रिफॉर्म यूके में जा चुके हैं। इसके साथ ही कंजर्वेटिव पार्टी से रिफॉर्म यूके में जाने वाले सांसदों की संख्या 8 हो गई है। पार्टी छोड़ने के बाद ब्रेवरमैन ने कहा, "ब्रिटेन टूट चुका है। देश तकलीफ में है, ठीक नहीं है। इमिग्रेशन काबू से बाहर है, सार्वजनिक सेवाएं चरमरा गई हैं, लोग खुद को सुरक्षित महसूस नहीं करते और हमारे युवा बेहतर भविष्य की तलाश में देश छोड़कर जा रहे हैं।" ब्रेवरमैन ने फराज की तारीफ करते हुए कहा कि ब्रिटिश राजनीति में सिर्फ एक ही ऐसा व्यक्ति है जो अपने देश के लिए लगातार साहस के साथ खड़ा रहा है, और वह व्यक्ति नाइजेल फराज हैं। कंजर्वेटिव पार्टी के भीतर ब्रेवरमैन को कट्टर दक्षिणपंथी धड़े का बड़ा चेहरा माना जाता रहा है। वे पहले पार्टी नेतृत्व का चुनाव भी लड़ चुकी हैं। पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन, लिज ट्रस और ऋषि सुनक ने उन्हें अपनी सरकार की टॉप लीडरशिप में शामिल किया था। विवादों से उनका पुराना नाता रहा है। उन्हें दो बार गृह मंत्री पद से हटाया गया। पहली बार लिज ट्रस के कार्यकाल में मंत्री आचार संहिता के उल्लंघन पर और दूसरी बार पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के दौर में विवादित मीडिया टिप्पणियों की वजह से।

दूल्हा 4 फीट बर्फ में चलकर दुल्हन लाया

मंडी। हिमाचल प्रदेश के मंडी में भारी बर्फबारी के बीच हुई शादी चर्चा में है। दूल्हा तीन से चार फीट जमी बर्फ के बीच करीब 7 किलोमीटर पैदल चलकर दुल्हन को लेने पहुंचा। शादी की रस्में पूरी होने के बाद दुल्हन को भी बर्फीले रास्ते से तीन से चार घंटे की पैदल यात्रा कर ससुराल लाया। इसके वीडियो और फोटो भी सामने आए हैं। बर्फ की सफेद चादर के बीच दुल्हन का हाथ पकड़कर दूल्हा पैदल चलता दिखा। मामला मंडी के सराज विधानसभा क्षेत्र की केओली पंचायत का है। केओली पंचायत के बुनालीघार गांव के गितेश (26) की शादी भैचड़ी की ऊषा ठाकुर के साथ तय हुई थी। शनिवार (24 जनवरी) को गाड़ियों में बारात जानी थी। लेकिन इससे पहले ही भारी बर्फबारी हो गई। सड़कों पर 3 से 4 फीट तक बर्फ जम गई। ऐसे में गाड़ियों के ड्राइवरों ने मना कर दिया, लेकिन गितेश दुल्हन को लाने पर अडिग रहा। गितेश सीमित बारातियों के साथ दुल्हन को लेने रवाना हो गया। वह 7 किलोमीटर बर्फीले और दुर्गम रास्तों को पैदल तय कर भैचड़ी पहुंचा। रातभर विवाह की रस्में निभाई गईं और सुबह सवा सात बजे दुल्हन की विदाई हुई। दुल्हन और बारातियों ने 7 किलोमीटर का सफर लगभग चार घंटे में तय किया। इस बीच 2 घंटे की खड़ी चढ़ाई पार की। वे सुबह करीब 11 बजे घर पहुंचे। गितेश गाड़ी चलाता है। उसका एक भाई है।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर ट्रक में घुसी कार, चार की मौत

दौसा। दौसा में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर आगे चल रहे ट्रक में पीछे से तेज रफ्तार कार घुस गई। हादसे में कार सवार चार श्रद्धालुओं की मौत हो गई। ट्रक में कार बुरी तरह फंस गई थी। इसकी वजह से करीब 8 किमी तक ट्रक के साथ कार घिसटती चली गई। गाड़ी में शव भी फंस गए थे। उन्हें निकालने के लिए पुलिस को मशक्कत करनी पड़ी। हादसा पापड़दा इलाके में एक्सप्रेसवे के पिलर नंबर-193 के पास मंगलवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे हुआ। नांगल राजावतान (दौसा) के DSP दीपक मीणा ने बताया- कार में 5 श्रद्धालु सवार थे। सभी उज्जैन (MP) में महाकाल के दर्शन कर नोएडा लौट रहे थे। मृतकों में नोएडा (उत्तर प्रदेश) के रहने वाले राहुल गुप्ता (35), पारस अग्रवाल (35), प्रिंस गुप्ता (23) और विक्रम सिंह (30) शामिल हैं। कार की सबसे पीछे की सीट पर बैठे बृजमोहन गुप्ता को मामूली चोटें आई हैं। DSP दीपक मीणा ने बताया- हरियाणा नंबर की कार लालसोट (दौसा) से दिल्ली की ओर जा रही थी। इसी दौरान आलूदा गांव के पास कार आगे चल रहे ट्रक में घुस गई। तेज गति के कारण कार ट्रक के पीछे फंस गई थी। कार के आगे का हिस्सा चकनाचूर हो गया। उसमें सवार लोग अंदर ही फंस गए।

'तुझे मारकर सबूत नहीं छोड़ूंगा', यमुनानगर में महिला बोली- पति ने हिंदू महिला का कटा सिर दिखाया

यमुनानगर। हरियाणा के यमुनानगर में थर्मामीटर का पारा (मर्करी) पीकर सुसाइड की कोशिश करने के मामले में लगातार खुलासे हो रहे हैं। यूपी के सहारनपुर की रहने वाली रेखा उर्फ रुबीना ने दैनिक भास्कर एप की टीम को बताया कि उसका पति फुकरान उसे सहारनपुर की ही हिंदू महिला उमा की सिर कटी लाश का वीडियो दिखाकर कहता था कि अगर विरोध किया तो उसका भी वही हाल करेगा। फुकरान ने उससे कहा था कि उमा का प्रेमी तो पकड़ा गया था, लेकिन वह उसे मारने के बाद कोई सबूत नहीं छोड़ेगा। रेखा ने यह भी आरोप लगाया कि फुकरान ने रिलेशनशिप में आते ही उसका मोबाइल हैक कर लिया था और उस पर नजर रखने लगा था। निकाह के बाद जब वह गर्भवती हुई तो उसका गर्भपात करवा दिया।

सिर कटी लाश के वीडियो दिखा डराया: रेखा ने बताया कि 7 दिसंबर को यूपी के सहारनपुर की यमुनानगर में हिंदू महिला उमा की सिर कटी लाश मिली थी, जिसका वीडियो फुरकान अपने मोबाइल में रखता था। उमा का सिर उसके प्रेमी सहारनपुर के नकुड़ निवासी बिलाल ने ही काटा था। फुकरान मुझे कहता था कि उमा के प्रेमी बिलाल ने उसे मारकर ठिकाने लगा दिया, लेकिन बाद में फंस गया, लेकिन अगर तुझे मारना पड़ा तो मैं कोई सबूत नहीं छोड़ूंगा। रेखा ने यह भी बताया कि 2020 में जब मैं फुकरान के संपर्क में आई तो उसने मेरे मोबाइल हैक कर लिया। वह मेरी हर गतिविधि पर नजर रखने लगा था। किससे बात करती हूं, किसे मैसेज करती हूं और यहां तक कि जब भी मैं किसी से बात करने की या कहीं बाहर जाने की कोशिश करती थी तो फुकरान को तुरंत पता लग जाता था। इस वजह से मैं ज्यादा कुछ नहीं कर पाती थी।

यूजीसी के नए नियमों का विरोध दिल्ली हेडक्वार्टर की सुरक्षा बढ़ी

एजेंसी, नई दिल्ली

❑ **यूपी में सवर्ण सांसदों को चूड़ियां भेजीं सरकार बोली- कोई भेदभाव नहीं होगा**

देशभर में जनरल कैटेगरी के स्टूडेंट्स और सवर्ण जाति के लोगों का यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन (UGC) के नए नियमों को लेकर विरोध तेज हो गया है। नई दिल्ली में UGC हेडक्वार्टर के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। प्रदर्शनकारियों को कैंपस के अंदर घुसने से रोकने के लिए बड़ी संख्या में बैरिकेड्स लगाए गए हैं।

उत्तर प्रदेश के लखनऊ, रायबरेली, वाराणसी, मेरठ, प्रयागराज और सीतापुर में छात्रों, युवाओं और कई संगठनों ने जगह-जगह प्रदर्शनों में हिस्सा लिया। रायबरेली में भाजपा किसान नेता रमेश बहादुर सिंह और गौरक्षा दल के अध्यक्ष महेंद्र पांडेय ने सवर्ण सांसदों को चूड़ियां भेजी हैं। यूपी में बरेली के सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री ने नए नियमों के विरोध में इस्तीफा दे दिया है। UGC के नए नियमों को लेकर कुमार विश्वास ने तंज कसा। सोशल मीडिया पर लिखा, 'चाहे तिल लो या ताड़ लो राजा, राई लो या पहाड़ लो राजा, मैं अभागा 'सवर्ण' हूं... मेरा रोंया-रोंया उखाड़ लो राजा।' केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस मामले पर कहा कि किसी को भी इसका गलत इस्तेमाल करने का अधिकार नहीं होगा। किसी के भी साथ अत्याचार या भेदभाव नहीं होगा।

UGC के नए नियमों का विरोध क्यों?: UGC ने 13 जनवरी को अपने नए नियमों को नोटिफाई किया था। इसका नाम है- 'प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन रेगुलेशन्स, 2026।' इसके तहत कॉलेजों और यूनिवर्सिटी में जाति आधारित भेदभाव को रोकने के लिए विशेष समितियां, हेल्पलाइन और मॉनिटरिंग टीमें बनाने के निर्देश दिए हैं। ये टीमें खासतौर पर SC, ST और OBC छात्रों की शिकायतों को देखेंगी। सरकार का कहना है कि ये बदलाव उच्च शिक्षा संस्थानों में निष्पक्षता और जवाबदेही लाने के लिए किए गए हैं। हालांकि नियमों को जनरल कैटेगरी के खिलाफ बताकर विरोध हो रहा है। आलोचकों का कहना है कि सवर्ण छात्र 'स्वाभाविक अपराधी' बना दिए गए हैं। जनरल कैटेगरी के स्टूडेंट्स का कहना है कि नए नियम कॉलेज या यूनिवर्सिटी कैंपसों में उनके खिलाफ भेदभाव को बढ़ावा दे सकते हैं। इससे कॉलेजों में अराजकता पैदा होगी।

गैंगस्टर गोल्डी बराड़ के मां-बाप गिरफ्तार, मुक्तसर कोर्ट में पेश

एजेंसी, चंडीगढ़

♦ **पुलिस रिमांड मिला, अमृतसर के होटल में थे, 2 साल पुराने फिरौती केस में एक्शन**

पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला के हत्याकांड में मास्टरमाइंड गैंगस्टर गोल्डी बराड़ के माता-पिता को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। ये गिरफ्तारी रात 10 बजे श्री मुक्तसर साहिब की पुलिस ने 2 साल पुराने मामले में की है। गैंगस्टर के माता-पिता अमृतसर में गोल्डन टेंपल के पास होटल में ठहरे हुए थे।

गिरफ्तारी के बाद पिता शमशेर सिंह और माता पीरतपाल कौर को श्री मुक्तसर साहिब कोर्ट में पेश किया गया। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नीरज कुमार सिंगला ने दोनों को 30 जनवरी तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है। दोनों की पेशी का वीडियो भी सामने आया है।

दरअसल, 2 साल पहले शिक्षक से 50 लाख रुपए रंगदारी मांगी गई थी। उसे और उसके परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी गई थी। तीन दिसंबर 2024 को पुलिस ने FIR दर्ज की थी। मुक्तसर पुलिस के मुताबिक गैंगस्टर के माता-पिता फिरौती की रकम से गुजारा कर रहे थे।

विदेशी नंबर से कॉल आई: गांव उडेकरन के रहने वाले शिक्षक ने बताया कि वह पिछले 33 सालों से शिक्षा विभाग में तैनात है। 27 नवंबर 2024 को सुबह के समय वह स्कूल में अपनी ड्यूटी पर था। सुबह साढ़े दस बजे से 11 बजे के बीच उसे वॉट्सएप पर एक विदेशी नंबर से कॉल आई।

50 लाख रुपए रंगदारी मांगी: जब फोन उठाया तो दूसरी तरफ बात कर रहे व्यक्ति ने खुद को बंबीहा गैंग का सदस्य बताया। उसने 50 लाख रुपए रंगदारी मांगी और जान से मारने की धमकी दी। कॉल करने वाले ने कहा कि इस कॉल को हल्के में न ले।

तेलंगाना में चलते ऑटो से 4 छात्राएं गिरीं, एक की मौत

एजेंसी, वॉशिंगटन डीसी

♦ **ड्राइवर ने गाड़ी नहीं रोकी, बच्चियों से प्रिंसिपल के घर कुर्सियां ढुलवा रहा था**

तेलंगाना के कामारेड्डी जिले में एक सरकारी रेजिडेंशियल गुरुकुल स्कूल की 4 छात्राएं चलते ऑटो से गिर गईं। इनमें 8वीं क्लास की एक छात्रा की मौत हो गई। घटना का CCTV फुटेज सामने आया है, जिसमें छात्राएं चलते ऑटो एक-एक करके गिरती दिख रही हैं।

इसके बावजूद ऑटो ड्राइवर ने गाड़ी नहीं रोकी। बताया जा रहा है कि ऑटो में कुर्सियां रखी थीं। छात्राओं से प्रिंसिपल के घर कुर्सियां पहुंचवाने का काम कराया जा रहा था। स्थानीय रिपोर्ट्स के मुताबिक, स्कूल स्टाफ गणतंत्र दिवस समारोह के लिए कुर्सियां लेकर आया था। बच्चियों से ही कुर्सियां उतारने और चढ़ाने का काम कराया जा रहा था।

मृतक छात्रा की पहचान संगीता के रूप में हुई है। वह बनसवाड़ा मंडल स्थित अनुसूचित जाति समुदाय के छात्रों के लिए संचालित गुरुकुल स्कूल में पढ़ती थी। वह चौथी बच्ची थी, जो चलते ऑटो से गिर पड़ी। इसके बावजूद ऑटो चालक ने वाहन नहीं रोका और वहां से चला गया। चलते वाहन से गिरने के बाद संगीता को गंभीर हालत में बनसवाड़ा के अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामले पर प्रशासन की ओर से अभी कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। घटना के बाद स्कूल प्रबंधन और स्टाफ की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं।

नाटो बोला-अमेरिका के बिना यूरोप अपनी रक्षा नहीं कर सकता, यूरोपीय नेता बस सपने देख रहे

एजेंसी, वॉशिंगटन डीसी

❑ **अगर अकेले चलना है तो डिफेंस बजट बढ़ाएं**

NATO के महासचिव मार्क रुट ने सोमवार को ब्रुसेल्स में यूरोपीय संसद को संबोधित करते हुए चेतावनी दी कि यूरोप अमेरिका के बिना खुद की रक्षा नहीं कर सकता। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक रुट ने कहा कि अगर वे वास्तव में अकेले ही ऐसा करना चाहते हैं तो उन्हें अपने रक्षा खर्च को 10% तक बढ़ाना होगा, अपनी परमाणु क्षमता का निर्माण करना होगा, जिसकी लागत अरबों यूरो होगी। अभी NATO के खर्च में यूरोपीय देशों का कुल योगदान केवल 30% है, जो देशों की GDP का औसतन 2% है। रुट ने ट्रम्प के आर्कटिक क्षेत्र और ग्रीनलैंड की मजबूत रक्षा की रणनीति का समर्थन किया। रुट ने यह भी कहा कि उन्होंने ट्रम्प को उनकी बढ़ती धमकियों से पीछे हटने के लिए मनाया और ग्रीनलैंड को लेकर समझौते की दिशा में ले जाने की कोशिश की।

डेनमार्क और ग्रीनलैंड के नेताओं की रुट से नाराजगी बढ़ी: ट्रम्प ने 21 जनवरी को दावोस में रुट के साथ ग्रीनलैंड को लेकर बातचीत की थी। डेनमार्क और ग्रीनलैंड के नेता इस बात से नाराज हो गए थे कि ट्रम्प और रुट उनके पीठ पीछे ग्रीनलैंड के भविष्य पर बात कर रहे हैं। यूरोपीय संसद के कई सदस्यों ने रुट से पूछा कि उन्होंने ट्रम्प से ठीक क्या चर्चा की और इसका डेनमार्क व ग्रीनलैंड पर क्या असर होगा। ट्रम्प ने पिछले हफ्ते दावा किया था कि ग्रीनलैंड के भविष्य को लेकर नाटो के साथ एक समझौते का ढांचा तैयार हो गया है, जिससे यूरोप में राहत मिली, हालांकि कई लोग चिंतित हैं कि ट्रम्प अपना मन बदल सकते हैं।

रुट बोले- ट्रम्प अच्छा काम कर रहे जिससे कई लोग चिढ़ रहे: रुट ने कहा कि 70 साल बाद भी यूरोप अमेरिकी सैन्य शक्ति पर निर्भर है। यूरोप को अपनी मजबूत रक्षा के लिए बहुत अधिक खर्च करना होगा, यहां तक कि अपना परमाणु हथियार बनाना पड़ेगा। उन्होंने कहा, '2035 तक 5% जीडीपी रक्षा खर्च काफी नहीं, इसे 10% तक ले जाना होगा। उस स्थिति में आप हमारी स्वतंत्रता के अंतिम गारंटर यानी अमेरिकी परमाणु सुरक्षा कवच को खो देंगे। अगर यूरोप अकेला चल सके तो मेरी ओर से शुभकामनाएं।' रुट ने ट्रम्प की बात दोहराई कि चीन और रूस आर्कटिक सुरक्षा के लिए खतरा बन रहे हैं। उन्होंने कहा, "ट्रम्प बहुत अच्छा काम कर रहे हैं, मैं जानता हूं कि इससे कई लोग चिढ़ रहे हैं।" आर्कटिक रक्षा को लेकर उन्होंने कहा कि "ट्रम्प सही हैं।"

यूरोपीय देशों पर टैरिफ लगाने से पीछे हटे थे ट्रम्प: हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प यूरोपीय देशों पर 10% टैरिफ लगाने से पीछे हट गए थे। ये टैरिफ 1 फरवरी से लगने वाले थे। ट्रम्प ने रुट के साथ बातचीत के बाद यह फैसला लिया था। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर लिखा कि उनकी NATO चीफ के साथ ग्रीनलैंड को लेकर होने वाले समझौते की बुनियादी बातें तय हो गई हैं। अगर यह समझौता पूरा होता है, तो यह अमेरिका और NATO के सभी देशों के लिए फायदेमंद होगा।

ट्रम्प ने साउथ कोरिया पर 25% टैरिफ लगाया कहा- उन्होंने हमारी ट्रेड डील मंजूर नहीं की

एजेंसी, वॉशिंगटन डीसी

♦ **कोरिया बोला- हमें इसकी जानकारी नहीं**

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने साउथ कोरिया के सामानों पर 25% टैरिफ लगा दिया है। ट्रम्प ने आरोप लगाया कि साउथ कोरिया पिछले साल हुए ट्रेड डील पर ठीक से अमल नहीं कर रहा है। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि साउथ कोरिया पर 15% से बढ़ाकर 25% टैरिफ लगाया जाएगा। यह टैरिफ कारों, लकड़ी, दवाओं और बाकी उत्पादों पर लागू होगा। ट्रम्प का कहना है कि साउथ कोरिया की संसद इस समझौते को मंजूरी देने में देर कर रही है, जबकि अमेरिका ने समझौते के मुताबिक अपने टैरिफ तेजी से कम किए हैं।

दोनों देशों के बीच ट्रेड डील हुई थी: ट्रम्प ने कहा कि साउथ कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्यांग और मैंने 30 जुलाई 2025 को दोनों देशों के लिए एक महत्वपूर्ण समझौते पर सहमति बनाई थी। मैंने 29 अक्टूबर 2025 को कोरिया में रहते हुए इस समझौते को दोहराया था। कोरियाई संसद ने इसे मंजूरी क्यों नहीं दी? उन्होंने हमारे ऐतिहासिक व्यापार समझौते को लागू नहीं किया है, जो उनकी जिम्मेदारी है। उस समझौते में ट्रम्प ने दावा किया था कि साउथ कोरिया, अमेरिका में 350 अरब डॉलर (करीब 29 लाख करोड़ रुपए) का निवेश करेगा, जिस पर कंट्रोल अमेरिका का रहेगा। अमेरिकी कॉमर्स डिपार्टमेंट के आंकड़ों के मुताबिक, साल 2024 में साउथ कोरिया ने अमेरिका को करीब 132 अरब डॉलर (लगभग 11 लाख करोड़ रुपए) का सामान एक्सपोर्ट किया। इसमें ऑटोमोबाइल और ऑटो पार्ट्स के साथ सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद प्रमुख हैं। टैरिफ बढ़ने से इन साउथ कोरियाई सामानों की कीमतें अमेरिका में बढ़ सकती हैं। साउथ कोरिया ने कहा है कि उसे टैरिफ बढ़ाने के फैसले की कोई आधिकारिक सूचना नहीं मिली है। साउथ कोरिया ने इस मुद्दे पर अमेरिका से तुरंत बातचीत की मांग की है। साउथ कोरिया ने यह भी बताया कि उसके उद्योग मंत्री किम जंग-क्वान, जो इस समय कनाडा में हैं, जल्द से जल्द वॉशिंगटन जाएंगे और अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक से मुलाकात करेंगे। सियोल और वॉशिंगटन के बीच पिछले साल अक्टूबर में एक व्यापार समझौता हुआ था। इसके तहत दक्षिण कोरिया ने अमेरिका में 350 अरब डॉलर का निवेश करने का वादा किया था। इस निवेश का एक हिस्सा जहाज निर्माण क्षेत्र में जाना था। इसके अगले महीने दोनों देशों ने सहमति जताई थी कि जैसे ही दक्षिण कोरिया समझौते को मंजूरी देने की प्रक्रिया शुरू करेगा, अमेरिका कुछ उत्पादों पर टैरिफ घटाएगा।

अयोध्या जीएसटी डिप्टी कमिश्नर का इस्तीफा, फूट-फूटकर रोए

कहा- योगी का अपमान बर्दाश्त नहीं, शंकराचार्य का कमेंट बुरा लगा

एजेंसी, अयोध्या

यूपी में शंकराचार्य का विवाद अब बढ़ता जा रहा है। अब PM मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और सीएम योगी के समर्थन में अयोध्या के GST डिप्टी कमिश्नर प्रशांत कुमार सिंह ने इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कहा- शंकराचार्य की सीएम पर की गई टिप्पणी से उन्हें बहुत बुरा लगा। इससे मैं आहत हूं। मुख्यमंत्री का अपमान मैं अब बर्दाश्त नहीं कर सकता।

उन्होंने कहा जिस प्रदेश का नमक और रोटी खाता हूं, प्रदेश के वेतन से मेरा परिवार चलता है। अगर उस प्रदेश के मुखिया पर असंसदीय शब्दों का प्रयोग किया जाएगा, तो मुझे दर्द होगा। मेरे अंदर भी दिल और संवेदना है। क्योंकि मैं यूपी कर्मचारी नियमावली के तहत बंधा हुआ हूं। दो दिनों से इस पीड़ा को बर्दाश्त नहीं कर पा रहा था, इसलिए राज्यपाल को इस्तीफा भेज दिया है। 48 साल के प्रशांत कुमार ने इस्तीफे के बाद पत्नी से फोन पर बात की और फूट-फूटकर रोने लगे। प्रशांत मूलतः मऊ जिले के सरवा गांव के रहने वाले हैं। उन्हें सहारनपुर में पहली ज्वॉइनिंग मिली थी। कानपुर में असिस्टेंट कमिश्नर रहे। अयोध्या में पोस्टिंग 21 अक्टूबर, 2023 को हुई थी। प्रशांत कुमार से बात करने के लिए GST अपर आयुक्त संतोष कुमार, एडीएम और एसपी सिटी उनके कार्यालय पहुंचे हैं।

इंदौर में घर में घुसकर दोस्त के भाई की हत्या, युवती के परिजनों को धमकाया

एजेंसी, इंदौर

इंदौर के एरोड्रम थाना क्षेत्र स्थित 60 फीट रोड पर सोमवार को सनसनीखेज वारदात हुई। एक युवक ने घर में घुसकर अपनी दोस्त के परिजनों पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में युवती के भाई की मौत हो गई, जबकि युवती और उसकी मां घायल हो गईं। आरोपी ने खुद को भी पेट में चाकू मारकर घायल कर लिया।

एरोड्रम थाना टीआई तरुण भाटी ने बताया कि आरोपी को पुलिस ने देर रात एमवाय अस्पताल में भर्ती कराया है। उसकी हालत खतरे से बाहर है। अस्पताल से छुट्टी होने के बाद उससे पूछताछ की जाएगी।

पुलिस के मुताबिक आरोपी युवक वेदांत सोलंकी, युवती विधि लखावत का दोस्त है। किसी बात को लेकर विवाद के बाद वह विधि के घर पहुंचा और अंदर घुसकर विधि, उसकी मां अनीता और भाई विधान पर चाकू से वार किए। गंभीर रूप से घायल विधान की अरबिंदो अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई।

वारदात के बाद आरोपी ने खुद को भी चाकू मार लिया। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलते ही टीआई तरुण भाटी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने घटना के दौरान परिजनों को धमकाया भी था। पूरे मामले की जांच की जा रही है। आरोपी वेदांत इंदौर के बिजासन रोड का रहने वाला है।

सुप्रीम कोर्ट में महाकाल मंदिर की वीआईपी दर्शन याचिका खारिज, हाईकोर्ट का फैसला बरकरार रखा

एजेंसी, उज्जैन

❑ **गर्भगृह में किसे प्रवेश मिलेगा कलेक्टर ही तय करेंगे**

उज्जैन के ज्योतिर्लिंग महाकालेश्वर मंदिर के गर्भगृह में नेताओं और वीआईपी को प्रवेश देने का मामला अब सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया है। इससे पहले इस मामले पर हाईकोर्ट में सुनवाई हो चुकी थी। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट के आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया और याचिका खारिज कर दी। इसके साथ ही इंदौर हाईकोर्ट का फैसला महाकाल मंदिर समिति पर लागू रहेगा, जिसमें उज्जैन कलेक्टर को यह अधिकार दिया गया था कि वे तय करें कि कौन वीआईपी है और कौन नहीं। दरअसल, महाकाल मंदिर में आम श्रद्धालुओं के गर्भगृह में प्रवेश पर रोक लगाए जाने के बाद इंदौर के अधिवक्ता चर्चित शास्त्री और दर्पण अवस्थी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिका में कहा गया था कि देशभर से लाखों श्रद्धालु महाकाल दर्शन के लिए उज्जैन पहुंचते हैं, लेकिन उन्हें गर्भगृह के बाहर से ही दर्शन करने पड़ते हैं, जबकि नेता और प्रभावशाली लोग आसानी से गर्भगृह में प्रवेश कर पूजा-अर्चना कर रहे हैं। मंगलवार को हुई सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में हाईकोर्ट के आदेश को बरकरार रखा और याचिकाकर्ता को हाई कोर्ट जाने को कहा।

गर्भगृह में प्रवेश का फैसला फिलहाल कलेक्टर करेंगे: करीब छह महीने पहले इंदौर हाईकोर्ट में दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने स्पष्ट किया था कि गर्भगृह में किसे प्रवेश मिलेगा, यह तय करने का अधिकार उज्जैन कलेक्टर के पास है। अदालत ने कहा कि यदि कलेक्टर किसी विशेष दिन किसी व्यक्ति को अनुमति देते हैं, तो उसे वीआईपी माना जाएगा।

ढाई साल से बंद है गर्भगृह: दरअसल, 4 जुलाई 2023 को सावन महीने में आने वाली भारी भीड़ को देखते हुए महाकालेश्वर मंदिर का गर्भगृह 11 सितंबर 2023 तक बंद कर दिया गया था। उस समय मंदिर समिति ने कहा था कि सावन माह के समाप्त होते ही गर्भगृह आम श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया जाएगा। लेकिन इसके बाद गर्भगृह खुला नहीं है। महाकाल लोक बनने से पहले मंदिर में रोजाना 20 से 30 हजार श्रद्धालु आते थे। अक्टूबर 2022 में महाकाल लोक बनने के बाद भक्तों की संख्या चार गुना बढ़कर डेढ़ से दो लाख तक पहुंच गई।

भारत-यूरोपीय संघ महाडील:- बदलती विश्व व्यवस्था में भारत की रणनीतिक छलांग-मदर ऑफ ऑल डील और 21वीं सदी की नई वैश्विक आर्थिक- राजनीतिक धुरी-एक समग्र विश्लेषण

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

» भारत-ईयू महाडील वैश्विक दक्षिण और बहुपक्षीय व्यवस्था के लिए भी नई संभावनाएँ खोलेगी

» भारत-यूरोपीय संघ महाडील 21वीं सदी की बदलती वैश्विक व्यवस्था में भारत की रणनीतिक सोच,आर्थिक आत्मविश्वास और कूटनीतिक परिपक्वता का प्रमाण है -एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर भारत और यूरोपीय संघ के बीच संपन्न हुई ऐतिहासिक महाडील केवल एक व्यापारिक समझौता नहीं, बल्कि 21वीं सदी की वैश्विक राजनीति, अर्थव्यवस्था और कूटनीति में उभरते भारत की निर्णायक भूमिका का प्रतीक बनकर सामने आई है।भारतीय पीएम द्वारा इसे मदर ऑफ ऑल डील कहा जाना अपने- आप में इस समझौते के व्यापक प्रभाव, दूरगामी निहितार्थ और रणनीतिक महत्व को रेखांकित करता है। मंगलवार, 27 जनवरी को आयोजित 16 वें भारत- यूरोपीय संघ शिखर सम्मेलन में जिस प्रकार मुक्त व्यापार समझौते पर वार्ता पूरी होने की औपचारिक घोषणा की गई और साथ ही सुरक्षा व रक्षा सहयोग समझौतों पर हस्ताक्षर हुए,उससे यह स्पष्ट कर दिया कि भारत और यूरोप अब केवल आर्थिक साझेदार नहीं,बल्कि रणनीतिक सहयोगी के रूप में आगे बढ़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि यह शिखर सम्मेलन उस दौर में हुआ है जब विश्व व्यवस्था तीव्र परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। अमेरिका-चीन प्रतिद्वंद्विता रूस-यूक्रेन संघर्ष, पश्चिम एशिया में अस्थिरता आपूर्ति श्रृंखलाओं का पुनर्गठन और संरक्षणवाद की बढ़ती प्रवृत्तियाँ वैश्विक व्यापार और राजनीति की दिशा को प्रभावित कर रही हैं।ऐसे समय में भारत- ईयू महाडील एक संतुलनकारी शक्ति के रूप में उभरती दिखाई देती है, जो न केवल दोनों पक्षों के हितों को साधेगी,बल्कि वैश्विक दक्षिण और बहुपक्षीय व्यवस्था के लिए भी नई संभावनाएँ खोलेगी।पीएम ने यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा की मेजबानी करते हुए जिस आत्मविश्वास के साथ यह घोषणा की कि भारत ने अपने इतिहास का सबसे बड़ा मुक्त व्यापार समझौता पूरा कर लिया है,वह भारत की आर्थिक कूटनीति में आए आत्मविश्वासपूर्ण परिवर्तन को दर्शाता है।अधिकारियों के अनुसार कानूनी जांच के बाद लगभग छह महीनों में एफटीए पर औपचारिक हस्ताक्षर हो जाएंगे और इसके अगले वर्ष प्रभाव में आने की संभावना है।यह समय- सीमा संकेत देती है कि दोनों पक्ष इसे केवल राजनीतिक घोषणा तक सीमित नहीं रखना चाहते, बल्कि शीघ्र क्रियान्वयन के लिए गंभीर हैं।यह एफटीए भारत और यूरोपीय संघ के बीच दशकों से चली आ रही बातचीत का परिणाम है। वर्षों तक मतभेद, जटिल नियम, पर्यावरणीय मानक, श्रम कानून और टैरिफ जैसे मुद्दे इस समझौते के मार्ग में बाधा बने रहे। किंतु बदले हुए वैश्विक परिदृश्य और भारत की बढ़ती आर्थिक क्षमता ने यूरोप को यह समझने पर मजबूर किया कि भारत को केवल एक उभरता बाजार नहीं,बल्कि एक दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदार के रूप में देखना आवश्यक है। भारत के लिए भी यह डील इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह उसे उच्च-मूल्य वाले यूरोपीय बाजारों तक बेहतर पहुँच प्रदान करती है और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में उसकी भूमिका को मजबूत बनाती है। साथियों बातें कर हम इस महाडील का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष सुरक्षा और रक्षा सहयोग से जुड़ा है इसको समझने की करें तो, दोनों पक्ष एक रक्षा ढांचा समझौते और एक रणनीतिक एजेंडे को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने के लिए तैयार हैं।यह संकेत देता है कि भारत और यूरोप अब केवल व्यापार तक सीमित सहयोग नहीं चाहते बल्कि समुद्री सुरक्षा,साइबर सुरक्षा,आतंकवाद- रोधी प्रयासों और रक्षा प्रौद्योगिकी में भी मिलकर काम करने के इच्छुक हैं। यूरोप जिस तरह अमेरिका और चीन पर अपनी अत्यधिक निर्भरता कम करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, उसमें भारत एक स्वाभाविक और भरोसेमंद विकल्प के रूप में सटीकता से उभरता है। साथियों बात अगर हम यूरोपीय संघ लंबे समय से स्ट्रैटेजिक ऑटोनॉमी की बात करता रहा है इसको समझने की करें तो, यूक्रेन युद्ध के बाद यह आवश्यकता और भी तीव्र हो गई है, क्योंकि ऊर्जा, रक्षा और आपूर्ति

श्रृंखलाओं में यूरोप को अपनी कमजोरियों का एहसास हुआ है। ऐसे में भारत जैसे लोकतांत्रिक, स्थिर और तेज़ी से बढ़ते देश के साथ रणनीतिक साझेदारी यूरोप के लिए न केवल आर्थिक बल्कि भू- राजनीतिक रूप से भी लाभकारी है। भारत के लिए यह साझेदारी इसलिए अहम है क्योंकि इससे उसे उन्नत रक्षा तकनीक, निवेश और वैश्विक मंच पर अधिक प्रभावशाली भूमिका निभाने का अवसर मिलेगा। साथियों बातें कर हम भारतीय पीएम द्वारा महाडील के बाद कही गई छह प्रमुख बातों को समझने की करें तो वे इस समझौते की आत्मा को स्पष्ट करती हैं,पहली बात, यह एफटीए केवल एक व्यापारिक समझौता नहीं, बल्कि साझा समृद्धि का नया ब्लूप्रिंट है।यह कथन दर्शाता है कि भारत इस समझौते को शून्य-योग खेल के रूप में नहीं देखता, बल्कि इसे पारस्परिक लाभ और दीर्घकालिक विकास की नींव मानता है।भारत की आर्थिक कूटनीति अब विन-विन मॉडल पर आधारित है, जहाँ व्यापार को विकास और स्थिरता का साधन माना जाता है।दूसरी बात पीएम ने इसे भारत के इतिहास का सबसे बड़ा फ्री ट्रेड एग्रीमेंट बताया। यह केवल शब्दों का चयन नहीं, बल्कि इस डील के व्यापक दायरे का संकेत है। यूरोपीय संघ विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और इसके साथ मुक्त व्यापार समझौता भारत को वैश्विक व्यापार मानचित्र में एक नई ऊँचाई पर ले जाता है। यह समझौता न केवल वस्तुओं के व्यापार को बढ़ाएगा, बल्कि सेवाओं, निवेश और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी नए अवसर पैदा करेगा।तीसरी महत्वपूर्ण बात किसानों और छोटे उद्योगों से जुड़ी है।पीएम ने स्पष्ट किया कि यह ऐतिहासिक समझौता भारत के किसानों और लघु उद्योगों के लिए यूरोपीय बाजारों तक पहुँच को आसान बनाएगा। यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत का कृषि और एमएसएमई क्षेत्र लंबे समय से वैश्विक बाजारों में प्रतिस्पर्धा की चुनौतियों से जूझ रहा है। यूरोपीय बाजार तक बेहतर पहुँच मिलने से भारतीय उत्पादों को उच्च मूल्य प्राप्त हो सकता है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था और रोजगार सृजन को बल मिलेगा। चौथी बात मैन्युफैक्चरिंग और सर्विसेज सेक्टर से जुड़ी है। इस एफटीए से मैन्युफैक्चरिंग में नए अवसर पैदा होंगे और भारत के सेवा क्षेत्र,विशेषकर आईटी, स्वास्थ्य, शिक्षा और पेशेवर सेवाओं में यूरोप के साथ सहयोग और मजबूत होगा।मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसे अभियानों को यह समझौता अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई ऊर्जा देगा। यूरोपीय निवेश और तकनीक के साथ भारतीय विनिर्माण वैश्विक मानकों पर खरा उतरने में सक्षम होगा।पाँचवीं बात भू-राजनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है।पीएम ने कहा कि भारत और यूरोपीय संघ इंडो- पैसिफिक से लेकर कैरेबियन तक त्रि-पक्षीय परियोजनाओं का विस्तार देंगे। यह बयान दर्शाता है कि दोनों पक्ष अब केवल द्विपक्षीय सहयोग तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि तीसरे देशों में भी संयुक्त परियोजनाओं के माध्यम से अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे। यह रणनीति वैश्विक दक्षिण के देशों के लिए वैकल्पिक विकास मॉडल प्रस्तुत कर सकती है।छठी और अंतिम बात वैश्विक व्यवस्था से जुड़ी है।पीएम ने कहा कि भारत और यूरोपीय संघ का सहयोग विश्व के लिए अच्छा कदम है और बहुपक्षवाद व अंतरराष्ट्रीय मानदंडों का सम्मान उनकी साझा परंपरा है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि आज की चुनौतियों का समाधान करने के लिए वैश्विक संस्थानों में सुधार आवश्यक है। यह बयान संयुक्त राष्ट्र, विश्व व्यापार संगठन और अन्य बहुपक्षीय संस्थानों में सुधार की भारत की लंबे समय से चली आ रही मांग को यूरोपीय समर्थन मिलने का संकेत देता है। इस महाडील का एक और महत्वपूर्ण पहलू वह है जिसे अप्रत्यक्ष प्रतिबंधों और टैरिफ अवरोधों के संदर्भ में देखा जा रहा है। हाल के वर्षों में भारतीय उद्योग जगत को कई देशों द्वारा लगाए गए टैरिफ और गैर-टैरिफ बाधाओं का सामना करना पड़ा है। इन बाधाओं को कई विश्लेषक टैरिफ रूपी स्पीड ब्रेकर के रूप में देखते हैं, जिनका उद्देश्य भारतीय उत्पादों की प्रतिस्पर्धात्मकता को सीमित करना था। भारत-ईयू एफटीए इन अवरोधों को काफी हद तक तोड़ने में सक्षम होगा और भारतीय उद्योगों को वैश्विक बाजार में अधिक आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का अवसर देगा। साथियों हम इस डील को गहराई से देखें तो यह डील विशेष रूप से उन क्षेत्रों के लिए मील का पत्थर साबित हो सकती है, जहाँ भारत को तकनीक, पूंजी और बाजार की आवश्यकता है, जबकि यूरोप को लागत-प्रभावी उत्पादन, युवा कार्यबल और तेजी से बढ़ते बाजार की जरूरत है। दोनों की यह पूरकता इस समझौते को दीर्घकालिक सफलता की ओर ले जा सकती है। इसके साथ ही, यह समझौता वैश्विक निवेशकों के लिए भी सकारात्मक संकेत भेजता है कि भारत स्थिर, विश्वसनीय और सुधारोन्मुखशानदार अर्थव्यवस्था है। साथियों अंतरराष्ट्रीय राजनीति के संदर्भ में देखें तो यह महाडील भारत को एक संतुलनकारी शक्ति के रूप में स्थापित करती है। अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते तनाव के बीच भारत और यूरोप का यह सहयोग वैश्विक व्यवस्था में एक तीसरा, अधिक स्थिर और नियम- आधारित विकल्प प्रस्तुत करता है। यह न केवल आर्थिक, बल्कि राजनीतिक और नैतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि दोनों पक्ष लोकतांत्रिक मूल्यों, कानून के शासन और अंतरराष्ट्रीय नियमों में विश्वास रखते हैं। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि भारत-यूरोपीय संघ महाडील 21वीं सदी की बदलती वैश्विक व्यवस्था में भारत की रणनीतिक सोच,आर्थिक आत्मविश्वास और कूटनीतिक परिपक्वता का प्रमाण है।यह समझौता भारत को केवल एक बड़ा बाजार नहीं, बल्कि एक वैश्विक नीति-निर्माता के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। आने वाले वर्षों में इसका प्रभाव न केवल व्यापार के आँकड़ों में, बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन में भी स्पष्ट रूप से दिखाई देगा।यही कारण है कि इसे केवल एक एफटीए नहीं, बल्कि मदर ऑफ ऑल डील कहा जाना पूरी तरह से सार्थक प्रतीत होता है।

-संकलनकर्ता लेखक-क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र
9284141425

आज जन्म लिए बालक का फल........

आज जन्म लिया बालक, जिद्दी, हठी, योगी, भोगी, सैनिक, सिपाही, कर्नल, बिग्रेडियर, इंजी., प्रोफसेर, उत्तमवृत्ति वाला, शासक, प्रशासक, डॉक्टर, मिलेट्री तथा योगी होगा।

मेष राशि :- मन में अशांति, किसी परेशान से बचिए, कुटुम्ब की समस्याओं में समय बीतेगा।

वृष राशि :- संवेदनशील होने से बचिएगा नहीं तो अपने किए पर पछताना पड़ेगा, ध्यान दें।

मिथुन राशि :- मानसिक कार्य में सफलता से संतोष, धन लाभ बिगड़े हुए कार्य अवश्य बनेंगे।

कर्क राशि :- विरोधी वर्ग का समर्थन फलप्रद हो तथा शुभ कार्यों के योग अवश्य बनेंगे।

सिंह राशि :- व्यवसायिक क्षमता अनुकूल रहे, स्थिति पूर्ण नियंत्रण पर बनी रहेगी, ध्यान दें।

कन्या राशि :- सामाजिक कार्यों में प्रभुत्व वृद्धि होगी, धन लाभ आशानुकूल सफलता का हर्ष हो।

तुला राशि :- अधिकारी वर्ग से समर्थन फलप्रद रहे तथा कार्य अवश्य ही बनेंगे।

वृश्चिक राशि :- धन लाभ, कार्यकुशलता से संतोष, पराक्रम एवं समृद्धि के योग बनेंगे।

धनु राशि :- स्त्री शरीर चिन्ता, विवाद ग्रस्त होने से बचिए, कार्य बनने के योग बनेंगे।

मकर राशि :- मनोबल उत्साह वर्धक हो, दैनिक कार्य गति में सफलता मिलेगी।

कुंभ राशि :- कार्य व्यवसाय में उत्तेजना, धन का व्यय एवं शांति निष्फल होगी।

मीन राशि :- समृद्धि के साधन जुटाए, इष्ट मित्र सुख वर्धक हो।

कनाडा के प्रधानमंत्री की स्वदेशी अपनाने की अपील का संदेश

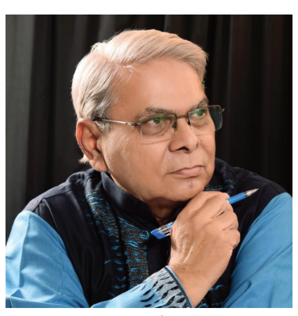

अशोक मधुपः वरिष्ठ पत्रकार

कनाडा के प्रधानमंत्री ने अपने देश के नागरिकों से स्वदेशी उत्पादों को अपनाने की अपील की है। ट्रंप प्रशासन द्वारा कनाडाई उत्पादों पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाने की धमकी को देखते हुए ये अपील की गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा को चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि वह चीन के साथ व्यापार समझौता करता है तो वह कनाड़ा पर सौ फीसदी टैरिफ लगाएंगे। ट्रंप की इस चेतावनी के बाद एक वीडियो संदेश में कनाडा के प्रधानमंत्री कार्नी ने देशवासियों से स्वदेशी उत्पाद अपनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि 'कनाडा की अर्थव्यवस्था पर बाहरी दबाव है। ऐसे में कनाडा के लोगों के पास यही रास्ता है कि वो ही सामान खरीदें, जो कनाडा में बने हों। दूसरे देश क्या करते हैं, हम उसे नियंत्रित नहीं कर सकते। जो हमारे नियंत्रण में है उसपर फोकस करें। हम ही कनाडा के सबसे अच्छे ग्राहक हैं और हमें कनाडा में बने उत्पाद खरीदने चाहिए ताकि देश को मजबूत बनाया जा सके। अमेरिका और कनाडा दोनों देशों के बीच ट्रंप के दोबारा सत्ता में आने के बाद तल्खी तब और बढ़ गई जब ट्रंप ने कई बार कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की बात कही, हालांकि पिछले साल कार्नी ने व्हाइट हाउस में ट्रंप से मुलाकात की थी। इस मुलाकात के दौरान उन्होंने साफ शब्दों में कहा था कि कनाडा बिकाऊ नहीं है। आज जो हालात कनाडा के साथ हैं, वही दुनिया के कई अन्य देशों के साथ हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप कभी भारत तो धमकी देते हैं तो कभी चीन को । ग्रीनलैंड का समर्थन करने वाले देशों को भी इस तरह की उनकी हाल में धमकी आई है। इस तरह की धमकी एक व्यापक वैश्विक प्रवृत्ति का हिस्सा है। बड़ी शक्तियों छोटी शक्ति और देशों को दबाकर रखना चाहती हैं। वे छोटे और सम्प्रभू देशों को अपना गुलाम बनाकर रखना पसंद करती है। अपने पर निर्भर बनाए रखना चाहती है। इस तरह के आसन्न खतरे को भारत ने पहले ही भांप लिया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी काफी समय से स्वदेशी अपनाने पर वैसे ही नही जोर दे रहे। भारत में स्वदेशी का विचार कोई नया नहीं है। यह हमारी राष्ट्रीय चेतना का एक महत्वपूर्ण अंग रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस विचार को आत्मनिर्भर भारत अभियान के माध्यम से नया आयाम दिया है। वोकल फॉर लोकल का नारा देते हुए उन्होंने देशवासियों से भारतीय उत्पादों को अपनाने और उन्हें वैश्विक बनाने का आह्वान किया है। यह दृष्टिकोण केवल आर्थिक नहीं बल्कि राष्ट्रीय गौरव और आत्मसम्मान से भी जुड़ा हुआ है। जब हम अपने देश में बने उत्पादों को प्राथमिकता देते हैं, तो हम न केवल अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करते हैं बल्कि रोजगार के नए अवसर भी पैदा करते हैं। दूसरे देशों पर हमारी निर्भरता कम होगी। उनका हम पर दबाव कम होगा। स्वदेशी की अवधारणा को समझने के लिए हमें महात्मा गांधी के स्वदेशी आंदोलन को याद करना होगा। गांधीजी ने स्वदेशी को केवल आर्थिक रणनीति के रूप में नहीं देखा था, बल्कि इसे स्वराज और आत्मनिर्भरता के व्यापक दर्शन का हिस्सा माना था। उनका मानना था कि जब तक हम आर्थिक रूप से परतंत्र रहेंगे, तब तक वास्तविक स्वतंत्रता संभव नहीं है। इसलिए उन्होंने विदेशी वस्त्रों के बहिष्कार और चरखे से बने खादी को अपनाने पर जोर दिया। गांधीजी के लिए चरखा केवल कपड़ा बनाने का साधन नहीं था, बल्कि यह आर्थिक स्वतंत्रता और सामाजिक परिवर्तन का प्रतीक था। दरअस्ल अंग्रेजों के शासन से पहले जरूरत का सारा सामान हमारे यहां गांव – गांव और आसपास में पैदा होता हैं। जरूरत का काफी सामान हम अपने घर तैयार कर लेते थे। अंग्रेजों ने इस व्यवस्था को बड़े- बड़े उद्योग लगाकर खत्म कर दिया। महात्मा गांधी ने स्वदेशी का महत्व समझा । उनका स्वदेशी आंदोलन भारत के स्वतंत्रता संग्राम का एक महत्वपूर्ण हथियार बना । उन्होंने लोगों को समझाया कि जब हम विदेशी वस्तुओं का उपयोग करते हैं, तो हम न केवल अपने देश की संपत्ति को बाहर भेज रहे हैं, बल्कि अपने कारीगरों और श्रमिकों को भी बेरोजगार कर रहे हैं। उनका मानना था कि प्रत्येक भारतीय को अपने गांव और अपने देश में बनी वस्तुओं को प्राथमिकता देनी चाहिए। यह विचार इतना प्रभावशाली था कि लाखों भारतीयों ने विदेशी कपड़ों की होली जलाई और खादी को अपनाया। यह आंदोलन केवल आर्थिक नहीं था, बल्कि इसने राष्ट्रीय चेतना को जगाने और लोगों को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आज की वैश्वीकृत दुनिया में स्वदेशी की अवधारणा नए अर्थ और महत्व प्राप्त कर रही है। कनाडा पर ट्रंप की टैरिफ धमकी यह दर्शाती है कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार कितना अनिश्चित और राजनीतिक रूप से प्रभावित हो सकता है। जब कोई देश किसी दूसरे देश पर आर्थिक दबाव बनाना चाहता है, तो व्यापार शुल्क एक प्रमुख हथियार बन जाता है। ऐसी स्थिति में जो देश अपनी घरेलू उत्पादन क्षमता को मजबूत रखते हैं, वे बेहतर तरीके से इन चुनौतियों का सामना कर सकते हैं। यही कारण है कि कनाडा के प्रधानमंत्री ने अपने नागरिकों से देश में बने उत्पादों को खरीदने का आग्रह किया है। भारत की आत्मनिर्भर भारत पहल इसी दिशा में एक व्यापक और दूरदर्शी कदम है। इस अभियान का उद्देश्य केवल आयात को कम करना नहीं है, बल्कि भारत को विनिर्माण, नवाचार और तकनीकी विकास का एक वैश्विक केंद्र बनाना है। प्रधानमंत्री मोदी ने बार-बार कहा है कि आत्मनिर्भरता का अर्थ आत्मकेंद्रित होना नहीं है, बल्कि यह वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में एक विश्वसनीय और मजबूत भागीदार बनना है। जब भारतीय उत्पाद गुणवत्ता और नवाचार में उत्कृष्ट होंगे, तो वे न केवल घरेलू बाजार में सफल होंगे बल्कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी अपनी जगह बनाएंगे। स्वदेशी को अपनाने का अर्थ यह नहीं है कि हम अंतरराष्ट्रीय व्यापार या वैश्वीकरण के खिलाफ हैं। बल्कि यह एक संतुलित दृष्टिकोण है जो घरेलू उद्योगों को मजबूत करते हुए वैश्विक बाजार में भागीदारी को भी बढ़ावा देता है। जब हमारे उद्योग मजबूत होंगे, तो हम बेहतर शर्तों पर अंतरराष्ट्रीय व्यापार में भाग ले सकेंगे। यही कारण है कि भारत मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, और डिजिटल इंडिया जैसी पहलों के माध्यम से घरेलू उत्पादन और नवाचार को बढ़ावा दे रहा है। स्वदेशी उत्पादों को अपनाने से रोजगार सृजन में भी महत्वपूर्ण योगदान होता है। जब हम स्थानीय उत्पाद खरीदते हैं, तो हम अपने देश के कारीगरों, किसानों, छोटे व्यवसायियों और उद्यमियों की आजीविका का समर्थन करते हैं। भारत जैसे देश में जहां बेरोजगारी एक बड़ी चुनौती है, स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देना लाखों लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा कर सकता है। छोटे और मध्यम उद्योग जो भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, तभी फल-फूल सकते हैं जब उन्हें पर्याप्त घरेलू बाजार मिले। पर्यावरण की दृष्टि से भी स्वदेशी उत्पादों का महत्व बढ़ जाता है। जब हम स्थानीय स्तर पर उत्पादित वस्तुओं का उपयोग करते हैं, तो परिवहन से होने वाला कार्बन उत्सर्जन कम होता है। साथ ही, स्थानीय उत्पादन अक्सर पारंपरिक और टिकाऊ तरीकों का उपयोग करता है जो पर्यावरण के अनुकूल होते हैं। गांधीजी ने भी कहा था कि पृथ्वी के पास हर व्यक्ति की जरूरत को पूरा करने के लिए पर्याप्त संसाधन हैं, लेकिन किसी के लालच को पूरा करने के लिए नहीं। स्वदेशी की अवधारणा इसी सिद्धांत पर आधारित है। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में जहां व्यापार युद्ध और आर्थिक राष्ट्रवाद बढ़ रहा है, स्वदेशी की प्रासंगिकता और भी बढ़ जाती है। कोविड-19 महामारी ने भी हमें सिखाया कि अत्यधिक आयात निर्भरता कितनी खतरनाक हो सकती है। जब वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं टूट गईं, तो कई देशों को आवश्यक वस्तुओं की कमी का सामना करना पड़ा। भारत ने इस संकट से सीख लेते हुए दवाओं, चिकित्सा उपकरणों, और अन्य आवश्यक वस्तुओं के घरेलू उत्पादन को बढ़ावा दिया है।कभी हम न मास्क बनाते थे। न सेनेंटाइजर, न अन्य उपकरण। करोनाकाल में हमने कोशिश की और आत्म निर्भर ही नही हुए। देश की बनी करोना वैक्सीन कई देशो को दी। स्वदेशी को सफल बनाने के लिए केवल सरकारी प्रयास पर्याप्त नहीं हैं। इसके लिए प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। जब हम खरीदारी करते हैं तो हमें यह देखना चाहिए कि वह उत्पाद कहां बना है और किसके द्वारा बनाया गया है। छोटे निर्णय जैसे स्थानीय बाजार से खरीदारी करना, हस्तशिल्प को बढ़ावा देना, और भारतीय ब्रांड्स को चुनना, सामूहिक रूप से बड़ा प्रभाव डाल सकते हैं। यह केवल आर्थिक निर्णय नहीं है, बल्कि यह हमारी राष्ट्रीय प्रतिबद्धता और जिम्मेदारी का प्रश्न है।

अशोक मधुप
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

शीर्षक - मूनलाइटिंग से उजागर होती औद्योगिक संबंधों की दिशा व दशा

(राजेश पाठक)

पिछले दिनों व्यवसायिक जगत में मूनलाइटिंग एक बहुत बड़ा मुद्दा बनकर समाचारपत्रों की सुर्खियों में तब आया जब विप्रो कंपनी के एक्जीक्यूटिव चेयरमैन रिशद प्रेम जी ने अपनी कंपनी के 300 से भी ज्यादा कामगारों को मूनलाइटिंग किए जाने के आरोप में सेवा से बेदखल कर दिया। कोई भी रोजगार देने वाली कंपनी इस मूनलाइटिंग कार्य व्यवहार की अनुमति सामान्यतः नहीं देती है।

क्या है मूनलाइटिंग - आमतौर पर गुप्त और रात में एक नियमित रोजगार के अलावा एक अन्य नौकरी में संलग्न होना। प्रायः यह देखा जाता है कि नियमित नौकरी में निर्धारित काम के घंटे के बाद अतिरिक्त बचे समय में लोग किसी अन्य व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में पार्ट टाइम जॉब पकड़ लेते हैं एवं उससे अतिरिक्त आमदनी करते हैं। नियमित रोजगार देने वाला प्रतिष्ठान अपने नियमित कामगारों में बढ़ती इस मूनलाइटिंग प्रवृत्ति के विरोध में उतर आए हैं।उनका मानना है कि इससे उनके कामगारों की कार्यक्षमता पर बुरा असर पड़ता है।वे नियमित नौकरी से जुड़े प्रतिष्ठानों में अपना बहुमूल्य व क्षमता आधारित कार्य-निष्पादन में पिछड़ जाते हैं। परिणामस्वरूप प्रतिष्ठान का आउट पुट कुप्रभावित होता है एवं कामगारों की उस प्रतिष्ठान के प्रति विश्वसनीयता व इंटीग्रीटी पर भी बुरा असर पड़ता है। रोजगार की सेवा शर्तों में स्पष्ट जिक्र होने (एक समय में एक प्रतिष्ठान में नौकरी) पर भी समय की बदलती परिस्थितियों में खासकर जब कोविड-19 पैंडेमिक की स्थिति में कामगारों को वर्क फ्रॉम होम जैसी व्यवस्थाओं के साथ जुड़ना पड़ा तो कामगारों द्वारा भविष्य में अपनी नौकरी की सुरक्षा हेतु अन्य कंपनियों में अवसर तलाशने की प्रवृत्ति बढ़ी और वे एक से अधिक कंपनियों में घर बैठे कार्य निष्पादन की ओर उन्मुख होने लगे।मूनलाइटिंग में संलग्न कामगारों द्वारा तर्क दिया जाता है कि नियमित रोजगार से प्राप्त आमदनी से आवश्यक बुनियादी आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं हो पाने के कारण वे अपने अतिरिक्त समय में अन्य प्रतिष्ठानों में अंशतः सेवा न कि पूर्णकालिक सेवा देते हैं। ऐसी अंशतः सेवा से सेवा शर्तों का उल्लंघन नहीं होता है। दोनों पक्षों की परस्पर दलीलों ने औद्योगिक संबंधों की पुनर्व्याख्या को अवश्यंभावी बना दिया है।आई. टी. कंपनी विप्रो, इन्फोसिस,टेक महिंद्रा आदि ने मूनलाइटिंग के कानूनी पक्ष के लिए सरकार से विमर्श व न्यायालय तक जाने को सोचने लगे हैं जबकि स्विगी जैसी कंपनियां इसे बहुत ज्यादा तूल नहीं दे रही है। नियमित कामगारों को मूनलाइटिंग की अनुमति मिलने न मिलने पर छिड़ी बहस से मूनलाइटिंग कार्य व्यवहार के नये-नये क्षेत्रों का उद्भेदन होता नजर आ रहा है जिसमें एक क्षेत्र शिक्षा जगत से जुड़ा है जिसका विश्लेषण यहां अपरिहार्य हो जाता है। स्कूलों खासकर प्राईवेट स्कूलों में दिन-प्रतिदिन के शिक्षण कार्य समापन के बाद स्कूल के शिक्षक निजी ट्यूशन/कोचिंग संस्थान खोल रखे हैं जिनमें सैकड़ों बच्चे स्कूल अवधि से पहले या बाद में फीस देकर शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। शिक्षकों का यह कार्य भी मूनलाइटिंग की परिभाषा के अंतर्गत ही आता है। कोई भी विद्यालय प्रबंधन अपने नियमित रोजगार प्राप्त शिक्षकों को अन्य निजी संस्थानों में शिक्षण या अध्यापन कार्य की औपचारिक अनुमति नहीं देता है। फिर भी सर्वेक्षण किया जाय तो यह स्पष्ट हो जाएगा कि अधिकांश शिक्षक खासकर तकनीकी व जटिल माने जाने वाले विषयों के शिक्षक अपने नियमित रोजगार प्रदायी स्कूल में अध्यापन कार्य के अलावा ट्यूशन/कोचिंग संस्थान में अतिरिक्त आय हेतु योगदान देते हैं।उनका यह योगदान भले ही उनके अतिरिक्त आय का जरिया बनता है परंतु उनका ऐसा कृत्य निश्चित रूप से नियमित रूप से जुड़े संस्थान में उनके अध्यापन कार्य की क्षमता पर प्रतिकूल असर डालता है। प्रत्येक मानव मस्तिष्क एक निश्चित समयावधि के बाद आराम चाहता है ताकि उर्जा पुनः जाग्रत हो और नये सिरे से उसे उपयोग में लाया जा सके।इसका स्याह पक्ष इस रूप में भी सामने आता है कि अध्यापक विद्यालय में अपनी विशेष कार्यक्षमता का समुचित प्रदर्शन न कर काम चलने भर ही करते हैं एवं अपनी उर्जा बचाकर रखते हैं ताकि निजी संस्थानों में उसका उपयोग किया जा सके। विद्यालय प्रबंधन के पास भी औपचारिक रूप से ऐसा कोई मेकेनिज़्म विकसित नहीं होता है जिससे वह मूनलाइटिंग की इस प्रवृत्ति पर प्रभावशाली अंकुश लगा सके और अगर कुछ स्कूलों में शिक्षकों के लिए विद्यालय परिसर में ही फूडिंग व लॉजिंग की सुविधा प्रदान कर मूनलाइटिंग की संभावना को शून्य करने का प्रयास किया भी जाता है तो यह प्रबंधन के लिए एक बड़े खर्च का कारण बनता है। इस प्रकार अब देखें तो मूनलाइटिंग से उपजी बहुआयामी समस्याओं को दूर करने के लिए कुछ आवश्यक उपाय किए जाने की अनिवार्यता सहज रूप से स्वीकार की जाने लगी है। वर्तमान में प्रचलित औद्योगिक कानूनों की बात करें तो फैक्ट्री एक्ट,1948 की धारा 60 में स्पष्ट प्रावधान किया गया है कि कोई भी कामगार एक समय में एक से अधिक प्रतिष्ठानों में नियोजित नहीं हो सकता। बावजूद इसके कानूनों की और भी स्पष्ट व्याख्या की जरूरत महसूस की जाने लगी है क्योंकि कानून की धाराओं में नियोजन की बात तो की गई है परंतु यह भी समझा जाना चाहिए कि अंशतः नियोजन व पूर्णतया नियोजन जैसे बारीक अंतर पर कानून को और भी अभी स्पष्ट होना है। मूनलाइटिंग जैसे कार्य व्यवहार को हतोत्साहित करने के लिए निजी प्रतिष्ठानों को चाहिए कि नियोजित कामगारों को उतना वेतन तो निश्चित रूप से दे जितने में कि एक औसत परिवार अपने दिन-प्रतिदिन की बुनियादी जरूरतों को पूरा कर सके।साथ ही प्रतिष्ठानों की आयक्षमता के अनुरूप कामगारों को विशेष सांस्कृतिक व धार्मिक अवसरों पर होने वाले उपरिव्यय (ओवर हेड एक्सपेंडीचर) की यथासंभव पूर्ति हेतु बोनस आदि की एक सुनिश्चित व सुग्राह्य प्रणाली का अनुकरण किए जाने से मूनलाइटिंग जैसे कार्य को हतोत्साहित किया जा सकता है।यह भी सत्य है कि इस प्रवृत्ति ने श्रमिक -उद्योगपतियों से जुड़े औद्योगिक संबंधों में अंतर्निहित कमियों को उजागर कर दिया है और उद्योग में मानव-संबंध के एक नये उपागम को जन्म दिया है।अब वक्त है नियोजक व नियोजितों के बीच परस्पर निर्भरता के सिद्धांत को व्यावहारिक रुप दिए जाने का।

(लेखक झारखंड के योजना एवं विकास विभाग में सांख्यिकी अधिकारी हैं)

शीर्ष वरीयता प्राप्त एरिना सबालेंका ने सेमीफाइनल में बनाई जगह

मेलबर्न, एजेंसी। शीर्ष वरीयता प्राप्त एरिना सबालेंका ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए मंगलवार को अमेरिका की 18 वर्षीय इवा जोविक को 6-3, 6-0 से हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली।

भारी गर्मी में खेला गया मैच- मेलबर्न में 40 डिग्री

सेल्सियस से अधिक तापमान की चेतावनी के बावजूद मैच रॉड लेवर स्टेडियम में शुरू हुआ। शुरुआत में छत खुली रखी गई, लेकिन पुरुष क्वार्टरफाइनल में अलेक्जेंडर ज़्वेरेव और अमेरिकी खिलाड़ी लर्नर टिएन के बीच मैच के लिए इसे बंद कर दिया गया।

सबालेंका का दबदबा- सबालेंका ने पहले सेट में 3-0 की बढ़त बनाकर 29वीं वरीयता प्राप्त जोविक पर नियंत्रण जमा लिया। जोविक ने वापसी की कोशिश की और नौवें गेम में ब्रेकपॉइंट के तीन मौके बनाए, लेकिन सबालेंका ने अपने खेल का दबदबा कायम रखा। दूसरे सेट में सबालेंका ने दो ब्रेकपॉइंट लेकर 5-0 की बढ़त बनाई और अंतत: ऐस के दम पर मैच अपने नाम किया।

मैच के बाद सबालेंका की प्रतिक्रिया- सबालेंका ने कहा, 'पिछले कुछ राउंड में मुझे युवा खिलाड़ियों ने कड़ी चुनौती दी। वे अविश्वसनीय खिलाड़ी हैं। यह काफी मुश्किल मैच था। स्कोर मत देखिए, यह बिल्कुल भी आसान नहीं था। उसने शानदार खेल दिखाया और मुझे अपने खेल का स्तर बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।'

4,60,000 ऑस्ट्रेलियाई डॉलर में बिकी डॉन ब्रैडमैन की 'बैगी ग्रीन कैप'

गोल्ड कोस्ट, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के महानतम बल्लेबाज सर डॉन ब्रैडमैन की बैगी ग्रीन कैप 4,60,000 ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (लगभग 2.92 करोड़ रुपये) में नीलाम हुई है। यह नीलामी सोमवार को गोल्ड कोस्ट में हुई। नीलामी में कैप को खरीदने वाले ने अपनी पहचान गुप्त रखने का फैसला किया है। हालांकि, ऑस्ट्रेलियाई मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कैप को एक म्यूजियम में प्रदर्शित किया जाएगा, जिससे क्रिकेट फैंस खेल की सबसे कीमती कलाकृतियों में से एक को देख सकेंगे। सर डॉन ब्रैडमैन ने इस कैप को 1947-48 में भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दौरान पहना था। इस कैप को ब्रैडमैन ने भारतीय क्रिकेटर श्रीरंगा वासुदेव सोहोनी को तोहफे में दिया था, जिससे इस दुर्लभ वस्तु में भावनात्मक और ऐतिहासिक मूल्य जुड़ गया। सोहोनी के परिवार ने 7 दशकों से भी ज्यादा समय तक इस कैप को बहुत सावधानी से सहेजते हुए इसे तीन पीढ़ियों तक सुरक्षित रखा। कैप के अंदर 'डीजी ब्रैडमैन' और 'एसडब्ल्यू सोहोनी' नाम हाथ से लिखे हुए हैं, जो इसकी प्रामाणिकता और आकर्षण को और बढ़ाते हैं।

: T20 वर्ल्ड कप में भारत-पाक मैच पर बासित अली का बड़ा सुझाव

बहिष्कार नहीं, काली पट्टी बांधकर खेलें

नई दिल्ली/कराची, एजेंसी। अगले महीने होने वाले ञ्20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले महा-मुकाबले को लेकर बहस तेज हो गई है। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर बासित अली ने मैच के बहिष्कार की उठ रही मांगों का विरोध करते हुए एक अलग राय दी है। उनका कहना है कि पाकिस्तान को मैदान पर उतरना चाहिए, लेकिन विरोध स्वरूप काली पट्टी पहनकर खेलना चाहिए। राजनीति और क्रिकेटः बासित अली ने अपने यूट्यूब चैनल पर दुख जताते हुए कहा कि क्रिकेट अब सिर्फ 'जेंटलमैन गेम' नहीं रह गया है, बल्कि यह पूरी तरह से 'राजनीतिक' हो चुका है। बहिष्कार पर सवालः उन्होंने कड़ा

सवाल उठाते हुए कहा कि अगर पाकिस्तान को बहिष्कार ही करना है, तो वे 15 फरवरी के बड़े मैच का इंतजार क्यों कर रहे हैं?

अंडर-19 का उदाहरणः बासित ने सुझाव दिया कि यदि विरोध की मंशा इतनी ही गहरी है, तो इसकी शुरुआत 1 फरवरी को होने वाले अंडर-19 वर्ल्ड कप के भारत-पाकिस्तान मैच से ही क्यों नहीं की जाती?

भारतीय दोस्तों का मशविराः उन्होंने खुलासा किया कि उनके कुछ भारतीय दोस्तों ने भी उन्हें यही राय दी है कि सीनियर टीम के बजाय कदम अंडर-19 स्तर पर ही उठाया जाना चाहिए।

'बांग्लादेश' के फैसले पर भी उठाए सवाल

बासित अली ने क्रिकेट जगत में हाल के कुछ फैसलों की आलोचना करते हुए कहा कि बांग्लादेश को वर्ल्ड कप से बाहर करने के फैसले ने खेल को बहुत नुकसान पहुंचाया है। उनके अनुसार, 'इन फैसलों के साइड इफेक्ट्स (दुष्प्रभाव) अब दिखाई दे रहे हैं और क्रिकेट के भविष्य पर इसके लंबे समय तक असर पड़ेंगे।

टी20 विश्व कप से पहले इटली ने गजब कर दिया, पहली बार टेस्ट खेलने वाले देश को हराया

दुबई, एजेंसी। इटली की टीम पहली बार टी20 विश्व कप में खेलने के लिए तैयार है। उससे पहले टीम ने बड़ा उलटफेर कर दिया है। टीम ने आयरलैंड को टी20 मुकाबले में हरा दिया है। आयरलैंड आईसीसी का फुल मेंबर है और टेस्ट क्रिकेट भी खेला है। इटली ने इंटरनेशनल क्रिकेट में पहली बार किसी टेस्ट प्लेइंग देश को हराया है। पहले खेलते हुए आयरलैंड ने दुबई में हुए मुकाबले में 154 रन बनाए। इटली ने आखिरी ओवर मैच लक्ष्य हासिल कर लिया। हालांकि तीन मैचों की सीरीज को आयरलैंड ने 2-1 से अपने नाम कर लिया।

तीन छक्कों के साथ मैच फिनिश- इटली मैच को आखिरी ओवर में मैच जीतने के लिए 16 रन चाहिए थे। बैरी मैकर्टी के खिलाफ स्ट्राइक पर ग्रांट स्टीवर्ट थे। ओवर की पहली तीन गेंदों पर ही स्टीवर्ट ने तीन छक्के मारे और मैच खत्म कर दिया।

मुंबई इंडियंस की स्टार ऑलराउंडर ने रचा इतिहास

डब्ल्यूपीएल में जड़ा पहला शतक

नई दिल्ली, एजेंसी। डब्ल्यूपीएल 2026 में ऐतिहासिक लम्हा देखने को मिला, जब मुंबई इंडियंस की स्टार ऑलराउंडर नैट साइवर-ब्रंट ने विमेंस प्रीमियर लीग का पहला शतक जड़ दिया। यह कारनामा उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ किया और अपनी इस पारी से मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया।

डब्ल्यूपीएल को मिला पहला शतकवीर- वडोदरा के कोटांबी स्टेडियम में खेले गए मैच 16 में, टॉस हारकर पहले बल्लेबाज़ी करने उतरी मुंबई इंडियंस की शुरुआत संभली हुई रही। नैट साइवर-ब्रंट ने पारी को संभालते हुए पहले 32 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया और फिर आक्रामक अंदाज़ अपनाते हुए 57 गेंदों में शतक जड़ दिया। इस पारी के साथ वह ङ्खक्क इतिहास में शतक लगाने वाली पहली खिलाड़ी बन गई और टूर्नामेंट की रन लिस्ट में भी शीर्ष पर पहुंच गईं।

- **मुंबई इंडियंस का विशाल स्कोर-** साइवर-ब्रंट की शानदार पारी की बदौलत मुंबई इंडियंस ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 199 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। ब्रेक के दौरान उन्होंने कहा कि वह 90ह्य के 'कर्स' से वाकिफ थीं और टीम के लिए ज्यादा से ज्यादा रन बनाने पर फोकस कर रही थीं।
- **पहला ञ्20 शतक, खास जश्न-** यह शतक कई मायनों में खास रहा। नैट साइवर-ब्रंट का यह टी20 क्रिकेट में पहला शतक था, स्टैंड्स में मौजूद उनकी साथी और पूर्व इंग्लैंड क्रिकेटर कैथरीन साइवर-ब्रंट इस पल की गवाह बनीं।

यह टीम 568 रनों से जीती मैच

गढ़ दिया इतिहास!

जीत के हीरो रहे ये खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार और मणिपुर के बीच रणजी ट्रॉफी प्लेट ग्रुप का फाइनल मुकाबला बिहार में पटना में स्थित मोइन-उल-हक स्टेडियम में खेल गया. इस खिताबी मुकाबले में बिहार ने 568 रनों से ऐतिहासिक जीत दर्ज की. रणजी ट्रॉफी के प्लेट ग्रुप में ये अब तक की सबसे बड़ी जीत मानी जा रही है. मणिपुर के खिलाफ मिली रिकॉर्डतोड़ जीत के साथ ही बिहार की टीम अब प्लेट ग्रुप से निकलकर एक बार फिर से एलीट ग्रुप में प्रवेश कर चुकी है. अगले रणजी सीजन में बिहार एलीट ग्रुप में खेलती हुई नज़र आएगी. इस ऐतिहासिक जीत में बिहार की तरफ से कई खिलाड़ियों ने अहम रोल निभाया. इसमें कप्तान साकिबुल गनी, आयुष लोहारुका, बिपिन सौरभ, सूरज कश्यप, हिमांशु सिंह और पीयूष कुमार सिंह जीत के हीरो रहे.

रणजी ट्रॉफी प्लेट ग्रुप का कैसा रहा खिताबी मुकाबला

रणजी ट्रॉफी प्लेट ग्रुप के खिताबी मुकाबले की पहली पारी में बिहार ने 522 रनों का बड़ा स्कोर खड़ा किया. इसके जवाब में मणिपुर की टीम 264 रन पर सिमट गई. दूसरी पारी में बिहार ने 119.3 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 505 रन बनाकर पारी घोषित की. इस पारी में पियूष कुमार सिंह ने दोहरा शतक जड़ते हुए टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाया. पियूष ने नाबाद 216 रनों की बेहतरीन पारी खेली. दूसरी पारी खेलने उतरी मणिपुर की टीम महज 195 रन पर ही ऑल आउट हो गई. इस खिताबी मुकाबले में बिहार की टीम ने कुल 1,027 रन बनाए, जबकि मणिपुर 459 रन ही बना पाई. इस तरह बिहार की टीम ने 568 रनों से विशाल जीत दर्ज की.

जीत के हीरो रहे ये खिलाड़ी

रणजी ट्रॉफी के प्लेट ग्रुप 2025-26 में बिहार की टीम ने शानदार प्रदर्शन किया. खिलाड़ियों के बेहतरीन और लगातार योगदान की बदौलत टीम ने दमखम दिखाते हुए एक बार फिर एलीट ग्रुप में अपनी जगह पक्की कर ली. इस सीजन में बिहार के लिए कप्तान साकिबुल गनी समेत 5 और खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया, जिनके नाम इस प्रकार हैं :-

आयुष लोहारूका बिहार की ओर से सबसे सफल बल्लेबाज रहे, जिन्होंने 6 मैचों में कुल 540 रन बनाए. इसमें उनका सर्वोच्च स्कोर 226 रन रहा. बिपिन सौरव ने पूरे सीजन में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से खूब जलवा दिखाया. वो इस सीजन 14 छक्कों के साथ प्लेट ग्रुप में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज रहे. बिहार के कप्तान साकिबुल गनी ने पूरे टूर्नामेंट में जिम्मेदारी भरी पारियां खेलते हुए कई बार टीम को संकट से बाहर निकाला. गनी के बल्ले से 6 मैचों में कुल 329 रन निकले, जिसमें 1 शतक और 3 अर्धशतक शामिल रहे. रणजी ट्रॉफी के डेब्यू सीजन पर सूरज कश्यप ने अपने ऑलराउंड प्रदर्शन से गहरी छाप छोड़ी. बिहार के लिए तीन मैचों में उन्हें पांच पारियों में बल्लेबाजी करने का मौका मिला, जिसमें उन्होंने कुल 247 रन बनाए. इसके साथ ही उन्होंने 8 विकेट भी अपने नाम किए. पीयूष कुमार सिंह को इस सीजन में सिर्फ फाइनल मुकाबले में खेलने का मौका मिला. इस बड़े मैच में उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरी पारी में 216 रनों की बेहतरीन पारी खेली. हिमांशु सिंह ने बिहार की ओर से खेलते हुए इस सीजन सबसे ज्यादा विकेट अपने नाम किए. उन्होंने 6 मुकाबलों में 15 विकेट चटकाए और इस दौरान उन्होंने कुल 848 डॉट बॉल डालीं, जो टीम में सर्वाधिक रहीं.

6489 करोड़ का हुआ दिग्गज बैंक को प्रॉफिट

नई दिल्ली, एजेंसी। एक्सिस बैंक ने दिसंबर तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। बैंक की मुनाफे में सालाना आधार पर हल्की बढ़त देखने को मिली है। दिसंबर तिमाही में एक्सिस बैंक का स्टैंडअलोन नेट प्रॉफिट करीब 3 प्रतिशत बढ़कर 6,489.57 करोड़ रहा, जो पिछले साल की इसी तिमाही में 6,303.77 करोड़ था।

हालांकि, तिमाही आधार पर देखें तो बैंक की कमाई में तेज सुधार देखने को मिला है। सितंबर तिमाही के मुकाबले मुनाफा 27 प्रतिशत उछलकर आया है, जो बैंक के ऑपरेशनल प्रदर्शन में सुधार का संकेत देता है, भले ही फंडिंग कॉस्ट का दबाव बना रहा हो।

नेट इंटरेस्ट इनकम पर ऊंचे ब्याज खर्च का असर दिखा। दिसंबर तिमाही में बैंक का इंटरेस्ट एक्सपेंस बढ़कर 17,987.84 करोड़ हो गया, जो पिछले साल 17,348.09 करोड़ था। इसी वजह से नेट इंटरेस्ट मार्जिन 3.64 प्रतिशत पर रहा। वहीं, बैंक की इंटरेस्ट इनकम 32,274 करोड़ रही, जिसमें सालाना आधार पर 4.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

शेयरों के हाल

शेयर बाजार की बात करें तो एक्सिस बैंक का शेयर मंगलवार को बाजार खुलने पर फोकस में रहेगा, क्योंकि सोमवार को गणतंत्र दिवस की छुट्टी थी। शुक्रवार को शेयर 2.84 प्रतिशत गिरकर 1,258 पर बंद हुआ था। हालांकि, लंबे समय में स्टॉक का प्रदर्शन मजबूत रहा है। पिछले एक साल में शेयर 32 प्रतिशत चढ़ा है, जबकि 5 साल में इसमें करीब 91 प्रतिशत की तेजी आई है। इस महीने शेयर ने 1,326 का 52-सप्ताह का उच्च स्तर छुआ था। एमडी और सीईओ अमिताभ चौधरी ने कहा कि बैंक डिजिटल बैंकिंग, टेक्नोलॉजी और इनोवेशन पर फोकस करते हुए भविष्य के लिए खुद को और मजबूत बना रहा है।

500 की एक काली स्ट्रॉबेरी

ढाबे पर खाली बैठे तो 1000 का जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन में गहरे बैंगनी लगभग काले रंग की ब्लैक पर्ल स्ट्रॉबेरी सोशल मीडिया पर जबरदस्त ट्रेंड बन गई है। इस दुर्लभ स्ट्रॉबेरी की कीमत करीब भारतीय मुद्रा में लगभग 3500-3700 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई है। वहीं, इसकी एक की कीमत 450-500 रुपये बताई जा रही है। ज्यादा मिठास और अनोखे रंग के कारण इसे स्ट्रॉबेरी की हर्मीस कहा जा रहा है।

विशेषज्ञों के मुताबिक इसका रंग इसमें मौजूद एंथोसायनिन तत्व की वजह से होता है। हालांकि इसकी खेती मुश्किल और पैदावार कम होने के कारण किसान अभी सतर्क हैं, लेकिन स्वाद के चलते इसकी मांग लगातार बढ़ रही है।

ढाबे पर खाली बैठे तो लगेगा एक हजार रुपये का जुर्माना

बेंगलुरु में एक ढाबे का नोटिस इन दिनों सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। इस ढाबे ने अपनी दीवार पर नोटिस लगा दिया है। इसमें लिखा है कि कोई मीटिंग की अनुमति नहीं। एक घंटे से ज्यादा चली मीटिंग पर प्रति घंटा 1000 रुपये शुल्क लिया जाएगा। इस नोटिस की तस्वीर बेंगलुरु निवासी शोभित बाकलीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा की, जिसके बाद यह पोस्ट तेजी से वायरल हो गई। कुछ ही समय में इसे हजारों लोग देख चुके हैं। दरअसल, बेंगलुरु में कई कैफे और ढाबे अब अनौपचारिक ऑफिस की तरह इस्तेमाल होने लगे हैं, जहां लोग घंटों बैठकर मीटिंग करते हैं लेकिन बहुत कम ऑर्डर देते हैं। इससे खासकर छोटे दुकानदारों को नुकसान होता है, क्योंकि टेबल लंबे समय तक घिरी रहती हैं और नए ग्राहक नहीं बैठ पाते।कई सोशल मीडिया यूजर्स ने ढाबे के इस कदम का समर्थन किया। एक यूजर ने लिखा कि लोग घंटों बैठते हैं और कुछ मंगाते भी नहीं, ऐसे में मालिक परेशान तो होगा ही। वहीं कुछ लोगों ने इसे मजेदार बताते हुए कहा कि बेंगलुरु के ढाबों के नियम वाकई अनोखे होते हैं। यह नोटिस भले ही सख्त लगे, लेकिन इससे यह साफ हो गया है कि अब खाने की जगहों पर वर्क-मीटिंग संस्कृति की सीमा तय की जा रही है।

1 पर 3 शेयर बोनस देगी इन्फोबींस टेक्नोलॉजीज

- 1200 प्रतिशत तक उछल गया है शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। इन्फोबींस टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने अपने शेयरधारकों को बड़ा तोहफा देने का ऐलान किया है। कंपनी ने 3:1 के रेशियो में बोनस इश्यू को मंजूरी दी है। यानी अगर किसी निवेशक के पास 1 शेयर है, तो उसे 3 शेयर मुफ्त में मिलेंगे। यह फैसला 22 जनवरी 2026 को हुई बोर्ड मीटिंग में लिया गया है। हर बोनस शेयर का फेस वैल्यू 10 होगा और यह पूरी तरह से पेड-अप रहेगा। हालांकि, यह बोनस इश्यू शेयरहोल्डर्स की मंजूरी और जरूरी कानूनी प्रक्रियाओं के बाद ही लागू होगा, जिसके लिए पोस्टल बैलेट कराया जाएगा। बता दें कि पिछले शुक्रवार को कंपनी के शेयर 808.95 रुपये पर बंद हुए थे। सालभर में यह शेयर 110 पर्सेंट, पांच साल में 460 पर्सेंट और इसका मैक्सिमम रिटर्न 1200 प्रतिशत तक का है। आसान भाषा में समझें तो बोनस इश्यू का मतलब है कि कंपनी अपने मौजूदा निवेशकों को बिना कोई पैसा लिए अतिरिक्त शेयर देती है। इसके लिए कंपनी अपनी जमा पूंजी यानी रिजर्व और सिक्योरिटीज प्रीमियम को शेयर कैपिटल में बदलती है। इसमें कंपनी के पास से कोई कैश बाहर नहीं जाता। आमतौर पर बोनस इश्यू को मैनेजमेंट के भरोसे का संकेत माना जाता है कि कंपनी की वित्तीय स्थिति मजबूत है और भविष्य को लेकर वह आश्वस्त है। हालांकि, निवेशकों को यह समझना जरूरी है कि बोनस के बाद कुल निवेश की वैल्यू नहीं बढ़ती, क्योंकि शेयरों की संख्या बढ़ने के साथ कीमत उसी अनुपात में घट जाती है। इस बोनस इश्यू के लिए इन्फोबींस टेक्नोलॉजीज करीब 43.85 करोड़ रिटेन्ड अर्निंग्स और 28.87 करोड़ सिक्योरिटीज प्रीमियम अकाउंट से कैपिटलाइज करेगी। बोनस के बाद कंपनी के कुल इक्विटी शेयरों की संख्या 2.42 करोड़ से बढ़कर करीब 9.69 करोड़ हो जाएगी। कंपनी ने 27 फरवरी 2026 को रिकॉर्ड डेट तय की है। रिकॉर्ड डेट वही कट-ऑफ तारीख होती है, जिस दिन कंपनी यह तय करती है कि कौन से शेयरहोल्डर्स बोनस पाने के हकदार हैं। जिन निवेशकों का नाम उस दिन कंपनी के रजिस्टर में होगा, उन्हें ही बोनस शेयर मिलेंगे। कंपनी की वित्तीय स्थिति

हाइब्रिड एटीएम से निकलेंगे 10, 20 और 50 के नोट, किल्लत दूर करने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार छोटे मूल्य के करेंसी नोटों (जैसे 10, 20 और 50 रुपये) को अधिक व्यापक रूप से उपलब्ध कराने के कई तरीके तलाश रही है। यह कदम उस लगातार बनी रहने वाली कमी को दूर करने के लिए है, जिसने नोटबंदी के लगभग एक दशक बाद भी रोजमर्रा के नकद लेन-देन को प्रभावित किया हुआ है।

नए प्रस्तावों में क्या शामिल है- लाइव मिंट ने सरकार के भीतर चर्चा से जुड़े दो अधिकारियों के हवाले से यह खबर दी है। प्रस्तावों में एक नई तरह की मशीन शामिल है जो मांग पर 10, 20 और 50 रुपये के नोट जारी करेगी। एक हाइब्रिड एटीएम का भी प्रस्ताव है जो बड़े नोटों को छोटे नोटों और सिक्कों में बदल सकेगा। साथ ही, केंद्रीय बैंक पर छोटे मूल्य के नोट अधिक छापने का दबाव बनाने की योजना है।

पायलट प्रोजेक्ट पर चल रहा है परीक्षण- पहले अधिकारी ने बताया कि कम मूल्य के नोट जारी करने वाली मशीन का एक प्रोटोटाइप मुंबई में एक पायलट प्रोजेक्ट के तहत परीक्षण के दौर से गुजर रहा है। एक बार मंजूरी मिलने के बाद, इस प्रणाली को राष्ट्रीय स्तर पर लागू करने की उम्मीद है। इन मशीनों को यातायात केंद्रों, बाजारों, अस्पतालों और सरकारी कार्यालयों जैसे अधिक भीड़-भाड़ वाले सार्वजनिक स्थानों पर लगाया जाएगा।

हाइब्रिड एटीएम कैसे काम करेगा- दूसरे अधिकारी ने समझाया कि एक हाइब्रिड एटीएम पारंपरिक एटीएम और सिक्का वेंडिंग मशीन की कार्यक्षमता को जोड़ेगा। ये मशीनें उपयोगकर्ताओं को एक ही लेन-देन में बड़े नोटों को छोटे नोटों और सिक्कों में बदलने की सुविधा देंगी। आरबीआई ने पहले ही मुंबई की एक बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा में हाइब्रिड एटीएम मॉडल का परीक्षण किया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)